रिजिजू बोले-विपक्ष शर्तें हटाए, सरकार... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग... 11

वर्ष - 02, अंक - 111 | गाजियाबाद / शुक्रवार 24 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

पुलिसकर्मी की छात्रों को धमकी, ड्रग्स केस में फंसा देंगे

- वीडियो वायरल, मुंबई पुलिस ने आरोपी को काम से हटाया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के एक पुलिसकर्मी ने नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को प्रदर्शन से दूर रखने के लिए ड्रग्स के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी है। इस घटना का वीडियो मुंबई कांग्रेस के एक्स हैंडल पर पोस्ट किया गया है। यह वीडियो वायरल है। पिछले कुछ दिनों में शिवाजी पार्क, चेंबूर और आजाद मैदान जैसी मुंबई की कई जगहों पर बड़ी संख्या में छात्र और नागरिक विरोध-

प्रदर्शन कर रहे हैं। मुंबई कांग्रेस के पोस्ट किए गए वीडियो में एक पुलिसकर्मी छात्रों के एक समूह को धमकी देता हुआ दिख रहा है कि अगर वे दोबारा विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए, तो उन्हें ड्रग्स के झूठे मामले में फंसा दिया जाएगा। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए, मुंबई पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। जांच के नतीजे आने तक, वीडियो में वर्दी में दिख रहे पुलिसकर्मी को उसकी मौजूदा पोस्टिंग से हटा दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जांच के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घाटी में लश्कर के 2 आतंकियों के घर ढहाए गए

- जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में हेड कॉन्स्टेबल की हत्या में थे शामिल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में प्रशासन ने गुरुवार को लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों के घर आईईडी लगाकर ध्वस्त कर दिए। यह कार्रवाई लाल चौक में पुलिस बल के हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की हत्या के एक दिन बाद की गई। अधिकारियों के मुताबिक, जिन आतंकियों के मकान गिराए गए उनमें बिजबेहड़ा के

गुरी गांव निवासी आदिल ठोकर और हसनपोरा निवासी हारून गनई शामिल है। मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे कॉन्स्टेबल कुरैशी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमले में ये दोनों आतंकी भी शामिल थे। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग स्थित लाल चौक पर आतंकियों ने इस कायराना वारदात को अंजाम दिया था। भारतीय रिजर्व पुलिस और एसओजी से जुड़े हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर तैनात थे। जिस वक्त यह हमला हुआ, उस समय खराब मौसम के कारण अमरनाथ यात्रा रुकी हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद्द

सोनम रघुवंशी फिर जेल जाएगी

तीन हफ्ते में सरेंडर करना होगा, पुलिस को 6 महीने में ट्रायल पूरा करने के आदेश

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दी। कोर्ट ने मेघालय पुलिस की याचिका पर सुनवाई के बाद गुरुवार को फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम को तीन हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है। यानी सोनम को फिर जेल जाना होगा। कोर्ट ने कहा कि

हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट ने गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी दिए जाने में कथित खामियों के आधार पर जमानत देकर गलती की थी। इसके साथ ही कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि मामले का ट्रायल 6 महीने के भीतर पूरा किया जाए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर तय अवधि में ट्रायल पूरा नहीं होता है तो सोनम रघुवंशी दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकती है।

गिरफ्तारी के आधार बताए गए थे, इसलिए जमानत गलत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी के आधार की जानकारी देना अनिवार्य है, लेकिन इस मामले में गिरफ्तारी के आधार बताने में पूरी तरह नाकामी नहीं हुई थी। कोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के आधार बिल्कुल न बताना और उनमें कुछ जानकारियों का अपर्याप्त होना, दोनों अलग-अलग स्थितियां हैं। इसलिए केवल तकनीकी कमी के आधार पर जमानत देना उचित नहीं था। कोर्ट ने यह भी कहा कि सोनम ने मजिस्ट्रेट के सामने गिरफ्तारी के आधार और संबंधित दस्तावेज मिलने की पुष्टि की थी। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि गिरफ्तारी की प्रक्रिया में कोई कमी भी हो, तब भी जांच एजेंसी जरूरत पड़ने पर दोबारा गिरफ्तारी कर सकती है। जस्टिस एमएम सुंदरेशन और जस्टिस पीबी वरेले की बेंच ने कहा कि मेरिट के आधार पर सोनम की जमानत याचिकाएं पहले ही खारिज हो चुकी हैं और मुकदमे की सुनवाई शुरू हो गई है। ऐसे में इस चरण पर आरोपी का जमानत पर बाहर रहना ठीक नहीं है।

ईरान का मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी बेस पर हमला

- बड़ा दावा-जॉर्डन में थाड डिफेंस सिस्टम किया तबाह

कुवैत में ड्रोन ठिकाने को निशाना बनाया, कई हमले

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मिडिल-ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए हैं। सेना ने जॉर्डन और कुवैत में यूएस बेस पर ड्रोन और मिसाइल दागी हैं। आईआरजीसी ने दावा किया कि जॉर्डन में तैनात अमेरिकी थाड (टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस) एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है। इसके अलावा कुवैत में अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन के ऑपरेशन बेस पर भी हमला किया गया। ईरान का कहना है कि ये कार्रवाई हाल के अमेरिकी हमलों के जवाब में की गई है। इससे पहले अमेरिका ने बुधवार रात ईरान में इराक बॉर्डर पर स्थित शलमचेह बॉर्डर क्रॉसिंग पर हवाई हमला किया। खुजेस्तान प्रांत के डिप्टी

गवर्नर ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हुई है। ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में किसी जहाज पर हमला करता है, तो अमेरिका जवाब में ईरान के पुलों को निशाना बनाएगा।

जंग में अब तक 18 अमेरिकी सैनिकों की मौत- अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, मौजूदा संघर्ष में अब तक 18 अमेरिकी सैनिक मारे जा चुके हैं, जबकि सैकड़ों सैनिक घायल हुए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया कि ईरान के साथ युद्ध पर अब तक 37.5 अरब डॉलर (करीब 3.6 लाख करोड़) खर्च हो चुके हैं। अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमत 92.01 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई, जबकि क्रूड 85.16 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

प्रियंका नारे लगाते हुए एनडीए सांसदों के पास पहुंचीं

- संसद के बाहर एनडीए व इंडिया ब्लॉक आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को संसद भवन के बाहर एनडीए और विपक्ष आमने-सामने आ गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत विपक्षी सांसदों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष के सामने एनडीए के सांसद भी

विरोध प्रदर्शन में उतर गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एनडीए सांसद पीएम आवास के बाहर 21 जुलाई को राहुल के धरने का विरोध कर रहे हैं। वहीं इंडिया ब्लॉक नीट पेपर लीक को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है। प्रदर्शन के दौरान प्रियंका गांधी एनडीए सांसदों के बिल्कुल करीब चली गईं। सुरक्षाकर्मियों ने बीच में आकर उन्हें रोका। संसद के भीतर भी हंगामा जारी रहा। इसके कारण लोकसभा और राज्यसभा स्थगित कर दी गई।

पेपर लीक मामलों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी सुनवाई

- नीट विवाद के बीच पीएम मोदी का ऐलान, सरकार ऐक्टिव

पीएम ने कहा-दोषियों को दिलाई जाएगी सख्त से सख्त सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। छात्रों द्वारा नीट पेपर लीक को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन के बीच युवाओं और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा कि पेपर लीक मामलों की त्वरित सुनवाई और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई होगी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पेपर लीक के सभी मामलों में दोषियों को जल्द से जल्द कठोर दंड देने के लिए, केस के त्वरित निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं कि संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों के हितों को सुरक्षित करने के लिए, सरकार द्वारा लिए जा रहे निर्णयों की श्रृंखला में ये एक महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़

करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। राज्य/सरकार द्वारा फास्ट ट्रैक कोर्ट्स का गठन किया जाएगा। गौरतलब है कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र नीट पेपर लीक मामले को लेकर धरना प्रदर्शन दे रहे हैं और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। छात्रों के साथ विपक्षी दल भी इस प्रदर्शन में शामिल हैं। इस बीच को भी छोड़ा नहीं जाएगा और उन पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

पेपर लीक केस के लिए पहली बार फास्ट ट्रैक कोर्ट

देश में अब तक पेपर लीक मामलों की सुनवाई सामान्य अदालतों में होती थी, इसलिए फैसला आने में कई साल लग जाते थे। अब प्रधानमंत्री ने इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है, ताकि फैसला तेजी से हो सके। भारत में फास्ट ट्रैक कोर्ट की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इनका गठन 11वें वित्त आयोग की सिफारिश पर किया गया था। आयोग ने देशभर में 1734 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने के लिए स्पेशल फंड की अनुशंसा की थी। फास्ट ट्रैक कोर्ट का रिकॉर्ड भी बेहतर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, रेप और पाक्सो मामलों के लिए बनी फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 2019 से 2025 तक 3.06 लाख से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। इन अदालतों में मामलों के निपटारे का रेट 96.28 फीसदी है, यानी जितने नए मामले आए हैं।

मेदांता में 600 जवानों की सिक्योरिटी में सोनम वांगचुक

बोले-सरकार का भरोसा मिले तो आज ही अनशन खत्म

गुरुग्राम (एजेंसी)। सोनम वांगचुक के अनशन का गुरुवार को 26वां दिन है। गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती हुए उन्हें दो दिन हो चुके हैं। बुधवार को उनसे मिलने पहुंचे आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और समाजवादी पार्टी के 15 विपक्षी सांसदों को पुलिस ने रोक दिया था। पुलिस और सांसदों के

बीच बहस हुई। नाराज सांसद गेट पर ही धरने पर बैठ गए। इसे लेकर करीब एक घंटे तक हंगामा चला। इसके बाद सोनम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज जारी किया, जिसमें कहा- अनशन को 25 दिन बीत गए हैं लेकिन अभी तक जिंदा हूं। कुछ सांसद मुझसे मिलने आए, उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की। मुझे अगर सरकार की तरफ से भरोसा मिले तो मैं अनशन खत्म कर दूंगा।

बातचीत को तैयार सरकार, प्रदर्शन पर अड़ी सीजेपी

सरकार बोली-कॉकरोच पार्टी को चार बार बातचीत के लिए बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह कॉकरोच जनता पार्टी के साथ किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दावा किया कि बुधवार दोपहर से अब तक सीजेपी को चार बार प्रस्ताव भेजा गया है। जेपी नड्डा के घर या ऑफिस, कहीं भी बातचीत हो सकती है और दोनों मंत्री इसमें शामिल होंगे। दूसरी ओर सीजेपी ने सरकार का प्रस्ताव ठुकरा दिया। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि अगर सरकार बातचीत करना चाहती है तो जंतर-मंतर आए या प्रदर्शन स्थल के पास किसी न्यूट्रल जगह पर बातचीत करे। सौरव ने कहा- हमें पुलिस ने बताया कि सरकार ने बातचीत के लिए बुलाया है, लेकिन हम किसी के घर या ऑफिस नहीं जाएंगे। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सीजेपी के नेतृत्व में छात्रों का प्रदर्शन 20 जून से जारी है। प्रदर्शनकारी नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वहीं, आंदोलन से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 28 जून से अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं और फिलहाल गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं।

दिल्ली की आग पहुंची दरभंगा, भारी बवाल

- छात्रों के प्रदर्शन में जमकर पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

सिटी एसपी सहित सिपाही को लगी चोट, छात्रों का गुस्सा फूटा

दरभंगा (एजेंसी)। दिल्ली और पटना की आग दरभंगा पहुंच चुकी है। दरभंगा में छात्रों ने दिल्ली में सीजेपी प्रोटेस्ट के समर्थन और दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में प्रदर्शन किया। छात्रों ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतर गए। इस दौरान छात्रों ने लोहिया चौक पर पथराव करना शुरू कर दिया। इस पथराव में दर्जन भर राहगीर घायल हो गए। पथराव रोकने के क्रम में एक सिपाही को गंभीर चोट लग गई। वहीं सिटी एसपी अशोक कुमार चौधरी के पैर में चोट लगी है। गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते डीएम कौशल कुमार, डीआईजी मनोज कुमार तिवारी, एसएसपी जगुनाथ रेड्डी सहित भारी संख्या में पुलिस पहुंची।

छात्रों पर पुलिस का लाठीचार्ज- स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया। इसके बावजूद जब भीड़ नहीं हटी तो दंगा नियंत्रण के तहत सात राउंड आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना के करीब दो घंटे बाद भी पूरे लहेरियासराय थाना क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। बताया जाता है कि बिना पूर्व सूचना के करीब दो हजार से अधिक छात्र दरभंगा शहर के कर्पूरी चौक पर एकत्र हुए।

गाजीपुर में 51 लाइसेंस पर 145 हथियार!

सपा सांसद अफजल भी फंसे, मुख्तार के गिरोह की थी साजिश

गाजीपुर (एजेंसी)। गाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी के सांसद अफजल अंसारी हथियारों के लाइसेंसों में की गई गड़बड़ी के मामले में फंस गए हैं। यहां पर 51 शस्त्र लाइसेंसों पर 145 हथियारों की खरीद-बिक्री की गई है। यह करतूत दो क्लर्कों की मदद से की गई है। इस मामले में बाहुबली नेता और माफिया रहे मुख्तार अंसारी के भाई सांसद अफजल अंसारी और कुख्यात आईएस-191 गिरोह के सदस्य कथित रूप से शामिल रहे हैं। पुलिस ने अफजल और दो लिपिकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, जिले के अभिलेखागार से शस्त्र लाइसेंस और उसकी खरीद-बिक्री से जुड़ी पत्रावली गायब कर दी गई है। इस मामले में सपा सांसद अफजाल अंसारी, तत्कालीन शस्त्र लिपिक अशफाक अहमद और गौरी शंकर राम के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने

एफआईआर दर्ज की है। बताया जाता है कि यह गड़बड़ी सांसद अंसारी ने दोनों क्लर्कों की मिलीभगत से की थी। अब पुलिस मुख्तार अंसारी के आईएस-191 गिरोह के गुर्गों और उनके सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

आईएस-191 गिरोह के सदस्यों के हैं हथियार लाइसेंस- एसपी डॉ ईरज राजा के अनुसार माफिया सरगना रहे मुख्तार अंसारी और उसके परिवार के लोगों ने आईएस-191 गिरोह के सदस्यों व सहयोगियों के नाम से जारी किए गए हथियारों के 51 लाइसेंसों की खरीद-बिक्री की थी। इसकी जांच दो महीने तक चली। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों के अलावा दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश के जिलाधिकारी कार्यालयों व लाइसेंसी दुकानों पर जाकर जांच की। इसमें शस्त्र लाइसेंस से जुड़ी पत्रावलियों और उस पर खरीदे गए हथियारों का सत्यापन कराया गया। इस जांच से पता चला कि 51 शस्त्र लाइसेंसों पर 145 हथियार खरीदे और बेचे गए हैं।

- **अंसारी के लाइसेंस की पत्रावली गायब-** पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय से जो जानकारी मिली है उसके अनुसार अभिलेखागार में पत्रावलियां मौजूद नहीं हैं। अफजल अंसारी के नाम से जारी लाइसेंस संख्या 1188 पी2 की पत्रावली भी गायब मिली। यह गड़बड़ी कलेक्ट्रेट के शस्त्र लिपिकों की मिलीभगत से की गई थी। लाइसेंस पर खरीदी गई राइफल (नंबर 830405) की जानकारी भी नहीं मिली। इस पर पुलिस ने लाइसेंसधारक अफजल अंसारी, तत्कालीन शस्त्र लिपिक अशफाक अहमद और गौरी शंकर राम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस के मुताबिक 30 साल पहले भी अलग-अलग जांच एजेंसियों ने इस मामले में कार्रवाई की थी। मऊ, आजमगढ़ और गाजीपुर से फर्जी लाइसेंस जारी किए गए थे। जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पता चला है कि आरोपी और उनसे जुड़े लोग अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते थे।

हर छात्र आंदोलन लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं:तस्लीमा

- नसरीन की चेतावनी, बोलीं-बांग्लादेश सा न हो जाए भारत का हाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन को लेकर बांग्लादेश की लेखिका तसलीमा नसरीन ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा कि जंतर-मंतर पर जुटे कॉकरोच आंदोलन के प्रदर्शनकारियों को देखकर उन्हें बांग्लादेश के जुलाई 2024 के छात्र आंदोलन की याद आ गई। उन्होंने कहा कि उस आंदोलन की शुरुआत आरक्षण और मेरिट के मुद्दे से हुई थी, लेकिन बाद में वह सरकार बदलने की मांग तक पहुंच गया।

पुलिसकर्मी की हत्या के बाद दो आतंकवादियों के घर पर चला बुलडोजर

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक आतंकवादी हमले में पुलिसकर्मी आशिक हुसैन की मौत के कुछ घंटे बाद प्रशासन ने लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादियों के मकान ढहा दिए। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सक्रिय आतंकवादी आदिल ठोकर और हारून रशीद गनई के मकान बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात ध्वस्त कर दिए गए।

उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई बुधवार दोपहर अनंतनाग के लाल चौक में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन की एक आतंकवादी ने गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ ही घंटे बाद की गई। कश्मीर में इससे पहले भी सक्रिय आतंकवादियों के मकान ढहाए गए हैं, लेकिन हिंसा की घटनाओं में कमी आने के कारण पिछले करीब एक साल से ऐसी कार्रवाई बंद थी, लेकिन पुलिसकर्मी की मौत के बाद यह कार्रवाई की गई।

रांची में नीट प्रदर्शन हिंसक : भाजपा कार्यालय के बाहर पथराव

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में नीट पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस द्वारा भाजपा प्रदेश कार्यालय के घेराव के दौरान हरमू इलाके में राजनीतिक तनाव चरम पर है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हरमू मैदान से मार्च निकाला, लेकिन पुलिस ने उन्हें भाजपा कार्यालय से पहले बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इसके बाद कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और नीट मामले में तुरंत कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर, भाजपा कार्यालय के बाहर पहले से मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने जवाबी नारेबाजी की, जिससे माहौल और गर्म हो गया। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के बीच अंडे और टमाटर फेंकने शुरू हो गए, जो जल्द ही पथराव में बदल गए। इस झड़प में कई मीडियाकर्मियों के घायल होने की खबर है, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालात बिगड़ते देख ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी सहित कई वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस ने मोर्चा संभाला और अतिरिक्त बल तैनात कर दोनों पक्षों को नियंत्रित किया। लंबे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता वापस लौट गए और भाजपा कार्यकर्ता भी तितर-बितर हो गए। एहतियातन भाजपा कार्यालय और आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है और कानून व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कटिहार में नीट प्रदर्शन : बवाल, पथराव, मजिस्ट्रेट की आंख में गंभीर चोट

पटना (एजेंसी)। पटना के बाद कटिहार में भी नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों का प्रदर्शन उग्र हो गया। गुरुवार को कटिहार समाहरणालय पर जुटे छात्रों ने पथराव किया, जिसमें एक मजिस्ट्रेट गंभीर रूप से घायल हो गए। नीट परीक्षा में कथित धांधली के विरोध में छात्रों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की बर्खास्तगी की मांग कर प्रदर्शन किया। हाथों में बैनर-पोस्टर लिए सैकड़ों छात्र सुबह होते ही समाहरणालय के मुख्य द्वार पर जमा हो गए। पटना में हुए बवाल के मद्देनजर बिहार पुलिस पहले ही अलर्ट पर थी। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और कलेक्ट्रेट को चारों ओर से घेर लिया। एहतियात के तौर पर समाहरणालय के दोनों गेट बंद कर दिए गए थे। छात्र लगातार नारेबाजी कर रहे थे और प्रदर्शन हिंसक रूप लेने लगा। छात्रों द्वारा लगातार नारेबाजी और प्रदर्शन के बीच अचानक पथराव शुरू हो गया। असामाजिक तत्वों द्वारा किए गए पथराव में मजिस्ट्रेट के तौर पर तैनात कटिहार अंचल अधिकारी (सीओ) सोनू भगत की आंख में गंभीर चोट आई। सीओ भगत ने बताया कि अचानक पत्थर उनके चेहरे पर लगा, जिससे चश्मा टूट गया और आंख बुरी तरह जख्मी हो गई। पथराव के जवाब में पुलिस ने तुरंत लाठीचार्ज किया, जिससे वहां भगदड़ मच गई। पुलिस ने छात्रों को समाहरणालय परिसर से खदेड़ना शुरू किया। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। पटना की तरह ही कटिहार में भी कवरेज कर रहे मीडियाकर्मियों के साथ बदसलूकी की खबरें सामने आईं। पुलिस के सख्त रवैये के बाद छात्र वहां से भाग खड़े हुए। फिलहाल, खबर लिखे जाने तक पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है और स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

शिवपुरी से तोप चोरी : राजस्थान में बांध उड़ाने की साजिश के इनपुट पर ताबड़तोड़ छापेमारी

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में मौजूद प्रसिद्ध और प्राचीन नरवर किले से चोरी हुई ऐतिहासिक तोप के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले की पड़ताल कर रही शिवपुरी पुलिस को पड़ोसी राज्य राजस्थान के करौली से बेहद अहम इनपुट मिले हैं, जिसके आधार पर चोरों की धरपकड़ के लिए राजस्थान सीमा में ताबड़तोड़ छापेमारी हो रही है। इस चोरी के पीछे एक बेहद खतरनाक मकसद होने का दावा किया जा रहा है कि कथित तौर पर एक मिट्टी के बांध को उड़ाना। यह बेशकीमती तोप 15 जुलाई 2026 को नरवर किले से चुराई गई थी, जिसके बाद से ही इतिहास प्रेमियों में भारी आक्रोश था। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। मामले में सबसे हैरान करने वाला खुलासा सूत्रों और चर्चाओं से सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि इस प्राचीन तोप को किसी सामान्य चोरी के इरादे से नहीं, बल्कि एक बड़े मिट्टी के बांध को उड़ाने की विशेष साजिश के तहत चुराया गया था। हालांकि, प्रशासनिक या पुलिस अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर बांध उड़ाने की थ्यौरी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन इनपुट के बाद मध्य प्रदेश और राजस्थान पुलिस दोनों अलर्ट मोड पर आ गई हैं। जांच में साफ हुआ है कि आरोपी तोप चुराने के तुरंत बाद राजस्थान सीमा में ले गए थे। इसके बाद शिवपुरी पुलिस ने तालमेल बिठाकर संयुक्त रणनीति तैयार की और संदेहास्पद ठिकानों पर दबिश देना शुरू किया है। शिवपुरी जिले के पुलिस अधिकारी ने बताया, राजस्थान पुलिस के सहयोग से सटीक लोकेशन और संदिग्धों पर लगातार नजर रखी जा रही है। जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है और जल्द ही पूरी वारदात का खुलासा कर ऐतिहासिक तोप को सुरक्षित बरामद किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि आरोपियों के बेहद करीब पहुंचा जा चुका है। राजा नल और दमयंती की कथाओं से जुड़े नरवर किले का स्थापत्य और इतिहास बेहद समृद्ध रहा है। किले से इतनी भारी-भरकम तोप का चोरी होना और सुरक्षा घेरा तोड़कर राजस्थान तक ले जाना धरोहरों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। फिलहाल, सभी की निगाहें पुलिस के उस खुलासे पर टिकी हैं जो बांध उड़ाने की इस कथित साजिश का पूरा सच सामने लाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने समय उचित नहीं कह टाली ज्ञानवापी मामले की सुनवाई

-सावन में कथित शिवलिंग की पूजा की अनुमति मांगने वाली याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्ञानवापी परिसर में सावन माह के दौरान कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाभिषेक की अनुमति देने संबंधी याचिका पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित करते हुए कहा कि फिलहाल ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई का उचित समय नहीं है।

ज्ञानवापी मामले की सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने अदालत को बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने विवादित संरचना से संबंधित अपनी रिपोर्ट अभी तक प्रस्तुत नहीं की है। इस पर सीजेआई ने कहा कि सभी पक्षों को धैर्य रखना चाहिए और पहले से अनेक मामले लंबित हैं। अदालत ने इसके बाद अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित कर दी। न्यायालय में पेश याचिका में हिंदू पक्ष ने मांग की है कि सावन के पवित्र महीने में ज्ञानवापी परिसर के सीलबंद क्षेत्र में स्थित कथित शिवलिंग के दर्शन, पूजा और जलाभिषेक की अनुमति दी जाए। ऐसे में अदालत ने उचित समय नहीं होने का हवाला देते हुए सुनवाई को दो सप्ताह के लिए टाल दिया है। गौरतलब है कि 15 मई 2022 को एडवोकेट कमिश्नर की निगरानी में हुए सर्वेक्षण के दौरान परिसर में एक संरचना मिलने का दावा किया गया था। हिंदू पक्ष इसे प्राचीन शिवलिंग बताता है, जबकि मुस्लिम पक्ष का कहना है कि वह वजूखाने का फव्वारा है। इसके बाद 20 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने विवादित स्थल को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उस हिस्से को सीलबंद रखने का अंतरिम आदेश दिया था।

छात्रों के प्रदर्शन पर राज ठाकरे की चेतावनी, मुंबई में धारा 144 लागू

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे ने 26 जुलाई को मुंबई में होने वाले छात्र विरोध प्रदर्शन से पहले असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि जो भी इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश करेगा, उन्हें पिटाई का सामना करना पड़ेगा। यह बयान एमएनएस और शिवसेना (यूबीटी) द्वारा छात्रों के समर्थन में संयुक्त विरोध मार्च निकालने की घोषणा के बाद आया है। यह विरोध प्रदर्शन बीते कुछ दिनों से जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में है, जिसमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। राज ठाकरे के अलावा, उद्धव ठाकरे ने भी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके और दिल्ली में प्रदर्शनकारी युवाओं से मिलकर अपना समर्थन जताया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार सहित कई अन्य राजनीतिक नेताओं ने भी इन प्रदर्शनों का समर्थन किया है। हालांकि, बढ़ते विरोध-प्रदर्शनों को देखते हुए, मुंबई पुलिस ने 23 जुलाई से 6 अगस्त तक पूरे मुंबई में निषेधाज्ञा (धारा 144) लागू कर दी है। पुलिस उपायुक्त (संचालन) अकबर पठान द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने, जुलूस निकालने, लाउडस्पीकर के उपयोग और पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध रहेगा। यह स्थिति शहर में तनाव और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर रही है।

रिजिजू बोले- विपक्ष शर्तें हटाए, सरकार नीट पर चर्चा के लिए तैयार

-एनडीए के सभी दल चर्चा चाहते हैं, विपक्ष शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में नीट परीक्षा और कथित पेपर लीक मामले को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध गुरुवार को भी बना रहा। राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार शुरू से ही नीट मुद्दे पर चर्चा कराने के पक्ष में रही है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी सहयोगी दल भी इस विषय पर सदन में विस्तृत चर्चा चाहते हैं।

रिजिजू ने सदन को बताया कि सरकार की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सहित विपक्ष के अन्य नेताओं से बातचीत की गई, ताकि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चल सके और नीट मुद्दे पर चर्चा शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार चर्चा की अवधि और स्वरूप तय करने को लेकर लचीला रुख अपनाने को तैयार है, लेकिन किसी भी प्रकार की पूर्व शर्त स्वीकार नहीं की जा सकती। संसदीय कार्य मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष चर्चा की मांग तो कर रहा है, लेकिन शर्तें लगाकर उसे टालने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इससे यह संदेश जाता है कि विपक्ष वास्तव में चर्चा नहीं चाहता। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वह अपनी शर्तें वापस लेकर सदन में सार्थक बहस होने दे।

रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक जैसी घटनाओं पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक न्यायालयों की व्यवस्था की जा रही है, ताकि दोषियों को जल्द और सख्त सजा मिल सके।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग नहीं मानेगी सरकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने पेपर लीक विवाद पर सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि सरकार इस संवेदनशील मुद्दे पर संसद में विस्तार से चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। विपक्षी दलों और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की लगातार की जा रही मांग पर उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार में इस तरह की कोई बात नहीं हो रही है। उन्होंने विपक्ष से आह्वान किया कि वे संसद में अपनी बात रखें और सरकार हर बिंदु पर तथ्यात्मक जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पत्रकार वार्ता के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल इस मामले का राजनीतिकरण कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पेपर लीक के मुद्दे पर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं और उनका रवैया बेहद सेलेक्टिव है। नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी को कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों द्वारा शासित राज्यों में हुई पेपर लीक की घटनाओं पर भी बोलना चाहिए। उन्होंने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि छात्रों के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय सरकार के साथ आएं, ताकि देश में इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि पेपर लीक का विषय जांच के अधीन है और छात्रों के प्रदर्शन को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष चर्चा की अवधि तय करे, सरकार संसद के पटल पर जनता और छात्रों के समक्ष पूरी पारदर्शिता के साथ अपनी बात रखेगी। दूसरी ओर, अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की मांगों पर भी केंद्रीय मंत्री ने प्रतिक्रिया दी। वांगचुक ने परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वाले छात्रों और युवाओं के खिलाफ कोई दंडात्मक या बदले की कार्रवाई न करने का आश्वासन मिलने पर अपना अनशन समाप्त करने की बात कही है। इस पर नड्डा ने कहा कि सरकार उनके खुले पत्र का अध्ययन कर रही है और जल्द ही इसका आधिकारिक जवाब दिया जाएगा।

भारत का पाकिस्तान को दो टूक: आतंकवाद के साथ सहयोग असंभव

-जम्मू-कश्मीर पर झूठा नैरेटिव फैलाने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान को दो टूक जवाब देकर स्पष्ट किया है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक उससे किसी सार्थक सहयोग की उम्मीद नहीं हो सकती है। नई दिल्ली ने पाकिस्तान पर सीमा पार आतंकवाद को राज्य नीति के उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने और जम्मू-कश्मीर पर झूठा नैरेटिव फैलाने का आरोप लगाया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत परवथानेनी हरीश ने प्राकृतिक संसाधन शासन- शांति, सुरक्षा और समृद्धि की नींव विषय पर उच्च स्तरीय खुली बहस के दौरान ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग हमेशा से रहा है, है और रहेगा और इसकी स्थिति संवैधानिक व कानूनी रूप से स्थापित है।

राजदूत हरीश ने बताया कि भारत का इरादा द्विपक्षीय मुद्दों को उठाने का नहीं था, लेकिन पाकिस्तान द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंच का दुरुपयोग कर झूठी कहानी गढ़ने के बाद भारत को जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित एकमात्र अनसुलझा मुद्दा उन क्षेत्रों से जुड़ा है जिन पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। यह संवैधानिक और कानूनी वास्तविकता है जिसे पाकिस्तान जानबूझकर नजरअंदाज करता है।

सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) पर भारत के रुख को साफ करते हुए राजदूत हरीश ने स्पष्ट संदेश दिया कि आपसी विश्वास और सद्भावना के आधार पर सहयोग की उम्मीद तब तक नहीं की जा सकती जब तक सीमा पार आतंकवाद को राज्य नीति के उपकरण के रूप में नियमित रूप से इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने जोर दिया कि सीमा पार आतंकी गतिविधियों के साथ विश्वास और सद्भावना नहीं रह सकती। यह बयान आतंकवाद और द्विपक्षीय संबंधों को लेकर दोनों पड़ोसी देशों के बीच जारी तनाव के बीच आया है।

विवाद के बाद सेना प्रमुख के दफ्तर से हटाई गई नई पेंटिंग , अब लगा सेना का प्रतीक चिह्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना प्रमुख के साउथ ब्लॉक स्थित कार्यालय (लाउंज) के बैकड्रॉप में एक बड़ा बदलाव सामने आया है। पिछले कुछ समय से सैन्य दिग्गजों के बीच विवाद का कारण बनी पेंटिंग को वहां से हटा दिया गया है। आगामी 135वें डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर जारी सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ के एक वीडियो संदेश में यह बदलाव देखा गया। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि उनके कार्यालय की लकड़ी के पैनल वाली दीवार पर अब उस विवादित पेंटिंग की जगह भारतीय सेना का प्रतीक चिह्न स्थापित कर दिया गया है।

यह विवाद तब शुरू हुआ था जब दिसंबर 2024 में सेना प्रमुख के लाउंज से 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में ढाका में हुए ऐतिहासिक सरेंडर वाली पेंटिंग को हटाकर एक नई कलाकृति लगा दी गई थी। हटाई गई पुरानी पेंटिंग में पाकिस्तानी जनरल ए.ए.के. नियाजी को आत्मसमर्पण के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते हुए दिखाया गया था। इसकी जगह जो नई पेंटिंग लगाई गई थी, उसमें पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के किनारे सेना के टैंक, आसमान में हथियारबंद हेलिकॉप्टर, रथ हांकते भगवान कृष्ण और एलएसी की ओर इशारा करते चाणक्य को चित्रित किया गया था। भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे गौरवशाली क्षण को दर्शाने वाली तस्वीर को हटाए जाने पर कई पूर्व सैन्य अधिकारियों ने कड़ा ऐतराज जताया था।

विवाद बढ़ने के बाद, 1971 के सरेंडर वाली मूल पेंटिंग को दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में स्थानांतरित कर दिया गया था। उस समय तर्क दिया गया था कि सेना प्रमुख के दफ्तर की तुलना में मानेकशॉ सेंटर में तीनों सेनाओं के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम होते हैं, जिससे अधिक से अधिक लोग और विदेशी मेहमान उस ऐतिहासिक धरोहर का दीदार कर सकेंगे। हालांकि, अब विवादित पेंटिंग को भी हटाकर वहां केवल भारतीय सेना का आधिकारिक प्रतीक चिह्न लगाने के फैसले का पूर्व सैन्य अधिकारियों ने खुलकर स्वागत किया है। पूर्व नॉर्दर्न आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) एच.एस. पनाग सहित कई दिग्गजों ने इस कदम की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि यह बदलाव भविष्य में 1971 के ऐतिहासिक आत्मसमर्पण वाली पेंटिंग को पुनः उसी स्थान पर सम्मानपूर्वक वापस लाने की दिशा में पहला कदम साबित होगा।

बेंगलुरु ट्रिपल मर्डर : अपराध करने एआई चैटबॉट का लिया गया सहारा

-पुलिस का दावा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त, डिजिटल साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच जारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के चर्चित ट्रिपल मर्डर मामले की जांच में पुलिस ने दावा किया है कि मुख्य आरोपी ने कथित रूप से अपराध की योजना बनाने और साक्ष्य मिटाने के तरीकों की जानकारी जुटाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित चैटबॉट का उपयोग किया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिए गए हैं और उनकी फोरेंसिक जांच कराई जा रही है।

व्हाइटफील्ड डिवीजन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सैदुलु अदावथ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कथित रूप से जहर देने, हथियारों के उपयोग, शव को ठिकाने लगाने और पुलिस की गिरफ्त से बचने से संबंधित जानकारी ऑनलाइन खोजी थी। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गूगल सर्च हिस्ट्री प्राप्त करने के लिए कानूनी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी ने कथित रूप से साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से एक भट्टी लगाने की योजना भी बनाई थी। पुलिस का दावा है कि उसने इस संबंध में आवश्यक उपकरण भी जुटाए थे। हालांकि, इन सभी तथ्यों की पुष्टि डिजिटल और फोरेंसिक साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही हो सकेगी। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पारिवारिक विवाद और आर्थिक कारणों का भी उल्लेख किया है। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि वारदात की योजना में अन्य लोगों की क्या भूमिका थी और घटना से जुड़े सभी परिस्थितिजन्य साक्ष्यों का मिलान किया जा रहा है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल जांच जारी है और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से प्राप्त होने वाले डिजिटल साक्ष्य मामले की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पुलिस ने कहा कि फोरेंसिक रिपोर्ट और अन्य जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी।

सोशल मीडिया की लोकप्रियता सफलता का पैमाना नहीं: सीजेआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कानूनी पेशे से जुड़े युवाओं को सोशल मीडिया और ऑनलाइन विजिबिलिटी को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली लोकप्रियता या ध्यान आकर्षित करने को किसी वकील को अपनी वास्तविक सफलता नहीं माननी चाहिए। कानूनी पेशे में असली सम्मान, स्थायी पहचान और सफलता कोर्ट रूम के भीतर की गई कड़ी मेहनत, लगन और बनाई गई क्रेडिबिलिटी (विश्वसनीयता) से मिलती है, न कि किसी डिजिटल मंच या ऑनलाइन टीआरपी से।

सीजेआई सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) द्वारा 2025 बैच के नए एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड (एओआर) वकीलों के सम्मान में आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया के माध्यम से चर्चित होना और ध्यान खींचना बेहद आसान है, लेकिन यह कभी भी अदालत की विश्वसनीयता का स्थान नहीं ले सकता। वकीलों को टीवी चैनलों की तरह टीआरपी के पीछे भागने और अपनी सफलता को ऑनलाइन लोकप्रियता से मापने के लालच से बचना चाहिए। उन्होंने युवा वकीलों को करियर के शुरुआती दिनों में बड़ी लॉ फर्म खोलने के बजाय अपनी वकालत की कला को निखारने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि डिग्रियां और पद केवल अवसर का दरवाजा खोलते हैं, लेकिन एक सफल करियर काम की गुणवत्ता से ही बनता है।

अपने शुरुआती करियर के अनुभवों को साझा करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि याचिकाओं और कानूनी दस्तावेजों की बेहतर ड्राफ्टिंग ही इस वकालत की आत्मा है। उन्होंने युवा वकीलों से प्रत्येक याचिका को एक ऐसे प्रभावशाली आख्यान के रूप में तैयार करने का आग्रह किया कि जज शुरू से अंत तक उससे जुड़े रहें। इसके साथ ही, सीजेआई ने कानूनी ड्राफ्टिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि एआई केवल शोध और संदर्भ का एक साधन हो सकता है, लेकिन यह कभी भी वकील की अपनी समझ और मानवीय बुद्धि का विकल्प नहीं बन सकता। मुवक्किल अपना मामला एक इंसान को सौंपता है, मशीन को नहीं। एआई को केवल एक कार्यालय सहायक के रूप में रखें और अपनी सोचने-समझने की क्षमता पर हावी न होने दें। अंत में उन्होंने वकीलों से पूरी ईमानदारी के साथ गरीब और वंचित वर्ग के मुवक्किलों को कानूनी सहायता (लीगल एड) प्रदान करने की अपील भी की।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। श्रावण मास में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार को जिलाधिकारी कविता मीना ने जनपद से होकर गुजरने वाले प्रमुख कांवड़ मार्गों का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, अस्थायी शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा शिविर, बैरिकेडिंग तथा यातायात प्रबंधन की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का समयबद्ध ढंग से निर्वहन करें और अपने-अपने क्षेत्र के कांवड़ मार्गों का स्वयं भौतिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का सत्यापन करें। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी स्थान पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, शौचालय या अन्य किसी व्यवस्था में कमी

दिखाई देती है तो उसका तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कांवड़ यात्रा के दौरान प्रत्येक विभाग लगातार निगरानी बनाए रखे तथा किसी भी समस्या की सूचना मिलते ही उसका त्वरित समाधान कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए, जिससे श्रद्धालु सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण में अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

कांवड़ यात्रा : नगर निगम ने मार्गों पर कार्य की बढ़ाई रफ़्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा महोत्सव को लेकर नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर निगम के विभिन्न विभाग कांवड़ मार्गों को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए अभियान चलाकर कार्य कर रहे है। इस बार नगर निगम का विशेष लक्ष्य कांवड़ यात्रा को पूर्ण रूप से प्लास्टिक मुक्त बनाना है, जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। मेरठ रोड से लेकर ज्ञानी बॉर्डर तक तथा मोहन नगर, कौशांबी और यूपी गेट तक कांवड़ मार्गों पर व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। श्रद्धालुओं और कांवड़ यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सड़क, प्रकाश, उद्यान, जलकल और स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार मैदान में काम कर रही हैं। निगम की ओर से नियमित कार्यों से अलग विशेष अभियान चलाकर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उद्यान विभाग द्वारा कांवड़ मार्गों के किनारे बढ़ी हुई पेड़ों की टहनियों और झाड़ियों को हटाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि यात्रियों के आवागमन में कोई बाधा न आए। वहीं निर्माण विभाग सड़क पर मौजूद छोटे-बड़े गड्ढों की मरम्मत कर रहा है और आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था भी की जा रही है। प्रकाश विभाग बिजली के खंभों पर सुरक्षा संबंधी फ्लेक्स और कवर लगाकर करंट लगने जैसी दुर्घटनाओं की संभावना को कम करने का प्रयास कर रहा

है kनगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु गाजियाबाद से होकर गुजरते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना नगर निगम की प्राथमिकता है। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे है और मार्गों को व्यवस्थित करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारी स्वयं तैयारियों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि किसी प्रकार की कमी न रह जाए। कांवड़ यात्रा को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम की कांवड़ मार्ग पर लगने वाले शिविरों, भंडारों और धार्मिक कार्यक्रमों में प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री का उपयोग न करने की अपील की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार जागरूकता अभियान चलाकर आयोजकों और श्रद्धालुओं को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रही है। निगम अधिकारियों का कहना है कि प्लास्टिक मुक्त कांवड़ यात्रा न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि दुहाई से मेरठ रोड होते हुए तुलसी निकेतन बॉर्डर, मोहन नगर से ज्ञानी बॉर्डर और मोहन नगर से इंदिरापुरम की तरफ जाने वाले मार्गों पर आवश्यक कार्य शुरू कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। नगर निगम का उद्देश्य कांवड़ यात्रा महोत्सव को सुरक्षित, सुव्यवस्थित, स्वच्छ और सफल बनाना है।

काजीपुरा के खेत में मिला महिला का शव, वेव सिटी पुलिस जांच में जुटी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना वेव सिटी क्षेत्र में सुबह के समय एक खेत से महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौकर पर पहुँची और जाँच शुरू की। पुलिस रिस्पॉन्स वाहन के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई थी कि काजीपुरा स्थित एक खेत में संदिग्ध परिस्थितियां दिखाई दे रही है। खेत के बीच हिस्से में किसी को घसीटकर ले जाने जैसे निशान दिखाई दे रहे हैं तथा फसल भी कई स्थानों पर टूटी हुई पड़ी है। सूचना मिलते ही थाना वेव सिटी पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और जांच के दौरान खेत से एक महिला का शव बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना से आसपास के ग्रामीणों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए आवश्यक साक्ष्य संकलित करने की प्रक्रिया शुरू की। प्रारंभिक जांच में घटनास्थल पर संघर्ष या किसी प्रकार की आपराधिक गतिविधि होने की आशंका व्यक्त की जा रही है,

हालांकि पुलिस ने अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से इनकार किया है। पुलिस अधिकारियों ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, ताकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। इसके अलावा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई और इसमें किसी आपराधिक कृत्य की भूमिका है या नहीं। मामले के खुलासे के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। पुलिस इसके साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना से संबंधित कोई महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त किया जा सके। मौके पर फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम भी पहुंची और घटनास्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से विभिन्न नमूने और साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिनकी वैज्ञानिक जांच के आधार पर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी, जहां एक महिला का शव बरामद हुआ था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया तथा घटना के अनावरण के लिए विभिन्न स्तरों पर जांच जारी है। उन्होंने कहा कि मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है और सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना : नगर निगम मुख्यालय पर हुआ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत नगर निगम गाजियाबाद ने गुरुवार को नगर निगम सभागार में विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों एवं उनके परिवार के सदस्यों, विशेष रूप से बच्चों, को योजना से जोड़ते हुए उनकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लाभार्थियों एवं उनके परिवार के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, ज्ञान और अभिव्यक्ति कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला, बल्कि उन्हें आवास, स्वच्छता, सामाजिक विकास तथा

सरकारी योजनाओं के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया।

निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सभी के लिए आवास, मेरा सपना, मेरा घर तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के सामाजिक प्रभाव जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगों के माध्यम से अपने सपनों के घर, स्वच्छ एवं सुंदर शहर तथा विकसित भारत की कल्पना को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी जानकारी और समझ का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में विशेष उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना देखने को मिली। सभी प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायकों द्वारा निष्पक्ष रूप से किया गया। प्रत्येक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए चयनित किया गया। समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देती हैं। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से अपील की कि वे सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समाज के अन्य लोगों को भी इनके प्रति जागरूक करें। नगर निगम गाजियाबाद द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतिभागियों, अभिभावकों एवं उपस्थित अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे लाभार्थियों और उनके परिवारों के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। कार्यक्रम ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ बच्चों की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा को मिली नई मजबूती, एसपी ने 17 कांवड़ मोबाइल बाइक को दिखाई हरी झंडी

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद में कांवड़ यात्रा को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और सुदृढ़ कर दी है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने पुलिस कार्यालय परिसर से 17 कांवड़ मोबाइल बाइक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि कांवड़ मार्गों, प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले तथा संवेदनशील स्थलों पर लगातार सतर्क रहकर गश्त करें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। मोबाइल बाइक पेट्रोलिंग टीमें मार्गों पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, विवाद अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई करेंगी। इसके अलावा पूरे कांवड़ मार्ग की निगरानी सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम के माध्यम से भी लगातार की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अनुशासन बनाए रखें, यातायात नियमों का पालन करें तथा यात्रा को सकुशल संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें।

गाजियाबाद में नगर निगम ने सोलर लाइटें लगानी की शुरू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर को ऊर्जा दक्ष और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नगर निगम ने यूपी नेडा सोलर सिटी 2.0 योजना के अंतर्गत सोलर लाइटों और सोलर हाई मास्ट लाइटों के स्थापना कार्य की शुरूआत कर दी है। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सोलर आधारित प्रकाश व्यवस्था विकसित की जा रही है। इसका उद्देश्य उन स्थानों को रोशन करना है, जहां अभी तक विद्युत कनेक्शन उपलब्ध नहीं है या जहां पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था का अभाव है। नगर निगम ने निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद शहर में 18 वाट क्षमता की 1756 सोलर स्ट्रीट लाइटें तथा 107 सोलर हाई मास्ट लाइटें स्थापित की जा रही हैं। इस परियोजना के तहत अब तक लगभग 250 सोलर लाइटें और 50 सोलर हाई मास्ट लगाए जा चुके हैं, जबकि शेष लाइटों के इंस्टॉलेशन का कार्य तेजी से जारी है। सभी लाइटों में इनबिल्ट बैटरी की सुविधा उपलब्ध है, जिससे दिन में सौर ऊर्जा संग्रहित कर रात में प्रकाश उपलब्ध कराया जा सकेगा। मेयर सुनीता दयाल ने बताया कि यूपी नेडा सोलर सिटी 2.0 योजना के माध्यम से शहर में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का

प्रयास किया जा रहा है। पार्कों, बैक लेन, सार्वजनिक स्थलों और ऐसे क्षेत्रों में जहां अंधेरा बना रहता है, वहां इन सोलर लाइटों के लगने से लोगों को काफी राहत मिलेगी। साथ ही यह व्यवस्था बिजली की खपत कम करने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर में मौजूद ब्लैक स्पॉट्स को समाप्त करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। कई स्थान ऐसे है, जहां पर्याप्त रोशनी न होने के कारण सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। सोलर लाइटों की स्थापना से इन क्षेत्रों में उजाला होगा और असामाजिक गतिविधियों तथा अपराध की घटनाओं पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। सरकार की जनहितकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में सभी अधिकारी और कर्मचारी लगातार कार्य कर रहे हैं। प्रशासन का लक्ष्य शहर की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करते हुए गाजियाबाद को आधुनिक और स्मार्ट शहर के रूप में विकसित करना है। सोलर लाइट परियोजना के पूरा होने के बाद शहर के हजारों नागरिकों को रात के समय बेहतर रोशनी उपलब्ध होगी। इससे न केवल आवागमन सुरक्षित बनेगा, बल्कि ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी गाजियाबाद एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई: मुरादनगर में लगभग 13 बीघा क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के निदेशों के क्रम में अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत, आज प्रभारी प्रवर्तन जोन-2 के नेतृत्व में मुरादनगर क्षेत्र में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण की बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

कार्रवाई का विवरण इस प्रकार है

ट जलालपुर क्षेत्रः खसरा संख्या-144, ग्राम-जलालपुर, रघुनाथपुर पाइप लाइन रोड, मुरादनगर में चतरपाल पुत्र नत्थू सिंह द्वारा लगभग 5 बीघा क्षेत्रफल में अवैध प्लॉटिंग का कार्य किया जा रहा था।

ट नवीपुर क्षेत्रः ग्राम-नवीपुर, बम्बा वाली रोड, बी.एल.ए.एम. पब्लिक स्कूल के पास, मुरादनगर में सन्नी त्यागी द्वारा लगभग 8500 वर्ग मीटर (लगभग 8 बीघा) क्षेत्र में चिनाई और मिट्टी भराव कर सड़कें व प्लॉट बनाए जा रहे थे।

दोनों ही स्थलों पर कालोनाइजरों द्वारा किसी भी प्रकार का स्वीकृत मानचित्र नहीं दिखाया गया, जिसके बाद प्राधिकरण ने सख्त कदम उठाते हुए अवैध कॉलोनियों में बनाई गई सड़कें, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस आदि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान निर्माणकताओं द्वारा भारी विरोध भी प्रकट किया गया, जिसे प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते ने सख्ती से नियंत्रित कर कार्यवाही को जारी रखा। इस पूरी कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंतागण, प्रवर्तन जोन-2 का समस्त स्टाफ और प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह अभियान आगामी महीनों में भी लगातार जारी रहेगा।

सिम्भावली पुलिस की बड़ी कार्रवाई: मारपीट का वांछित आरोपी गिरफ्तार, अवैध तमंचा व कारतूस बरामद

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना सिम्भावली पुलिस ने ग्राम रजापुर में दो पक्षों के बीच हुए विवाद एवं मारपीट के मामले में फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम रजापुर में हुए विवाद एवं मारपीट के संबंध में मुकदमा अपराध संख्या 186/2026 धारा 115(2), 352 एवं 351(3) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसी प्रकरण में वांछित चल रहे आरोपी राहुल पुत्र अंशुल,

निवासी ग्राम सेहल, थाना बहादुरगढ़, जनपद हापुड़ को पुलिस ने ग्राम रजापुर झाल के पुल के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर) तथा एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इस संबंध में आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत अलग से भी कार्रवाई की गई है। पुलिस अभिलेखों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी आर्म्स एक्ट, मारपीट एवं अन्य आपराधिक धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हापुड पिलखुआ विकास प्राधिकरण बोर्ड मीटिंग के फैसले पर उठे सवाल: अधिवक्ता ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण की 71वीं और 72वीं बोर्ड बैठक में वीसी कोठी के सामने स्थित ओपी-1 डी ब्लॉक के सब-डिवीजन को स्वीकृति दिए जाने के मामले में गंभीर सवाल उठाए गए हैं। ज्ञानलोक निवासी अधिवक्ता सतीश कुमार मित्तल ने उपाध्यक्ष HPDA को पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। पत्र में अधिवक्ता ने कहा कि प्राधिकरण की ओर से आर्थिक स्थिति का हवाला देकर सब-डिवीजन प्रस्ताव स्वीकृत किए जाने की जानकारी दी गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि संबंधित पक्ष की आर्थिक स्थिति का आकलन किस आधार पर किया

गया। क्या बीपी कंस्ट्रक्शन की बैलेंस शीट और आयकर रिटर्न की जांच की गई थी तथा बैनामा धारक की आर्थिक स्थिति किस आधार पर परखी गई। अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि संबंधित भूमि पर निर्मित भवन का नक्शा स्वीकृत नहीं है, इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पार्क की भूमि बेची गई, बिना रेरा पंजीकरण के ओपी-1 में प्लॉटों की बिक्री और रजिस्ट्री कराई गई तथा कार पार्किंग की भूमि पर दो दुकानें बनाकर उनकी भी रजिस्ट्री कर दी गई। सतीश कुमार मित्तल ने मांग की है कि पूरे मामले की किसी उच्च अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि सभी तथ्यों का खुलासा हो सके और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

ऑपरेशन में पेट में तौलिया छोड़ना पड़ा भारी, रामा हॉस्पिटल व दो डॉक्टरों पर 10.75 लाख का जुमार्ना

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा क्षेत्र में ऑपरेशन के दौरान मरीज के पेट में तौलिया छोड़ देने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने चिकित्सीय लापरवाही मानते हुए रामा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, उसके निदेशक तथा डॉ. मोनिका एवं डॉ. रेणुका को दोषी ठहराया है। आयोग ने पीड़िता को 10 लाख 75 हजार रुपये की क्षतिपूर्ति सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज

सहित 45 दिन के भीतर अदा करने के आदेश दिए हैं। मोहल्ला पुरा निवासी मीना पत्नी नियाज अहमद ने आयोग में दायर परिवाद में बताया कि 26 फरवरी 2014 को एनएच-24 स्थित रामा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में ऑपरेशन के माध्यम से प्रसव कराया गया था। ऑपरेशन के बाद लगातार पेट दर्द बना रहा। कई अस्पतालों में उपचार कराने के बावजूद राहत नहीं मिली। वर्ष 2018 में दूसरे अस्पताल में दोबारा ऑपरेशन के दौरान उनके पेट से तौलिया निकाला गया। मामले की सुनवाई के दौरान आयोग के अध्यक्ष भोपाल सिंह एवं सदस्यों ने उपलब्ध चिकित्सीय अभिलेखों और साक्ष्यों के आधार पर अस्पताल और संबंधित चिकित्सकों को चिकित्सीय लापरवाही का दोषी माना। आयोग ने आदेश में पीड़िता को इलाज पर हुए खर्च के लिए 1.70 लाख रुपये, शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक क्षति के लिए 9 लाख रुपये तथा वाद व्यय के लिए 5 हजार रुपये देने के निर्देश दिए हैं। कुल 10.75 लाख रुपये की यह राशि सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित 45 दिन में अदा करनी होगी। निर्धारित अवधि में भुगतान न होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

6 अगस्त को होगा अग्रवाल महासभा का चुनाव, 5,837 मतदाता करेंगे नई कार्यकारिणी का चयन

हापुड़ (शिखर समाचार)। अग्रवाल महासभा के बहुप्रतीक्षित चुनाव की तिथि घोषित कर दी गई है। जिला कृषि अधिकारी एवं चुनाव अधिकारी गौरव प्रकाश ने गुरुवार को चुनाव कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि महासभा के 5,837 मतदाता आगामी 6 अगस्त को नई कार्यकारिणी का चुनाव करेंगे। मतदान आर्य कन्या पाठशाला में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 7 अगस्त को सुबह 10 बजे से शुरू होगी और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार

24 जुलाई को मतदाता सूची प्रकाशित होगी। 27 जुलाई को विकास भवन में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक नामांकन पत्र वितरित किए जाएंगे। 28 जुलाई को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक नामांकन दाखिल होंगे। 29 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच एवं नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जबकि 30 जुलाई को अंतिम प्रत्याशियों की सूची जारी होगी। इस चुनाव में प्रधान, वरिष्ठ उपप्रधान, कनिष्ठ उपप्रधान, मंत्री, वरिष्ठ उपमंत्री, कनिष्ठ उपमंत्री, कोषाध्यक्ष, उपकोषाध्यक्ष, लेखा निरीक्षक, उप लेखा निरीक्षक सहित 21 प्रबंध समिति सदस्यों के पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। चुनाव अधिकारी ने स्पष्ट किया कि विशेष परिस्थितियों में चुनाव कार्यक्रम में आवश्यक संशोधन किया जा सकता है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कैबिनेट की मंजूरी के बाद गोरखपुर को मिल सकती हैं 20 और ई-बसें

गोरखपुर, एजेंसी। प्रदेश सरकार की ओर से यूपी रोडवेज के बेड़े में 250 नई इलेक्ट्रिक बसें शामिल करने के फैसले से गोरखपुर को भी 20 और नई इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी। कैबिनेट ने 425.50 करोड़ रुपये की लागत से इन बसों की खरीद को मंजूरी दी है। परिवहन निगम के अधिकारियों का मानना है कि नई बसों के आवंटन में गोरखपुर जिले में कुल 40 बसे हो जाएंगी। वर्तमान में गोरखपुर रीजन को 20 इलेक्ट्रिक बसें मिल चुकी हैं। इनमें से 10 बसों का संचालन अयोध्या, सोनौली, पडरौना, वाराणसी समेत विभिन्न रूटों पर किया जा रहा है, जबकि शेष 10 बसों को भी जल्द अन्य रूटों पर उतारने की तैयारी है। नई खेप मिलने पर जिले में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़कर 40 तक पहुंचने की संभावना है। बसों की संख्या बढ़ने से 200 किलोमीटर तक की दूरी वाले रूटों पर यात्रियों को वातानुकूलित और पर्यावरण अनुकूल यात्रा की बेहतर सुविधा मिलेगी। इससे डीजल बसों पर निर्भरता कम होगी और यात्रियों को अधिक आरामदायक सफर का विकल्प मिलेगा। परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक लव कुमार सिंह ने बताया कि कैबिनेट के निर्णय की जानकारी मिली है लेकिन गोरखपुर को कितनी बसें आवंटित होंगी, इसका अंतिम निर्णय शासन स्तर पर होगा। बसों की संख्या अधिक या कम हो सकती है। नई इलेक्ट्रिक बसें मिलने से गोरखपुर और आसपास के जिलों के यात्रियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

कारोबारी के घर से लाखों के जेवरात चोरी का आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। लिंकरोड थानाक्षेत्र के चंदन नगर ए-ब्लॉक निवासी किराना कारोबारी वरुण मित्तल के घर में घुसकर 11 जुलाई की रात लाखों की चोरी करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मध्य प्रदेश के धरनावदा स्थित खिरियाई गांव का निवासी कृष्णा है। उसके पास से पुलिस को सोने-चांदी के दो टुकड़े व अन्य सामान बरामद हुआ है। वहीं, पूछताछ में गिरोह के दो अन्य सदस्य मध्य प्रदेश के गुना जिला स्थित बीलाखेड़ी निवासी अजमत और एहसान के नाम सामने आए हैं। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी है।प्रभारी एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि कारोबारी की पत्नी नीरू मित्तल ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। 11 जुलाई को वह परिवार के साथ दिल्ली एक शादी-समारोह में शामिल होने गई थीं। देर रात परिवार घर लौटा और सो गया। 12 जुलाई की सुबह जब वह सोकर उठीं तब अलमारी के ताले टूटे दिखे और लॉकर से सोना, हीरा और चांदी के जेवरात चोरी होने का पता चला। उसी दिन से पुलिस चोरों की तलाश कर रही थी। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी कृष्णा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने अपने साथी अजमत और एहसान के साथ मिलकर कारोबारी के मकान में चोरी को अंजाम दिया था।वह रेकी करने के बाद गुलेल से घरों के शीशे तोड़ते हैं और उसके बाद घर में दाखिल होते हैं। इससे पहले भी आरोपियों ने दो घरों में चोरी करने की बात स्वीकार की है। एसीपी ने बताया कि पूछताछ के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया।

सीएम देंगे 995 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 जुलाई को गोरखपुर को करीब 995 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इस दौरान वह 813.52 करोड़ रुपये की लागत से तैयार चार परियोजनाओं का लोकार्पण और 181.77 करोड़ रुपये की लागत वाली 10 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री सिक्सलेन फ्लाईओवर के समीप देवरिया बाईपास स्थित मैदान में आयोजित जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री जिन प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे उनमें टीपीनगर-पैडलेगंज मार्ग पर 2.6 किलोमीटर लंबा शहर का पहला सिक्सलेन फ्लाईओवर सबसे अहम है। इसके शुरू होने से शहर के यातायात पर दबाव कम होगा और लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, आजमगढ़, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, बिहार और नेपाल की ओर जाने वाले वाहनों की आवाजाही अधिक सुगम होगी। लंबे समय से इस परियोजना का इंतजार किया जा रहा था।इसके अलावा पैडलेगंज चौराहे से फिराक चौराहे तक विकसित फोरलेन सड़क का भी लोकार्पण किया जाएगा। अन्य दो परियोजनाओं में गुलरिहा थाने में हॉस्टल एवं बैरक निर्माण व एयरपोर्ट टर्मिनल विस्तार परियोजना के तहत एमईएस कार्यालय का स्थानांतरण शामिल है। मुख्यमंत्री जिन परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे, उनमें श्रमजीवी महिला छात्रावास, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और गोरखपुर विश्वविद्यालय चौराहे के निकट साइंस म्यूजियम जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शामिल हैं। शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में इन्हें महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके अतिरिक्त नंदानगर पुलिस चौकी मार्ग पर अंडरपास एवं सर्विस रोड निर्माण, विभिन्न कॉलोनियों में सीसी रोड निर्माण समेत अन्य विकास कार्यों की आधारशिला भी रखी जाएगी।

14 करोड़ का छात्रवृत्ति घोटाला, ईओडब्ल्यू के हत्थे चढ़ा लाल सिंह

सिर्फ कागजों पर ही चल रहे थे स्कूल

कानपुर, एजेंसी। करीब 16 वर्ष पूर्व इटावा में हुए एक करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाले के आरोपी फर्जी स्कूल प्रबंधक को मंगलवार को ईओडब्ल्यू की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी प्रबंधक ने बिना विद्यालय के ही छात्रवृत्ति का मांग पत्र भेजा था, जिस पर विभागीय अधिकारियों ने भी मुहर लगा दी थी।

ईओडब्ल्यू के एएसपी पवित्र मोहन त्रिपाठी ने बताया कि पकड़ा गया फर्जी प्रबंधक ने करीब एक करोड़ का छात्रवृत्ति घोटाला किया है। इस पर ऐसे तीन और मुकदमे हैं, जिसकी जांच विभाग कर रहा है। बता दें कि वर्ष 2008-09 में इटावा में 65 विद्यालयों के खिलाफ 14 करोड़ से अधिक की छात्रवृत्ति घोटाले की चार एफआईआर अलग-अलग थानों में दर्ज की गई थीं।

चारों मामले 2019 में ईओडब्ल्यू को सौंपे गए थे

इसके बाद सभी विद्यालयों के प्रबंधक, प्रधानाचार्य व उनके सहायकों के अलावा समाज कल्याण अधिकारी, समाज कल्याण पिछड़ा वर्ग और बेसिक शिक्षा अधिकारी भी नामजद किए गए थे। उस वक्त मामला जिले में सुर्खियों में रहा था। एएसपी ने बताया कि चारों मामले 2019 में ईओडब्ल्यू को सौंपे गए थे।

60-65 छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए मांग पत्र भरा था

इसके एक मामले की जांच के दौरान मंगलवार को लाल सिंह निवासी ज्ञानदीप कैंपस देसर मऊ रोड इटावा की गिरफ्तारी की गई है। लालसिंह पर आरोप है कि उसने इटावा के मनिकपुर मोड़ पर कागजों में संत बीडीएस पब्लिक स्कूल दिखाकर उसमें 60-65 छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए मांग पत्र भरा था।

मामले में 27 विद्यालयों के 11 और आरोपी भी शामिल

जिसे स्वीकृत भी कर दिया गया था। उक्त मामले में 27 विद्यालयों के 11 और आरोपी भी शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर करीब एक करोड़ का घोटाला किया था। ईओडब्ल्यू की विवेचना के दौरान पांच और आरोपियों के नाम भी बढ़ाए गए हैं। फर्जी प्रबंधक ने एक करोड़ में से कितनी धनराशि हड़पी है, अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

ईओडब्ल्यू की टीम की ओर से बीते वर्ष जिन 65 विद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्रबंधकों सहित जो भी जानकारी मांगी गई थी। वह टीम को उपलब्ध करवा दी गई थी। इसी के आधार

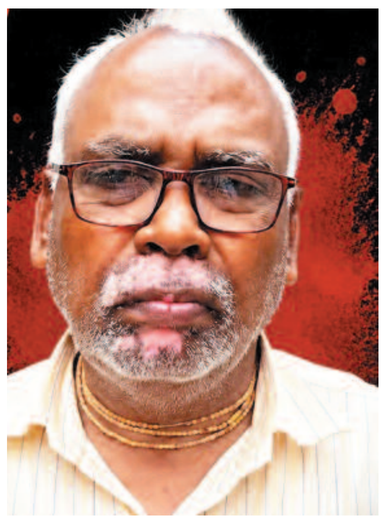

पर टीम की ओर से गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई होगी। इस संबंध में टीम को विभाग की ओर से पूरा सहयोग किया जा रहा है। -अतुल कुमार सिंह, डीआईओएस

जिम्मेदारों के भी गले की फांस बना घोटाला

करोड़ों का छात्रवृत्ति घोटाला 65 विद्यालयों के प्रबंधकों और प्रधानाचार्यों के साथ- साथ तत्कालीन अधिकारियों के भी गले की फांस बना हुआ है। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों की माने तो बिना जिम्मेदारों की मिलीभगत के बिना 14 करोड़ से अधिक की धनराशि का स्वीकृत होना संभव नहीं है।

आरोपी चाहे कोई भी हो, बख्सा नहीं जाएगा

इसमें प्रबंधकों और जिम्मेदारों ने मिलकर बंदरबांट किया है। तत्कालीन जिले के तीन बड़े अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई जा रही है। एएसपी के मुताबिक सभी 65 विद्यालयों की जांच भी जल्द पूरी हो जाएगी। इसके बाद आरोपी चाहे कोई भी हो, बख्सा नहीं जाएगा। फर्जी प्रबंधक लाल सिंह की तरह ही उसकी गिरफ्तारी भी की जाएगी।

सिर्फ कागजों पर ही चल रहे थे स्कूल

बता दें कि वर्ष 2008-09 के बहुचर्चित 14.61 करोड़ रुपये के छात्रवृत्ति घोटाले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की कार्रवाई तेज हो गई है। इस घोटाले में कक्षा एक से लेकर पांच और 10 तक के कई ऐसे विद्यालय थे, जो सिर्फ कागजों पर ही चल रहे थे। वास्तविकता में उनका कोई अता-पता नहीं था।

प्रधानाचार्यों व प्रबंधकों का डाटा मांगा गया था

इसी क्रम में मंगलवार को इटावा के एक विद्यालय के तत्कालीन प्रबंधक को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के साथ ही लंबे समय से लंबित मामले की जांच एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। 23 जून 2025 को जांच टीम की ओर से डीआईओएस को पत्र भेजकर इन 65 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व प्रबंधकों का डाटा मांगा गया था।

वांछित डाटा ईओडब्ल्यू की टीम को दे दिया गया

इसमें उनके नाम, पिता का नाम, वर्तमान पता, नियुक्ति अवधि तथा मोबाइल नंबर सहित सभी अभिलेख एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद डीआईओएस की ओर से वांछित डाटा ईओडब्ल्यू की टीम को दे दिया गया। इसी क्रम में टीम की ओर से गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई है।

जिलाधिकारी के नए पेशकार बने मनीष कुमार सैनी, जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में संभाला कार्यभार

शामली (शिखर समाचार) जिलाधिकारी आलोक यादव ने मेरठ से स्थानांतरित होकर आए मनीष कुमार सैनी को अपना नया पेशकार नियुक्त किया है। गुरुवार को उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में सहायक पेशकार के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनकी नियुक्ति से न्यायालय के प्रशासनिक कार्यों को और अधिक व्यवस्थित ढंग से संचालित किए जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रशासनिक व्यवस्था के तहत मनीष कुमार सैनी वर्तमान पेशकार राकेश कुमार सैनी की सेवानिवृत्ति तक सहायक पेशकार के रूप में कार्य करेंगे। राकेश कुमार सैनी के सेवानिवृत्त होने के बाद वे पूर्ण रूप से जिलाधिकारी के पेशकार का दायित्व संभालेंगे। इस अवधि में वे न्यायालय से जुड़े प्रशासनिक और कार्यालयी कार्यों का संचालन तथा आवश्यक प्रक्रियाओं का निर्वहन करेंगे।

उल्लेखनीय है कि राकेश कुमार सैनी पिछले लगभग 15 वर्षों से जिलाधिकारी शामली के पेशकार के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारी की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। इसके अलावा वे लंबे समय से उपजिलाधिकारी (सदर) के पेशकार का दायित्व भी संभाल रहे हैं। उनके कार्यकाल को प्रशासनिक अनुभव और कार्यकुशलता के लिए जाना जाता है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार राकेश कुमार सैनी की सेवानिवृत्ति के बाद उपजिलाधिकारी (सदर) के पेशकार पद पर अलग से नियुक्ति की जाएगी। फिलहाल मनीष कुमार सैनी ने कार्यभार ग्रहण कर न्यायालय के नियमित कार्यों का संचालन शुरू कर दिया है।

कारगिल दिवस पर बिजनौर को मिलेगी शहीद स्तंभ की सौगात, 26 जुलाई को होगा शिलान्यास

बिजनौर (शिखर समाचार) कारगिल विजय दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद बिजनौर शहर को शहीदों की स्मृति में एक महत्वपूर्ण सौगात देने जा रही है। आगामी 26 जुलाई को बैराज रोड स्थित इंदिरा पार्क के बाहर प्रस्तावित शहीद स्तंभ का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया जाएगा। इसके लिए पालिका प्रशासन और जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से स्थल का चयन कर लिया है।

शहीद स्तंभ के निर्माण के लिए चयनित स्थान का जिलाधिकारी जसजीत कौर और अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित ने स्वयं मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पालिका द्वारा प्रस्तावित स्थल को उपयुक्त मानते हुए अंतिम स्वीकृति प्रदान की। इसके बाद शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने बताया कि 26 जुलाई देश के वीर सैनिकों के शौर्य और बलिदान का प्रतीक कारगिल विजय दिवस है। इस ऐतिहासिक अवसर को स्थायी स्मृति के रूप में संजोने के लिए नगर में भव्य शहीद स्तंभ स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह स्मारक आने वाली पीढ़ियों को देश के वीर जवानों के त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा।

निरीक्षण के दौरान सैनिक प्रतिनिधि अभिनव सिंह, नगर पालिका के अवर अभियंता (जलकल) गौरव शर्मा, अवर अभियंता (सिविल) यशवंत सिंह, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी तथा भाजपा नेता डॉ. बीरबल सिंह भी मौजूद रहे। सभी ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे शहीदों के सम्मान में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों में जुटी नगर पालिका, पांच मेला प्रभारी किए नियुक्त

शामली (शिखर समाचार) आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद शामली ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं की निगरानी और श्रद्धालुओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पांच सभासदों को कांवड़ मेला प्रभारी नियुक्त किया है।

अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी ने बताया कि प्रमोद कुमार जांगिड (वार्ड-10), पिंकी (वार्ड-11), पूजा (वार्ड-13), डॉ. हरिओम पाठक (नामित सभासद) और देवानंद गौड़ (नामित सभासद) को कांवड़ मेला प्रभारी बनाया गया है। इनमें महिला सभासदों को विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं की

निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अरविंद संगल ने बताया कि इस वर्ष कांवड़ यात्रा 28 जुलाई से प्रारंभ होकर 11 अगस्त को श्रावण शिवरात्रि तक चलेगी। इस दौरान लाखों शिवभक्त शामली नगर से होकर गुजरेंगे। इसे देखते हुए नगर पालिका द्वारा कांवड़ मार्ग पर भारत द्वार की आकर्षक प्रकाश सज्जा, स्वागत द्वार, डिवाइडरों की रंगाई-पुताई, आईपी कैमरों से निगरानी, अस्थायी प्रकाश व्यवस्था, पेयजल टैंकर, प्याऊ, चलित शौचालय, निगरानी मीनार, जलरोधक नियंत्रण कक्ष, बैरिकेडिंग और ध्वनि विस्तारक यंत्रों की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा कांवड़ मार्ग की नियमित सफाई के लिए लगभग 150 सफाई कर्मियों, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और विशेष सफाई दलों की तैनाती की गई है। आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजने के लिए भी अलग टीम गठित की गई है। नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएंगी।

शिवदत्त सागर मुनिराज का चातुर्मास के लिए मंगल प्रवेश, श्रद्धालुओं ने किया स्वागत

आगरा, एजेंसी। खिरनी गेट स्थित लख्मीचंद पांड्या खंडेलवाल दिगंबर जैन ट्रस्ट में मंगलवार को शिवदत्त सागर एवं पद्मदत्त सागर मुनिराज का पहली बार चातुर्मास के लिए भव्य मंगल प्रवेश हुआ। बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने जयघोष, मंगल आरती और पुष्पवर्षा कर मुनिराजों का स्वागत किया।

दोनों मुनिराज सासनी से पदविहार करते हुए मडराक टोल प्लाजा के निकट सुरेश कुमार जैन के फार्म हाउस पहुंचे। इसके बाद आगरा रोड स्थित शिवा गेस्ट हाउस से सकल जैन समाज की ओर से मंगल प्रवेश यात्रा निकाली गई। बैंड-बाजों और धार्मिक जयघोष के बीच यात्रा सासनी गेट मार्ग से होकर बाग वाले मंदिर पहुंची। यात्रा में 25 फीट लंबा जैन ध्वज आकर्षण का केंद्र रहा।

भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। मार्ग में श्रद्धालुओं ने अपने प्रतिष्ठानों और घरों के बाहर आरती उतारकर मुनिराजों का अभिनंदन किया। वहीं, 25 पुण्यार्जकों ने 25 थालियों में दोनों मुनिराजों का पाद प्रक्षालन कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

प्रतिष्ठाचार्य राकेश भैया ने बताया कि जैन धर्म में चातुर्मास का विशेष महत्व है। इस दौरान मुनिराज चार माह तक एक स्थान पर रहकर तप, ध्यान, स्वाध्याय और धर्मोपदेश करते हैं। मीडिया प्रभारी मयंक जैन ने बताया कि मुनिराज आगामी चार माह तक बाग वाले मंदिर में विराजमान रहेंगे। इस दौरान प्रवचन, धार्मिक अनुष्ठान और आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस से भिड़े किसान, जमकर हुई धक्का-मुक्की; बुलडोजर भी न रोक सके रास्ता

उचित मुआवजा के लिए किसानों ने कई बार आवाज उठाई मगर कोई सुनवाई नहीं हुई, बिजली चेकिंग के नाम पर भी किसानों का उत्पीड़न किया जा रहा है जिसे किसान बर्दाश्त नहीं करेगा

आगरा, एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट की ओर से मंगलवार को किसानों ने मदरा में एडीए की ओर से किए जा रहे भूमि अधिग्रहण के विरोध में जिला मुख्यालय की ओर कूच किया। दोपहर को किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर सवार होकर रमाडा होटल पहुंचे, जहां पुलिस ने बुलडोजर लगाकर ट्रैक्टरों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस और किसानों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई, जिससे कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई। आधे घंटे बाद किसान पैदल जिला मुख्यालय की ओर बढ़े, लेकिन करीब एक बजे उन्होंने रास्ते में ही धरना देकर जाम लगा दिया। किसानों का कहना था हमारे वाहन ट्रैक्टरों को नहीं जाने दिया जा रहा है तो वे पैदल भी जिला मुख्यालय नहीं जाएंगे।

प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने पर किसान करीब 1:15 बजे वापस रमाडा होटल लौट आए और लगभग 1:30 बजे फिर धरने पर बैठ

गए। सूचना पर सिटी मजिस्ट्रेट अमित शुक्ला और अपर पुलिस उपायुक्त (क्राइम) हिमांशु गौरव, सहायक पुलिस आयुक्त ताज सुरक्षा यतेंद्र कुमार नागर मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं सुनीं और आश्वासन दिया कि उनका ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से शासन तक भेजा जाएगा। इसी बीच करीब दो बजे किसान नेता विपिन यादव ट्रैक्टरों में महिलाओं को लेकर रमाडा पहुंच गए, जिससे एक बार फिर माहौल गरमा गया। किसानों के प्रदर्शन के दौरान फतेहाबाद रोड पर लंबा जाम लग गया, जिसे बहाल कराने में पुलिस को काफी मेहनत करनी पड़ी। प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष राजवीर लवानिया, तातीराम जदौन, सोमवीर यादव, मनीष वर्मा, कृपाल सिंह फौजदार, रणवीर सिंह चाहर, रणजीत यादव, दया यादव, हरेंद्र सिंह, अनुज प्रताप सिंह आदि मौजूद थे।

जिलाध्यक्ष भाकियू राजवीर लवानिया का कहना है कि एत्मादपुर मदरा में किसानों की भूमि का एडीए बिना उचित मुआवजा के किया जा रहा। उचित मुआवजा के लिए किसानों ने कई बार आवाज उठाई मगर कोई सुनवाई नहीं हुई, बिजली चेकिंग के नाम पर भी किसानों का उत्पीड़न किया जा रहा है जिसे किसान बर्दाश्त नहीं करेगा। सिटी मजिस्ट्रेट अमित शुक्ला ने बताया कि एत्मादपुर मदरा के किसान भूमि अधिग्रहण और मुआवजा राशि कम दिए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर शांत कराया गया। समस्या निराकरण के लिए शासन को भेजा जाएगा।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तैयारियां तेज, 10 अगस्त को बच्चों को खिलाई जाएगी एल्बेंडाजोल की दवा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आगामी 10 अगस्त को एक से 19 वर्ष आयु वर्ग के सभी पात्र बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव के लिए एल्बेंडाजोल की दवा खिलाई जाएगी, जबकि अभियान के दौरान छूट जाने वाले बच्चों को 14 अगस्त को आयोजित मॉप-अप दिवस पर दवा दी जाएगी। अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस बच्चों के स्वास्थ्य और कुपोषण की रोकथाम से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार कर अभियान का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जनपद का कोई भी पात्र बच्चा एल्बेंडाजोल की दवा लेने से वंचित न रहे। उन्होंने स्वास्थ्य, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पंचायती राज, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, प्रोबेशन तथा अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों के साथ-साथ केंद्रीय विद्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पॉलिटेक्निक, कौशल विकास संस्थान तथा श्रमिकों के बच्चों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। सभी केंद्रों पर लक्षित बच्चों की संख्या के अनुरूप दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर अभिभावकों को कृमि मुक्ति के महत्व से अवगत कराने पर भी बल दिया गया।

बैठक में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.पी. सिंह और डीईआईसी प्रबंधक ने अभियान की कार्ययोजना, दवा वितरण व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अशोक कुमार झा, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उबेद कुरैशी, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) अनामिका सिंह, डॉ. जितेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शादी समारोह में शामिल होने आए युवक की कार चोरी, लैपटॉप और शैक्षिक दस्तावेज भी गायब

रबूपुरा (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव फलैदा में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान अज्ञात चोरों ने एक युवक की कार चोरी कर ली। कार में रखा लैपटॉप और महत्वपूर्ण शैक्षिक दस्तावेज भी वाहन के साथ गायब हो गए। घटना की सूचना मिलने पर रबूपुरा पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, सूरजपुर कस्बे की भूड़ कॉलोनी निवासी सुनील कुमार गांव फलैदा में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। उन्होंने अपनी कार गांव के अड्डे के समीप खड़ी कर दी और बारात में भोजन करने के लिए चले गए। देर रात लगभग 12 बजे जब वह वापस लौटे तो कार अपने स्थान पर नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने आसपास के क्षेत्र में काफी तलाश की, लेकिन वाहन का कोई पता नहीं चल सका। पीड़ित ने बताया कि कार में उनके रिश्तेदार खुर्जा निवासी अरुण शर्मा का लैपटॉप तथा महत्वपूर्ण शैक्षिक प्रमाण-पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज रखे हुए थे, जो कार के साथ ही चोरी हो गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर शीघ्र ही वाहन और चोरी गए सामान की बरामदगी तथा आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जाएगा।

अग्निशमन सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर पांच कोचिंग संस्थान सील

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा में कोचिंग संस्थानों में अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बृहस्पतिवार को बड़ी कार्रवाई की गई। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट स्थित विभिन्न कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अग्निशमन सुरक्षा उपकरण नहीं मिलने पर पांच कोचिंग संस्थानों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। यह कार्रवाई शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत की गई।

संयुक्त टीम ने ट्रेडेक्स टावर-1 और ओम टावर में संचालित कुल 13 कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण किया। इनमें ट्यूटोरिक्स ट्यूशन सेंटर, एनविक इन्फोटेक, इनकैप सेंटर, मैरिट एजुकेशन तथा पेंडुलम एडू क्लासेज में अग्निशमन सुरक्षा उपकरण निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। इन संस्थानों को पूर्व में कमियां दूर करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया था, लेकिन निर्धारित अवधि के बाद भी आवश्यक व्यवस्था नहीं मिलने पर उन्हें सील कर दिया गया।

निरीक्षण के दौरान कुछ अन्य संस्थानों में अग्निशमन सुरक्षा उपकरण लगाने का कार्य 80 से 90 प्रतिशत तक पूरा मिला। ऐसे संस्थानों को शेष कार्य पूरा करने के लिए दो से तीन दिन का अंतिम अवसर दिया गया है। वहीं जिन संस्थानों का पहली बार निरीक्षण किया गया, उन्हें भी निर्धारित समय सीमा के भीतर सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कई संस्थानों में अग्निशमन व्यवस्था मानकों के अनुरूप मिलने पर टीम ने संतोष भी व्यक्त किया।

संयुक्त निरीक्षण दल में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम, प्रबंधक स्वतंत्र वर्मा, सहायक प्रबंधक कुलदीप शर्मा तथा अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वी.एस. ने सभी कोचिंग संचालकों से अग्निशमन सुरक्षा उपकरण अनिवार्य रूप से स्थापित करने की अपील करते हुए चेतावनी दी है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के विरुद्ध भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

969 किलोमीटर के 28 कांवड़ मार्गों पर रहेगी कड़ी सुरक्षा, 148 बैरियर और 157 नावों की व्यवस्था

मेरठ (शिखर समाचार) श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र में व्यापक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंध किए गए हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने बताया कि मेरठ परिक्षेत्र के 969 किलोमीटर लंबे 28 प्रमुख कांवड़ मार्गों पर यात्रा संचालित होगी। इस दौरान 32 प्रमुख शिव मंदिरों में जलाभिषेक तथा 12 श्रावण मेलों का आयोजन होगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने के लिए कांवड़ मार्गों पर 148 बैरियर स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि नदी, नहर और घाटों पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 157 नावें और 139 प्रशिक्षित गोताखोर तैनात किए गए हैं। ब्रजघाट सहित सभी प्रमुख घाटों पर जल पुलिस, बाढ़ राहत दल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें भी तैनात रहेंगी। घाटों एवं संवेदनशील स्थलों की निगरानी नियंत्रण कक्ष और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दोहरी बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, वाहन पार्किंग, खोया-पाया केंद्र, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली और निगरानी मीनार जैसी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

मेरठ जिले में सात प्रमुख कांवड़ मार्ग, बुलंदशहर में 10, बागपत में छह तथा हापुड़ में पांच प्रमुख मार्ग निर्धारित किए गए हैं। डीआईजी ने सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नाविकों और गोताखोरों को पहले से प्रशिक्षित और ब्रीफ किया जाए, सभी नावों में जीवन रक्षक जैकेट उपलब्ध रहें तथा प्रमुख शिव मंदिरों और मेला प्रबंधन समितियों के साथ समन्वय बनाए रखा जाए। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों और घाटों का ही उपयोग करने, गहरे पानी में न उतरने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति की सूचना तत्काल पुलिस या नियंत्रण कक्ष को देने की अपील की है।

फुगाना में नलकूपों पर चोरों का धावा, कई किसानों का लाखों का सामान चोरी

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर।(शिखर समाचार) बुढ़ाना तहसील क्षेत्र के गांव फुगाना में चोरों ने एक ही रात में कई किसानों के नलकूपों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के विद्युत उपकरण और अन्य सामान चोरी कर लिया। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से किसानों में भारी आक्रोश है, जबकि पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार गांव निवासी सुशील शर्मा, राजीव शर्मा, जितेंद्र शर्मा, नरेश मलिक, सोहनवीर, उदयवीर, ओमपाल सिंह और राजकुमार के खेतों पर बने नलकूपों की कोठरियों में चोरों ने दीवार तोड़कर और ताले तोड़कर प्रवेश किया। चोर बिजली की केबल, स्टार्टर सहित अन्य महंगे उपकरण चोरी कर ले गए। सुबह जब किसान अपने खेतों पर पहुंचे तो नलकूपों की टूटी दीवारें और बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। चोरी के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ सिंचाई व्यवस्था भी प्रभावित हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से नलकूपों पर चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से चोरों के हौसले बुलंद हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि रात में पुलिस गश्त पर्याप्त नहीं होने के कारण असामाजिक तत्व बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने की मांग की है। थाना प्रभारी दीपक चौधरी ने बताया कि नलकूपों पर चोरी की सूचना प्राप्त हुई है। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटा रही है तथा आरोपियों की पहचान कर जल्द ही आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उप गन्ना आयुक्त ने खतौली मिल क्षेत्र का किया निरीक्षण, वैज्ञानिक खेती अपनाने का दिया संदेश

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) आगामी पेराई सत्र 2026-27 की तैयारियों का जायजा लेने के लिए सहारनपुर मंडल के उप गन्ना आयुक्त ओ.पी. सिंह ने गुरुवार को खतौली चीनी मिल क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम वाजिदपुर कलां में त्रिवेणी शुगर मिल द्वारा विकसित गन्ना प्रदर्शन प्लॉट का निरीक्षण कर फसल की स्थिति, विकास कार्यों और किसानों को दी जा रही तकनीकी सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने किसानों से आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती अपनाकर गन्ने की पैदावार और गुणवत्ता बढ़ाने का आह्वान किया।

निरीक्षण के बाद आयोजित किसान गोष्ठी में ओ.पी. सिंह ने गन्ना विकास विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और विभागीय नीतियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पारंपरिक खेती के बजाय नई तकनीकों को अपनाने से कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। कृषि विशेषज्ञों ने गन्ने में फैलने वाले पोक्का बोइंग रोग तथा लाल मकड़ी कीट के नियंत्रण के प्रभावी उपाय बताए और किसानों को अनुशंसित रसायनों का निर्धारित मात्रा में ही उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही चीनी मिल की ओर से उपलब्ध कराई जा रही अनुदान योजनाओं एवं कृषि सहायता सुविधाओं की भी जानकारी दी गई। इसके बाद उप गन्ना आयुक्त ने खतौली चीनी मिल परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना समय की आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर खतौली चीनी मिल के महाप्रबंधक (गन्ना), विभागीय अधिकारी, मिल प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में क्षेत्र के गन्ना किसान मौजूद रहे।

जिला अस्पताल शामली में फिर शुरू हुई मोतियाबिंद ऑपरेशन सेवा, चार मरीजों का सफल नि:शुल्क उपचार

शामली (शिखर समाचार) जिला संयुक्त चिकित्सालय शामली में लंबे समय से बंद पड़ी मोतियाबिंद ऑपरेशन सेवा एक बार फिर शुरू हो गई है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं नेत्र सर्जन डॉ. मनोज कुमार अखौरी की पहल पर गुरुवार को चार मरीजों के सफल नि:शुल्क ऑपरेशन कर नियमित नेत्र शल्य चिकित्सा सेवा का शुभारंभ किया गया। इससे अब जनपद के मरीजों को मोतियाबिंद के उपचार के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। पहले चरण में असगरी (बलवा), रेणू (नाला), वेदपाल (पिंडोरा) और सविता (बावली) के सफल ऑपरेशन किए गए। सभी मरीजों की स्थिति सामान्य बताई गई है तथा उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। डॉ. मनोज कुमार अखौरी ने बताया कि अब जिला संयुक्त चिकित्सालय में प्रत्येक गुरुवार को नियमित रूप से मोतियाबिंद के नि:शुल्क ऑपरेशन किए जाएंगे। इसके लिए मरीजों को पहले नेत्र रोग विभाग में पंजीकरण कराकर आवश्यक जांच करानी होगी। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य जनपदवासियों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है, ताकि मरीजों को उपचार के लिए अन्य जनपदों में भटकना न पड़े। उन्होंने बताया कि नियमित मोतियाबिंद ऑपरेशन सेवा शुरू होने से विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। ऑपरेशन को सफल बनाने में नेत्र परीक्षण अधिकारी राजकुमार, नर्सिंग अधिकारी ओमकार, नर्सिंग अधिकारी सोनिया तथा वार्ड आया संगीता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने पूरी टीम की सराहना करते हुए जनपदवासियों से इस नि:शुल्क सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

नया सफर योजना : परिवहन कार्यालय में हुई बैठक, वाहन स्वामियों को दिए विशेष निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उप परिवहन आयुक्त मेरठ परिक्षेत्र की अध्यक्षता में गुरुवार को संभागीय परिवहन कार्यालय गाजियाबाद के सभाकक्ष में नया सफर योजना, कांवड़ यात्रा तथा श्रावण मेला 2026 के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य वाहन स्वामियों, परिवहन यूनियनों और अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों को सरकार की योजनाओं एवं कांवड़ यात्रा के दौरान पालन किए जाने वाले दिशा-निर्देशों से अवगत कराना था। बैठक में संभागीय परिवहन अधिकारी गाजियाबाद प्रमोद कुमार सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन डॉ. सियाराम वर्मा तथा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अशोक कुमार श्रीवास्तव सहित ट्रक एवं बस यूनियनों के पदाधिकारी और आरवीएसएफ संचालक उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए उप परिवहन आयुक्त मेरठ परिक्षेत्र ने भारत सरकार की ह्लनया सफर योजनाह्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि कोई वाहन स्वामी अपने पुराने वाहन को आरवीएसएफ के अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्र पर स्क्रैप कराता है और उसके स्थान पर यूरो-6 मानक का नया वाहन खरीदता है, तो उसे योजना के अंतर्गत विभिन्न लाभ प्रदान किए जाएंगे। विशेष रूप से ऐसे वाहन स्वामियों को 10 वर्षों तक कर में छूट का लाभ मिल सकेगा। इस योजना का उद्देश्य पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर पर्यावरण के अनुकूल आधुनिक वाहनों को बढ़ावा देना है।

उप परिवहन आयुक्त ने बैठक में मौजूद अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्र संचालकों को निर्देशित किया कि वह योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि अधिक से अधिक वाहन स्वामी इसका लाभ उठा सकें ।योजना के प्रति जागरूकता बढ़ने से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सड़क सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी। बैठक में आगामी कांवड़ यात्रा एवं श्रावण मेला 2026 की व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बस यूनियन के पदाधिकारियों और वाहन स्वामियों को निर्देश दिए गए कि वह प्रशासन द्वारा जारी सभी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर परिणाम उत्पन्न कर सकती है। विशेष रूप से सभी बस स्वामियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि कोई भी चालक नशे की अवस्था में वाहन का संचालन न करे। साथ ही यह भी कहा गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान प्रतिबंधित मार्गों पर वाहनों का संचालन करने का प्रयास न किया जाए। प्रशासन द्वारा निर्धारित यातायात व्यवस्था का पालन करना सभी वाहन संचालकों की जिम्मेदारी होगी। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि आवश्यकता पड़ने पर बस स्टैंडों का अस्थायी रूप से स्थानांतरण कराया जाए, जिससे कांवड़ यात्रियों की आवाजाही सुगम बनी रहे और यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो। अधिकारियों ने परिवहन संगठनों से प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की अपील की। बैठक के अंत में परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि नया सफर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षित एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि वाहन स्वामी, यूनियन पदाधिकारी और स्क्रैपिंग केंद्र संचालक सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए इन अभियानों को सफल बनाएंगे।

स्प्रिट अप स्पेशल स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र को मिला विभागीय पंजीकरण, दिव्यांग बच्चों को मिलेगा बेहतर लाभ

शामली (शिखर समाचार) जनपद शामली स्थित स्प्रिट अप स्पेशल स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र को उत्तर प्रदेश दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग से विधिवत पंजीकरण प्राप्त हो गया है। पंजीकरण मिलने के बाद जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुधीर त्यागी ने संस्था के संचालक अभिषेक भारद्वाज एवं डॉ. शुभांगी को पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस उपलब्धि से अब संस्था के माध्यम से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को और अधिक व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा। इस अवसर पर अभिषेक भारद्वाज ने कहा कि यह उपलब्धि संस्था के साथ-साथ उन दिव्यांग बच्चों और उनके अभिभावकों के विश्वास का सम्मान है, जिन्होंने पिछले तीन वर्षों से संस्था पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि संस्था भविष्य में भी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास सेवाओं का विस्तार करती रहेगी। डॉ. शुभांगी ने कहा कि समय पर पहचान, उचित प्रशिक्षण और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से विशेष आवश्यकता वाले बच्चे भी आत्मनिर्भर बनकर समाज में सम्मानजनक जीवन जी सकते हैं। संस्था का उद्देश्य केवल उपचार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे के समग्र विकास के साथ उसके परिवार को भी आवश्यक सहयोग और परामर्श देना है।

जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुधीर त्यागी ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान दिव्यांगजनों के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उल्लेखनीय है कि स्प्रिट अप स्पेशल स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र पिछले तीन वर्षों से ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, डाउन सिंड्रोम, बौद्धिक दिव्यांगता, श्रवण एवं वाणी बाधिता सहित विभिन्न विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को विशेष शिक्षा, वाक एवं भाषा चिकित्सा, व्यावसायिक चिकित्सा, व्यवहार प्रबंधन, प्रारंभिक हस्तक्षेप, अभिभावक परामर्श और पुनर्वास सेवाएं प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम में आशुतोष सिंघल, नूतन शर्मा, जबर सिंह खैवाल सहित संस्था के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

भाकियू (टिकैत) ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, 27 जुलाई तक मांगें पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी

नगीना/बिजनौर। (शिखर समाचार) भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने गुरुवार को उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार को ज्ञापन सौंपकर किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि 27 जुलाई तक मांगों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो किसान आंदोलन शुरू करने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। तहसील अध्यक्ष आमिर और ब्लॉक अध्यक्ष के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और किसानों की समस्याओं से संबंधित मांगपत्र सौंपा।

ज्ञापन में सभी कृषि उपजों की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी लागू करने, किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित विद्युत कटौती बंद कर नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की गई। इसके साथ ही सिंचाई व्यवस्था सुचारु रखने के लिए सभी नहरों और रजवाहों में पर्याप्त पानी छोड़े जाने की भी मांग उठाई गई। किसान नेताओं ने ज्ञापन में आवारा और छुट्टा पशुओं से फसलों की सुरक्षा के लिए ठोस व्यवस्था करने तथा कृषि कार्यों में उपयोग होने वाले बीज, उर्वरक, डीजल और अन्य आवश्यक संसाधनों की बढ़ती लागत कम कर किसानों को राहत देने की मांग भी प्रमुखता से रखी। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के कारण किसानों को लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस अवसर पर भाकियू के उपाध्यक्ष मोहम्मद आफाक अंसारी, कादिर, नाजीर, सरजीत सिंह, साजिद, शहजाद खान, जावेद सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांवड़ मार्गों पर ढाबों और होटलों की सघन जांच, खाद्य सुरक्षा विभाग ने दिए सख्त निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार) श्रावण मास और कांवड़ यात्रा-2026 को देखते हुए जनपद के कांवड़ मार्गों पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विशेष अभियान शुरू कर दिया है। अभियान के तहत ढाबों, होटलों, भोजनालयों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार सघन निरीक्षण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य कांवड़ यात्रियों को स्वच्छ, शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना है।

निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और भंडारण व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही जांच के लिए विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने भी एकत्र कर प्रयोगशाला भेजे गए। खाद्य कारोबारियों को निर्देश दिए गए कि सभी ढाबों और होटलों के बाहर मूल्य सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें तथा भोजन, चाय, दूध और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं शुद्धता बनाए रखें। अधिकारियों ने खाद्य पदार्थों को ढककर रखने और स्वच्छ वातावरण में ही बिक्री करने के निर्देश भी दिए। अभियान के दौरान विशेष रूप से कुट्टू के आटे, खोया तथा अन्य दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता और ताजगी पर विशेष निगरानी रखी गई। विभाग ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की खाद्य मिलावट या खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी पाए जाने वाले कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग का कहना है कि श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी उद्देश्य से कांवड़ मार्गों पर नियमित निरीक्षण, सतत निगरानी और आवश्यक विधिक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके।

संपादकीय

ईरान अमेरिका युद्धः बढ़ती सैन्य शक्ति के बीच शांति की अंतिम उम्मीद

इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक विश्व व्यवस्था के लिए लगातार नए संकट लेकर आया है। रूस यूक्रेन युद्ध अभी पूरी तरह समाप्त भी नहीं हुआ कि पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक तनाव का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। वर्ष 2026 में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ा सैन्य टकराव अब केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति, वैश्विक अर्थव्यवस्था और कूटनीतिक संतुलन के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। फरवरी 2026 में शुरू हुए अमेरिकी सैन्य अभियान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के बाद जुलाई तक युद्ध जिस स्तर पर पहुंच गया है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि तकनीक, खुफिया क्षमता, आर्थिक प्रतिबंधों और वैश्विक रणनीति के स्तर पर भी लड़े जा रहे हैं। अमेरिका ने अपनी वायुसेना की सबसे शक्तिशाली रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए बी-1 लैंसर, बी-2 स्पिरिट और बी-52 स्ट्रैटोफोर्ट्रेस जैसे तीनों प्रमुख रणनीतिक बॉम्बर्स को एक साथ अभियान में उतार दिया है। यह किसी भी युद्ध में अमेरिकी सैन्य शक्ति के सबसे व्यापक प्रयोगों में से एक माना जा रहा है। इन रणनीतिक बमवर्षकों द्वारा ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों, बैलिस्टिक मिसाइल भंडारों, भूमिगत सैन्य बंकरों, कमांड एवं कंट्रोल सेंटरों, सैन्य हवाई अड्डों और खार्ग द्वीप स्थित तेल सुविधाओं पर लगातार सटीक हमले किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि लगातार कई रातों तक चले हवाई अभियानों ने ईरान की वायु रक्षा प्रणाली को गंभीर क्षति पहुंचाई है, जिससे अमेरिकी और सहयोगी विमानों की कार्रवाई और आसान हो गई है। दूसरी ओर ईरान भी पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा। उसने अपनी मिसाइल क्षमता, ड्रोन हमलों और क्षेत्रीय सहयोगी संगठनों के माध्यम से जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है। यही कारण है कि संघर्ष अब केवल दोनों देशों की सैन्य शक्ति का मुकाबला नहीं, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता की परीक्षा बन चुका है। युद्ध का सबसे गंभीर पक्ष यह है कि इसमें केवल सैन्य ठिकाने ही निशाने पर नहीं हैं। ऊर्जा अवसंरचना, बंदरगाह, संचार नेटवर्क और रणनीतिक आर्थिक संसाधन भी लगातार प्रभावित हो रहे हैं। खार्ग द्वीप ईरान के तेल निर्यात का प्रमुख केंद्र है। यदि वहां की सुविधाएं लंबे समय तक प्रभावित रहती हैं तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ सकता है। पहले ही वैश्विक बाजार युद्ध की आशंका से अस्थिर बने हुए हैं। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव विकासशील देशों पर पड़ता है, जहां महंगाई, परिवहन लागत और औद्योगिक उत्पादन की लागत तेजी से बढ़ जाती है। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। इस संघर्ष का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू परमाणु सुरक्षा है। ईरान लंबे समय से अपने परमाणु कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता रहा है, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को आशंका रही है कि इसका उपयोग परमाणु हथियार विकसित करने के लिए किया जा सकता है। यही विवाद वर्षों से अंतरराष्ट्रीय राजनीति का केंद्र रहा है। अब जब परमाणु प्रतिष्ठानों पर सैन्य हमले हो रहे हैं, तब केवल सैन्य नुकसान ही नहीं बल्कि रेडियोधर्मी प्रदूषण और मानवीय संकट की आशंका भी बढ़ गई है। यदि किसी परमाणु संयंत्र को गंभीर क्षति पहुंचती है तो उसका प्रभाव सीमाओं से कहीं आगे तक महसूस किया जा सकता है। तकनीकी दृष्टि से भी यह युद्ध भविष्य की लड़ाइयों का संकेत दे रहा है। स्टील्थ तकनीक से लैस बी-2 स्पिरिट, लंबी दूरी तक भारी हथियार ले जाने में सक्षम बी-52 और अत्यधिक गति एवं सटीकता वाले बी-1 लैंसर का संयुक्त उपयोग यह दशार्ता है कि आधुनिक युद्धों में वायु शक्ति अभी भी निर्णायक भूमिका निभाती है। इसके साथ ही उपग्रह आधारित निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित लक्ष्य चयन, साइबर युद्ध, इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग और ड्रोन तकनीक ने पारंपरिक युद्ध की परिभाषा बदल दी है। आने वाले वर्षों में विश्व की अधिकांश सेनाएं इसी प्रकार की युद्ध रणनीतियों पर अधिक निवेश करेंगी।

~ मौलिक चिंतन ~

नफरत की भूमि पर विकास की फसल कभी नहीं उगती।

© विनय संकोची

सड़क पर छात्र, बहरी सरकार और न्यायपालिका : फिर कैसा लोकतंत्र?

दिलीप कुमार पाठक

आज देश का युवा और छात्र वर्ग गहरे संकट में है। जब भी इतिहास में बड़े बदलाव हुए हैं, उनकी शुरूआत हमेशा कॉलेजों से ही हुई है। छात्र देश का भविष्य होते हैं, कोई अपराधी नहीं। लेकिन आज जब देश का छात्र अपनी पढ़ाई, परीक्षाओं में धांधली या रोजगार की मांग लेकर सड़कों पर उतरता है, तो उसके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जाता है। एक तरफ सरकार उनकी जायज मांगों को सुनने से मना कर देती है, तो दूसरी तरफ उन पर पुलिस की लाठियां और आंसू गैस के गोले छोड़े जाते हैं। सरकार बातचीत के बजाय दमन का रास्ता चुन रही है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो जनता आखिर कहां जाए? एक सच्चे लोकतंत्र की खूबी यह होती है कि वहां विरोध प्रदर्शनों का सम्मान किया जाता है। सरकार का कर्तव्य है कि वह प्रदर्शनकारी छात्रों को बुलाए, उनकी समस्याओं को समझे और मिलकर रास्ता निकाले। लेकिन मौजूदा समय में संवाद की जगह पूरी तरह खत्म हो चुकी है। सत्ता में बैठे लोग इतने अहंकारी हो चुके हैं कि उन्हें जनता की आवाज सिर्फ एक शोर लगती है। जब युवाओं से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी छीन लिया जाए, तो लोकतंत्र का मूल ढांचा ही खतरे में पड़ जाता है। छात्रों पर झूठे मुकदमे दर्ज करना और उनके भविष्य को बर्बाद करना किसी भी लोकतांत्रिक देश की पहचान नहीं हो सकती। जब कार्यपालिका यानी सरकार पूरी तरह बहरी और अंधी हो जाती है, तो देश का आम नागरिक न्याय की आखिरी उम्मीद लेकर न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाता है। भारत में सुप्रीम कोर्ट को संविधान का रक्षक और जनता का सबसे बड़ा कवच माना गया है। हर पीड़ित व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि भले ही पूरी दुनिया उसका साथ छोड़ दे, लेकिन देश की सबसे बड़ी अदालत उसे न्याय जरूर देगी। लेकिन जब इसी अदालत से यह सुनने को मिले कि हमारे पास समय नहीं है या हम इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते और न ही वीडियो देख सकते हैं हमारा वक्त बर्बाद न करें, तो देश के युवाओं का भरोसा पूरी तरह टूट जाता है। यह सिर्फ एक अदालती टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह उस करोड़ों युवाओं की उम्मीदों पर बहुत गहरी चोट है जो दिन-रात मेहनत करके देश को आगे बढ़ाना चाहते हैं। अगर देश के सर्वोच्च न्यायालय के पास युवाओं पर हो रहे अत्याचारों को देखने का समय नहीं होगा, तो फिर इस देश में न्याय की क्या परिभाषा रह जाएगी? अदालतें तकनीकी कारणों का हवाला देकर इतने गंभीर और संवेदनशील मामलों से पल्ला नहीं झाड़ सकतीं। जब सड़कों पर छात्रों का खून बह रहा हो और पुलिस बर्बरता के वीडियो सामने आ रहे हों, तब अदालत का यह कहना कि हमारे पास समय नहीं है, न्याय व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा करता है। अब सवाल यह उठता है कि अगर सरकारें दमन करेंगी और अदालतें व्यस्तता का बहाना बनाएंगी, तो फिर यह कैसा लोकतंत्र है? लोकतंत्र सिर्फ पांच साल में एक बार वोट देने का नाम नहीं है। लोकतंत्र एक जीवित व्यवस्था है, जो हर दिन नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने से चलती है। अगर नागरिकों को अपनी बात कहने का हक नहीं है, और न्याय मांगने पर उन्हें सिर्फ निराशा मिलती है, तो यह लोकतंत्र केवल कागजों पर ही जिंदा रहेगा। ऐसी स्थिति देश को तानाशाही की तरफ धकेलती है। इस गंभीर संकट से निकलने का रास्ता संवाद ही है। सरकार को अपना अहंकार छोड़कर प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान निकालना चाहिए। इसके साथ ही, देश की अदालतों को भी अपनी प्राथमिकताओं को दोबारा तय करना होगा। देश के युवाओं के मानवाधिकारों की रक्षा करना सबसे ज्यादा जरूरी है। जब तक सरकार लाठियां चलाना बंद नहीं करेगी और अदालतें अपनी आंखें नहीं खोलेंगी, तब तक लोकतंत्र की आत्मा तड़पती रहेगी। हमें हर हाल में इस भरोसे को बचाना होगा, क्योंकि भरोसे के बिना कोई भी देश मजबूत नहीं बन सकता।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सुविधा के भंवर में खोते रिश्ते और बिखरता समाज

कृष्ण बीर चौधरी
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय कृषक समाज

आज का मानव इतिहास के सबसे सुविधाजनक दौर में जी रहा है। मोबाइल और सामाजिक मीडिया ने पूरी दुनिया को हमारी उंगलियों पर लाकर खड़ा कर दिया है। लेकिन इस अभूतपूर्व 'सहूलियत' की एक बहुत बड़ी और दर्दनाक कीमत हमारा समाज चुका रहा है।

तकनीक ने हमें दूर बैठे लोगों के 'संपर्क' में तो ला दिया, लेकिन अपनों के बीच का 'संबंध' खत्म कर दिया। आज हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहाँ सूचनाओं का अंबार है, पर समझदारी गायब है; उंगलियाँ स्क्रीन पर चल रही हैं, पर दिल आपस में बात नहीं कर रहे हैं।

इस बदलते परिदृश्य के मुख्य और संवेदनशील पहलू—

1. सहूलियत बनाम मानसिक दूरी

तकनीक ने निस्संदेह जीवन को रफ्तार दी है। सात समंदर पार बैठे अपनों से वीडियो कॉल पर जुड़ना, बैंकिंग, शिक्षा और मनोरंजन का एक क्लिक पर मिलना एक जादुई अनुभव है। लेकिन इस सहूलियत ने हमें 'मानसिक रूप से आलसी' और 'रिश्तों में औपचारिक' बना दिया है। आज एक ही छत के नीचे, एक ही मेज पर बैठे परिवार के सदस्य शारीरिक रूप से तो साथ होते हैं, लेकिन उनकी आत्मा और आंखें अपनी-अपनी स्क्रीन में कैद होती हैं। डिजिटल रूप से 'हमेशा उपलब्ध' रहने की इस होड़ ने वास्तविक दुनिया की मुलाकातों और उनकी गर्माहट को लगभग खत्म कर दिया है।

2. अधूरा और अनावश्यक ज्ञानः मस्तिष्क का नया विषाणु

आज के दौर की सबसे बड़ी समस्या यह नहीं है कि लोगों के पास जानकारी नहीं है, बल्कि समस्या यह है कि उनके पास 'अनावश्यक और अधकचरा ज्ञान' बहुत ज्यादा है।

व्हाट्सएप विश्वविद्यालय और भ्रामक स्वास्थ्यः

बिना किसी वैज्ञानिक आधार के रील और संदेशों को देखकर लोग खुद ही डॉक्टर बन रहे हैं। 'स्व-चिकित्सा' और घरेलू नुस्खों के अंधाधुंध इस्तेमाल से लोग अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

इतिहास और राजनीति का चयनित ज्ञानः

30 सेकंड की रील या 2 लाइनों के भ्रामक मीम में सदियों पुराना इतिहास और जटिल राजनीतिक मुद्दे समेट दिए जाते हैं। संदर्भ गायब होने के कारण एक पूरी पीढ़ी बिना सच जाने नफरत, अंधभक्ति और वैचारिक ध्रुवीकरण का शिकार हो रही है।

त्वरित सफलता का भ्रमः

सामाजिक मीडिया पर कथित 'व्यवसाय गुरु' युवाओं को रातों-रात अमीर बनने और नौकरी छोड़ने का अधूरा ज्ञान बांट रहे हैं। संघर्ष और धैर्य के बिना दिखाई जाने वाली यह चमक-दमक युवाओं को अवसाद की ओर धकेल रही है।

सच्चाई यह हैः

अज्ञानता से उतना नुकसान नहीं होता, जितना 'अधूरे ज्ञान' से होता है, क्योंकि अज्ञानी व्यक्ति सीखने को तैयार हो सकता है, लेकिन अधूरा ज्ञानी खुद को सर्वज्ञानी समझ बैठता है।

3. रील के दौर में वास्तविक रिश्तों का अंत

सामाजिक मीडिया ने रिश्तों की पवित्रता को एक 'दिखावे' में बदल दिया है। आज प्यार, दोस्ती और आदर इस बात से तय होते हैं कि आपने सामाजिक मीडिया पर फोटो पोस्ट की या नहीं, या स्थिति संदेश लगाया या नहीं। दूसरों की रील पर सजी 'परफेक्ट जिंदगी' को देखकर लोग अपने वास्तविक जीवन, अपने साथी और अपनी परिस्थितियों की तुलना करने लगते हैं। यह अंधी तुलना आपसी भरोसे और संतोष को दीमक की तरह चाट रही है।

4. संवादहीनता और गिरती सहनशीलता

जब समाज में आमने-सामने का संवाद खत्म होता है, तो गलतफहमियां साम्राज्य स्थापित कर लेती हैं।

संदेश लिखकर संवाद की भाषाः

आज लोग बैठकर बात सुलझाने के बजाय चैट पर लड़ते हैं। संदेश में इंसान के भाव, उसकी आवाज का लहजा और उसकी तड़प समझ नहीं आती, जिससे छोटी-छोटी बातें बड़े विवादों का रूप ले लेती हैं।

सहनशीलता का अंतः

सामाजिक मीडिया के कलन-विधि हमें सिर्फ वही दिखाते हैं जो हम देखना चाहते हैं। इसने हमारे भीतर असहमतियों को स्वीकार करने की क्षमता को शून्य कर दिया है। अगर कोई हमारे विचार से मेल नहीं खाता, तो हम उसे तुरंत अवरुद्ध या उपहास का शिकार बनाने लगते हैं। यही असहनशीलता अब हमारे असल जिंदगी के रिश्तों में भी आ गई है– "जरा सा मतभेद हुआ नहीं, और रिश्ता खत्म।"

5. मानवीय स्पर्श का अंत और 'पालतू पशु' के रूप में सुरक्षित विकल्प

आज का मनुष्य जब अकेलेपन से घिरता है, तो वह किसी दूसरे मनुष्य के पास जाने से कतराता है। इसके पीछे एक गहरा और डरावना मनोविज्ञान काम कर रहा है। हमने इंसानी रिश्तों को इतना जटिल और थका देने वाला बना दिया है कि अब हम 'मानवीय स्पर्श' और 'मानवीय संवेदना' से ही भागने लगे हैं। इसकी जगह हमने कुत्ते को अपना सहारा बना लिया है।

बहस और जवाबदेही से भागने की प्रवृत्तिः

मनुष्य के पास जाएंगे तो वह सवाल पूछेगा, असहमति जताएगा, अपनी राय रखेगा और बहस करेगा। वह हमारी कमियों पर हमें आईना भी दिखा सकता है। लेकिन एक बेजुबान जानवर कभी पलटकर जवाब नहीं देगा, कभी आपकी बात का प्रतिवाद नहीं करेगा।

फरमाइशों और जिम्मेदारियों से मुक्ति की चाहः

मानवीय रिश्तों में उम्मीदें होती हैं, फरमाइशें होती हैं और दोनों तरफ से निभाने की जिम्मेदारी होती है। पशुओं के साथ यह सब नहीं है। उन्हें केवल समय पर भोजन और थोड़े से दुलार की जरूरत होती है। वे आपके अहं को कभी ठेस नहीं पहुंचाते।

यह प्रेम नहीं, नियंत्रण और दासता हैः

हम जिसे 'पशु प्रेम' कहते हैं, वह असल में अपनी शर्तों पर चलाया जाने वाला एकतरफा रिश्ता है। हम उस बेजुबान को अपनी इच्छा से बांधते हैं, अपनी मर्जी से घुमाते हैं और अपनी मर्जी से दुलारते हैं। यह प्रेम नहीं, बल्कि एक बेजुबान को अपनी मानसिक गुलामी में रखकर अपना दिल बहलाने का साधन मात्र है। हमने रिश्तों के संघर्ष से बचने के लिए एक ऐसा साथी चुन लिया जो कभी हमारे फैसलों पर सवाल नहीं उठा सकता।

6. मानवीय संवेदना का मशीनीकरण

जब हम इंसानों से कटना शुरू होते हैं, तो धीरे-धीरे हमारे भीतर की मानवीय संवेदनाएं ही समाप्त होने लगती हैं।

स्पर्श की गर्माहट का खो जानाः

मोबाइल की ठंडी स्क्रीन को छूते-छूते हमारी उंगलियां और हमारा दिल दोनों पत्थर जैसे हो गए हैं। किसी रोते हुए अपने को गले लगाना, किसी बीमार के माथे पर हाथ रखना, या सिर्फ किसी का हाथ थामकर बैठना–इस 'मानवीय स्पर्श' का कोई डिजिटल विकल्प नहीं हो सकता। लेकिन आज हम इस स्पर्श से वंचित हो चुके हैं।

सहानुभूति का दिखावाः

आज किसी की दुखद खबर पर हम केवल एक 'दुख' वाला प्रतीक-चिह्न भेजकर या "आर.आई.पी." लिखकर अपनी संवेदना पूरी मान लेते हैं। इस मशीनी संवेदना ने हमें भीतर से इतना सुन्न कर दिया है कि असल जिंदगी में जब कोई हमारे सामने दर्द से कराह रहा होता है, तो हम उसकी मदद करने के बजाय उसका वीडियो बनाने लगते हैं। हम अपनी शर्तों पर जीने के इतने आदी हो चुके हैं कि हमें हर वह चीज बोझ लगने लगी है जिसे निभाने में थोड़ी भी मेहनत या समझौता करना पड़े। चाहे वह समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी हो, या इंसानी रिश्तों का ताना-बाना। हमने सहूलियत के नाम पर पहले अपनों से दूरी बनाई, फिर उस अकेलेपन को भरने के लिए बेजुबान जानवरों को अपनी दासता में बांधा, और अंत में खुद को ही इस डिजिटल चक्रव्यूह का गुलाम बना लिया।

जब तक हम अपनी असहमतियों को स्वीकार करके, एक-दूसरे की फरमाइशों और कमियों के साथ मनुष्यों को अपनाना नहीं सीखेंगे, तब तक हम चाहे कितने भी साधन जुटा लें, भीतर का वह खालीपन और अकेलापन कभी दूर नहीं होगा। असली सुकून उस 'मानवीय स्पर्श' में ही है, जिसे हम अपनी सुख-सुविधाओं की बलि चढ़ाकर पीछे छोड़ आए हैं।

थर्मल इंजीनियरिंग का नया मंत्रः क्लीन एनर्जी, सुरक्षित भविष्य

योगेश कुमार गोयल

ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है।

कोयले नहीं, अब हरित ऊर्जा से रोशन हो भारत... थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व और योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को 'राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य थर्मल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और इसके महत्व को सार्वजनिक स्तर पर उजागर करना है। दरअसल थर्मल इंजीनियरिंग ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी होती है। थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को समझने में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है। थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को दो माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है।

एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है, जिसमें ऊर्जा के अन्य रूपों में ऊष्मा हस्तांतरण प्रक्रिया शामिल होती है। थर्मल इंजीनियर विश्लेषण करता है कि यांत्रिक ऊष्मा स्त्रोत विभिन्न भौतिक और औद्योगिक प्रणालियों के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले एयरकंडीशनर तथा रेफ्रिजरेटरों में थर्मल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को नियंत्रित करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन।

ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है। भाप बनाने के लिए पानी को उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है, जिसके लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन उपयोग किया जाता है।

दुनिया के कई देशों में अभी भी बिजली पैदा करने के लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का उपयोग किया जाता है किन्तु पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए अब धीरे-धीरे बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों को ही महत्व दिया जाने लगा है। भारत में इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों मेगावाट क्षमता की कुछ अत्याधुनिक मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू भी की गई हैं। हजारों मेगावाट के कुछ सोलर प्लांट पहले से ही ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे भी रहे हैं। दरअसल थर्मल पावर स्टेशनों में भाप पैदा करने के लिए कोयला जलाने से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचती है क्योंकि इस प्रक्रिया में निकलने वाली हानिकारक गैसें हवा में मिलकर पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित करती हैं, साथ ही कोयला या अपशिष्ट जलाने के बाद बचने वाले अवशेषों के निबटारे की भी बड़ी चुनौती मौजूद रहती है।

हालांकि भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयले के अलावा ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों का भी इस्तेमाल किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोयले को जलाया जाना और इससे होने वाली गर्मी, पारे के प्रदूषण का मुख्य कारण है। विश्वभर में करीब चालीस फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में करीब साठ फीसदी बिजली कोयले से, सोलह फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, चौदह फीसदी पानी से, आठ फीसदी गैस से, 1.8 फीसदी न्यूक्लियर ऊर्जा से तथा 0.3 फीसदी डीजल से पैदा होती है। वैसे बिजली पैदा करने के लिए भले ही ऊर्जा के किसी भी स्त्रोत का इस्तेमाल किया जाए, प्रत्येक थर्मल पावर प्लांट में इसके लिए बॉयलर का इस्तेमाल होता है, जिसमें ईंधन को जलाकर ऊष्मीय ऊर्जा पैदा की जाती है, जिससे पानी को गर्म कर भाप बनाई जाती है, जो टरबाइनों को चलाने में इस्तेमाल होती है।

वायु प्रदूषण आज दुनियाभर में एक बड़े स्वास्थ्य संकट के रूप में उभर रहा है और इस समस्या के लिए थर्मल पावर प्लांटों से निकलने वाला उत्सर्जन भी एक बड़ा कारण है। इस समस्या से निपटने के लिए एक दशक से भी अधिक समय से उत्सर्जन मानकों को पूरा करने और नए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को रोककर अक्षय ऊर्जा की तरफ कदम बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट भी इन उत्सर्जन मानकों को पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित करता रहा है किन्तु थर्मल पावर प्लांट के लिए उत्सर्जन मानकों को लागू करने का मामला वर्षों से अधर में लटका है। पर्यावरण पर कार्यरत कुछ संस्थाओं द्वारा निरंतर मांग की जा रही है कि पर्यावरण मंत्रालय उत्सर्जन मानकों का पालन कराते हुए थर्मल पावर प्लांटों को प्रदूषण के लिए उत्तरदायी बनाए और अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए थर्मल पावर प्लांटों का निर्माण रोका जाए।

माना जा रहा है कि उत्सर्जन मानकों का पालन करने में देरी के चलते सालभर में 70 हजार से ज्यादा मौतें समय पूर्व हो रही हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था ग्रीनपीस के अनुसार यदि उत्सर्जन मानकों को समय से लागू किया जाता तो सल्फर डाईऑक्साइड में 48 फीसदी, नाइट्रोडन डाई ऑक्साइड में 48 फीसदी और पीएम उत्सर्जन में 40 फीसदी तक की कमी की जा सकती थी, जिससे समय पूर्व हो रही इन मौतों से बचा जा सकता था। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली बनाए जाने के लिए कोयला जलाने के दौरान उससे बनी राख का 10 फीसदी से भी अधिक हिस्सा चिमनियों के जरिये धुएं के साथ ही वातावरण में घुल जाता है, जो गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनता है। बहरहाल, आज जिस प्रकार दुनियाभर में पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्त्रोतों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में भारत को भी कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन देना चाहिए। समय के साथ अब जरूरत इसी बात की है कि हम अक्षय ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाएं और बिजली बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा के इन्हीं सुरक्षित स्त्रोतों के इस्तेमाल को बढ़ावा दें।

रात को भिगोकर सुबह खाएं बादाम और किशमिश, सेहत पर दिखेगा जबरदस्त असर

आप अपने दिन की शुरूआत किस तरह से करते हैं, इसका काफी असर आपके पूरे दिन और स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। स्वस्थ रहने के लिए सुबह कुछ हेल्दी आदतों को अपनी रूटीन में शामिल करना चाहिए। सुबह के समय अधिकतर लोग भीगे नट्स खाने की सलाह देते हैं। क्योंकि जब आप भीगे हुए नट्स से दिन की शुरूआत करती हैं, तो आप पूरा दिन एनर्जेटिक बनी रहती हैं। हालांकि नट्स खाने के कई फायदे होते हैं।

लेकिन सुबह के समय आपको ये नट्स कितनी मात्रा में खाने हैं। अपनी डाइट में किन नट्स को शामिल करना है। इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है। सुबह के समय बादाम और किशमिश से दिन की शुरूआत करने से स्वास्थ्य को कई लाभ मिलते हैं। आइए जानते हैं कि सुबह के समय बादाम और किशमिश खाने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं।

बादाम और किशमिश खाने के फायदे

-अपने दिन की शुरूआत भीगे हुई बादाम और किशमिश खाने से पूरा दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।
-बादाम खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। बादाम में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई पाया जाता है।
-इसके सेवन से शरीर को शुगर मैनेज करने में मदद मिलती है।
-अक्सर इन दोनों चीजों को लोग अलग-अलग डाइट में शामिल करते हैं। इनको भिगोकर एक साथ खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।
-कब्ज की समस्या से परेशान लोगों को सुबह के समय इसका सेवन करना चाहिए।
-बादाम और किशमिश खाने से स्किन और बालों की सेहत सुधरती है।
-इसके सेवन से डाइजेशन में सुधार होता है और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है।
-बादाम और किशमिश के सेवन से बल्ड प्रेशर कंट्रोल होता है।
-जिन महिलाओं को पीरियड्स से संबंधित परेशानियां होती हैं, उन्हें किशमिश खाना चाहिए।
-आंतों की सेहत और हड्डियों के लिए भी किशमिश फायदेमंद होती है।

कैसे खाएं बादाम और किशमिश

-रात में 4-5 बादाम और 5-6 किशमिश को भिगो दें।
-सुबह बादाम का छिलका उतार दें।
-इसके बाद दोनों को ऐसे ही खा लें।
-इसके बाद पानी पी लें।

सूखे आलूबुखारे खाने के फायदे

इसके अलावा आप अपनी डाइट में आलूबुखारा खा सकते हैं। इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। आलूबुखारे में फाइबर और आयरन भी अधिक मात्रा में होता है। वहीं खून की कमी को पूरा करने के लिए बादाम और किशमिश के साथ इसे भी भिगोकर खाना चाहिए।

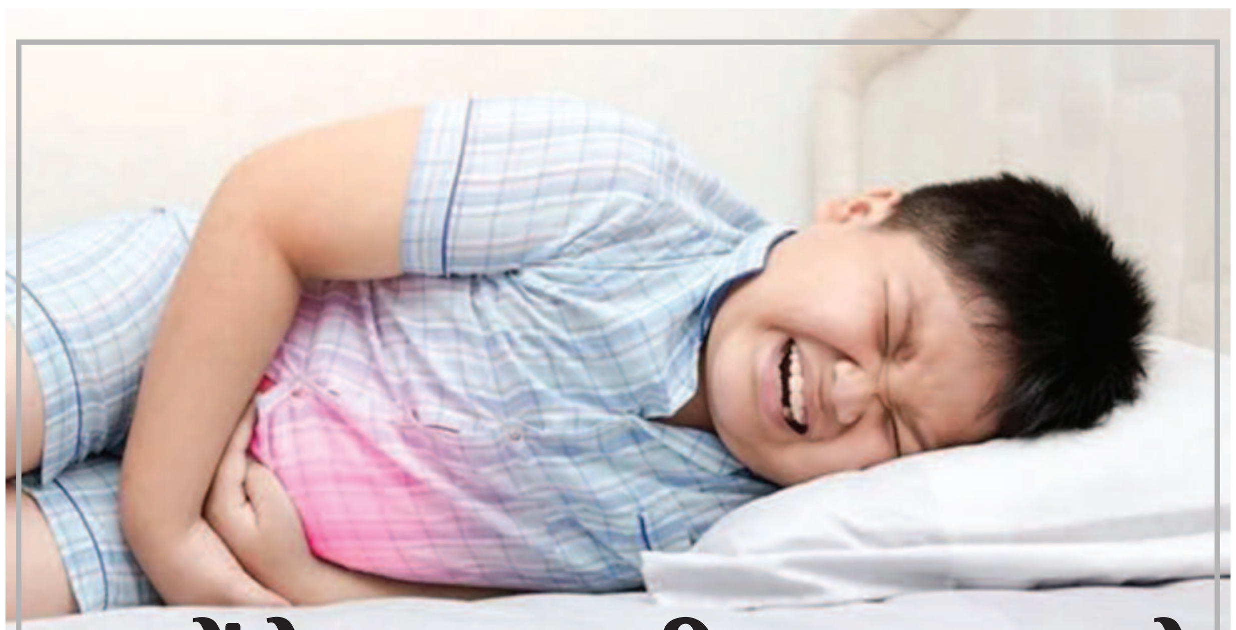

बच्चों के कब्ज की समस्या को दूर करेंगे ये उपाय...

कब्ज एक ऐसी समस्या है, जो सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बच्चों को भी परेशान कर सकती है। खासतौर से, जब बच्चे फार्मूला मिल्क लेते हैं या फिर सॉलिड फूड लेते हैं तो उनके बाउल मूवमेंट में परेशानी हो सकती है। ऐसे में उन्हें कब्ज की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। यूं तो बच्चों को कब्ज की समस्या होने पर डॉक्टर से सलाह लेने की हिदायत दी जाती है, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपाय भी उनकी काफी मदद कर सकते हैं। तो चलिए आज इस आसान उपायों के बारे में ही जानते हैं-

पेट की करें मालिश

शिशुओं और छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या होने पर पेट की मालिश करना एक अच्छा विचार हो सकता है। आप बच्चे की हल्की मसाज करें या फिर उसके पैरों को साइकिल चलाने की तरह चलाएं। इससे उसे मल त्याग करने में काफी मदद मिलती है।

नेचुरल लैक्सेटिव की लें मदद

जब बच्चे को कब्ज की शिकायत होती है तो ऐसे में उसे नेचुरल लैक्सेटिव देना अच्छा विचार हो सकता है। इसलिए, आप उसकी डाइट में आलूबुखारा, सेब और नाशपाती आदि को शामिल करें। इन फलों में सोर्बिटोल नामक शुगर पाया जाता है, जो आंतों में पानी खींचकर मल को नरम करती है। जिससे बच्चे को कब्ज में आराम मिलता है।

पानी की मात्रा बढ़ाएं

एक वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को अपनी डाइट में पानी की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, जिससे मल त्यागने में भी आसानी होती है। जब बच्चे पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं, तो इससे कब्ज को रोकने में मदद मिलती है।

बढ़ाएं फाइबर की मात्रा

जब बच्चे की डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाई जाती है तो इससे बच्चे को स्टूल पास करने में आसानी होती है। कोशिश करें कि आप बच्चे की डाइट में फल व सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। ऐसे फल व सब्जी का सेवन करें, जिनमें पानी व फाइबर भरपूर हो।

डेयरी को करें कम

अगर बच्चा इन दिनों कब्ज से जूझ रहा है तो उसकी डाइट में डेयरी की मात्रा थोड़ी कम कर दें। अत्यधिक डेयरी का सेवन विशेषकर दूध कब्ज पैदा कर सकता है। कई बच्चों में गाय के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन के प्रति संसेटिविटी होती है। इसके अलावा, अन्य डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे पनीर या चीज भी कब्ज पैदा कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद नहीं होने से दिमाग होता है प्रभावित

व्यस्त आधुनिक जीवन में आजकल किसी के पास समय नहीं है। ऐसे में लाग पर्याप्त नींद तक नहीं ले पाते। इससे उन्हें कई बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम 7 घंटे की नींद न लेने से दिमाग को आराम नहीं मिलता है और हम दिनभर थकान का अनुभव करते हैं। इससे याद रखने की क्षमता भी कम होती है। ऐसे में समय के साथ-साथ दिमाग की काम करने की क्षमता कम हो जाती है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके अलावा भी कई अन्य कारणों से दिमाग प्रभावित होता है। ज्यादातर अकेले रहने से दिमाग पर बुरा असर पड़ता है। इससे आगे चलकर अल्जाइमर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

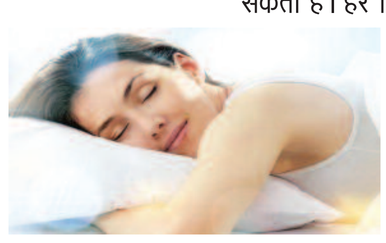

जंक फूड में सोडियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है जो दिमाग के न्यूरॉन रिसेप्टर्स को नुकसान पहुंचाता है। ज्यादा मात्रा में जंक फूड खाने पर कंफ्यूजन, सिरदर्द और वॉमटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लगातार कई घंटों तक हेडफोन या इयरफोन लगाकर तेज आवाज में गाने सुनने से ब्रेन टिश्यूज पर बुरा असर पड़ता है। इससे अल्जाइमर की समस्या भी हो सकती है। हर दिन कोई भी फिजिकल ऐक्टिविटी न करने से डायबीटीज, हार्ट डिजीज और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इनका दिमाग पर बुरा असर होता है। स्मोकिंग के दौरान हमारे शरीर में कई हार्मफुल केमिकल्स आ जाते हैं। ये खून को गाढ़ा कर देते हैं, जिससे दिमाग तक खून की सप्लाई कम हो जाती है। भूख से अधिक खाने का संबंध भी दिमाग से ही है। ज्यादा खाने से दिमाग के सोचने की क्षमता पर भी असर पड़ता है। वहीं प्राकृतिक रौशनी में न रहने और ज्यादातर समय अंधेरे में रहने के कारण अवसाद बढ़ जाता है। इसका भी दिमाग पर बुरा असर पड़ता है।

ज्वॉइंट पेन से हो चुके हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खा

आमतौर पर जोड़ों के दर्द को बुढ़ापे से जोड़कर देखा जाता था। आपने भी बुजुर्ग लोगों को कई बार कहते हुए सुना होगा कि उम्र बढ़ने के साथ ही उन्हें जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। लेकिन वर्तमान समय में गलत खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कम उम्र में ही जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है। मुश्किल से 30 की उम्र पार करने के बाद से ही लोगों को जोड़ों का दर्द परेशान करने लगा है।

जोड़ों के दर्द होने के पीछे फ्ल्यूड और कोलेजन का कम होना है। हालांकि अपनी डाइट में बदलाव कर ज्वॉइंट पेन की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही इसके लिए एक्सरसाइज भी जरूरी मानी जाती है। ऐसे में अगर आप ज्वॉइंट के दर्द से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास मिक्चर के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द को दूर करने में मदद मिल सकती है।

जोड़ों के दर्द को दूर करने वाले मिक्चर की सामग्री

बादाम- 1/2 कटोरी
मखाना- 1/2 कटोरी
भुने हुए चने- 1/2 कटोरी
सौंठ- 1/2 टीस्पून
अजवाइन- 1 टीस्पून
दालचीनी- 1/2 टीस्पून
सूखा हुए खजूर- 5
मिश्री- 1/4 कटोरी

ऐसे बनाकर करें तैयार

इन सभी चीजों के ग्राइंडर कर महीन पाउडर बना लें।
फिर 1 चम्मच पाउडर को 1 गिलास पानी में मिलाएं।
इसके बाद रोजाना दिन में एक बार इसका सेवन करें।

जोड़ों के दर्द से निजात पाने का घरेलू नुस्खा

मखाना शरीर में कैल्शियम लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। इसके साथ ही आस्टियो आर्थराइटिस के लक्षणों को भी कम करता है।
बादाम में कैल्शियम और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पायी जाती है। यह ज्वॉइंट्स के इंफ्लेमेशन को मजबूत करने के साथ ज्वॉइंट के दर्द में राहत देता है।
भुने हुए चने में विटामिन-के पाया जाता है। यह शरीर को कैल्शियम प्रदान करने के साथ जोड़ों के दर्द में भी आराम देता है।
सूखे हुए खजूर में विटामिन सी और विटामिन डी की भरपूर मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से कोलेजन प्रोजक्शन बूस्ट होता है और ज्वॉइंट में लचीलापन आता है।
अजवाइन में विटामिन-के की प्रचुर मात्रा पायी जाती है। यह मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और जोड़ों का दर्द और सूजन खत्म करता है।
दालचीनी में सिनेमिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से जोड़ों के दर्द और इंफ्लेमेशन से राहत मिलती है।
मिश्री डाइजेस्टिव जूस को रिलीज करने में सहायक होती है। इससे गैस की समस्या नहीं होती और पाचन में सुधार होता है।
सौंठ में एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज पाया जाता है, यह ज्वाइंट में होने वाली ऐंठन को कम करती है।

सिरदर्द की समस्या से हो गए हैं परेशान तो यह हो सकती है वजह

आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सिरदर्द होना एक आम समस्या हो गई है। हालांकि सिरदर्द के कई कारण हो सकते हैं। जिनमें तनाव, गैस, गलत खान-पान, सर्दी-जुकाम और थकान वगैरह भी सिरदर्द की वजह हो सकती है। सिरदर्द के पीछे का एक कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी भी हो सकती है। अक्सर सिर दर्द होने पर हम पेन किलर खा लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं।

ऐसे में अगर आपको भी अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है, तो इसके पीछे का कारण जानना बेहद जरूरी होता है। साथ ही सिरदर्द को दूर करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी होना जरूरी है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिरदर्द होने के कारण और इससे बचने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

जानिए सिरदर्द के पीछे का कारण

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो जब शरीर में सोडियम की कमी होती है, तो सिरदर्द हो सकता है। वहीं अगर आप अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं, तो आपको सोडियम लेवल की जांच जरूर करवानी चाहिए। क्योंकि शरीर में सोडियम की कमी होने पर थकान, भूख में कमी और चिड़चिड़ापन के लक्षण नजर आ सकते हैं। बता दें कि लंबे समय तक शरीर में सोडियम की कमी होने पर हमारे शरीर के कई फंक्शन्स पर भी असर पड़ता है। यहां तक की कई बार सोडियम की कमी से व्यक्ति बेहोश तक हो जाता है। सोडियम की कमी होने पर लोगों के सिर में दर्द बना रहता है।

ऐसे दूर करें सोडियम की कमी

व्यक्ति के शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी होने पर सोडियम लेवल में कमी आ सकती है। ज्यादा पसीना या ज्यादा यूरिन आने के कारण भी ऐसा हो सकता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में सोडियम की मात्रा कम लेते हैं, तो खाने में नमक की मात्रा का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके साथ ही शरीर में पानी की सही मात्रा का होना भी काफी जरूरी होता है। क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। डिहाइड्रेशन से भी शरीर में सोडियम की कमी हो सकती है।

ऐसे में अगर आपको अक्सर सिरदर्द रहता है, तो हो सकता है कि आप पर्याप्त मात्रा में पानी ना पी रहे हों। वहीं उल्टी व दस्त की समस्या होने पर भी शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का बैलेंस बनाए रखने के लिए आप नमक की सही मात्रा का सेवन करें।

बुजुर्गों की हड्डियों को कमजोरी से बचाता है सीबीएफ-बीटा प्रोटीन

शोधकर्ताओं ने एक ऐसी प्रणाली की पहचान की है जो बताता है कि बुजुर्गों की हड्डियों में कमजोरी क्यों आ जाती है। साथ ही शोधकर्ताओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है, जिसके जरिए बढ़ती उम्र के साथ हड्डियां कमजोर होने के इलाज में काम आ सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑस्टियोपोरोसिस यानी हड्डी के पतलेपन और डेंसिटी में कमी के कारण हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। यह बुजुर्गों की एक प्रमुख स्वास्थ्य समस्या है। अक्सर ये हालात बोन मैरो में फैट सेल्सर की वृद्धि के साथ पैदा होते हैं। बर्मिंघम के अलबामा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर यू-पिंग ली के एक अध्ययन में सामने आया है कि सीबीएफ-बीटा नामक एक प्रोटीन हड्डियों के बनने में मददगार कोशिकाओं को शरीर में बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक परीक्षण में पाया गया कि युवा चूहों की तुलना में वृद्ध चूहों की बोन मैरो सेल्स में सीबीएफ-बीटा का स्तर कम पाया गया। इस निष्कर्ष से पता चलता है कि इस प्रणाली में खराबी आने पर, कोशिकाएं हड्डियों को बनाने में मदद करना बंद कर देती हैं और फैट सेल्स को बनाने में मदद करती हैं। ली ने कहा कि सीबीएफ-बीटा नाम के प्रोटीन को बनाए रखना ह्यूमन लाइफ रिलेटिड ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है।शोधकर्ताओं का कहना है कि इस प्रणाली की जानकारी होने से कम से कम साइड इफेक्ट के साथ ह्यूमन बोन मेरो का इलाज किया जा सकता है।

रुपए को स्थिर रखने के लिए आरबीआई ने बेचे अरबों डॉलर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मई महीने में विदेशी मुद्रा हाजिर बाजार में 6 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की है। यह कदम कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण रुपये में आने वाली अस्थिरता को रोकने और उसे स्थिर बनाए रखने के लिए उठाया गया। आरबीआई के इस हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप, मई में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में मात्र 0.1 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई, जो केंद्रीय बैंक के प्रयासों की प्रभावशीलता को दर्शाता है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार मई में आरबीआई ने कुल 22.2 अरब डॉलर बेचे, जबकि 16.2 अरब डॉलर खरीदे, जिससे शुद्ध बिक्री 6 अरब डॉलर रही। इससे पहले, अप्रैल में भी रिजर्व बैंक ने 8.95 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की थी। फॉरवर्ड बाजार में भी, मई के अंत तक आउटस्टैंडिंग नेट शॉर्ट डॉलर पोजीशन अप्रैल के 95.3 अरब डॉलर से बढ़कर 106.7 अरब डॉलर हो गई है, जो रुपये के प्रबंधन में आरबीआई की बहुआयामी रणनीति को उजागर करता है।

अशोक लेलैंड ने पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियों के कारोबार के लिए श्रीराम ऑटोमॉल से की साझेदारी

दोनों कंपनियां ग्राहकों को विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रदान करने पर देंगी जोर

नई दिल्ली ।

प्रमुख वाहन निर्माता अशोक लेलैंड ने पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियों (सीवी) के बाजार को पुनर्गठित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड (एसएएमआईएल) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की, जिसका उद्देश्य प्रमाणित पुरानी सीवी के लिए एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है। इस साझेदारी के तहत, अशोक लेलैंड और श्रीराम ऑटोमॉल मिलकर एक ऐसा परिवेश तैयार करेंगे जहां देशभर के ग्राहक अधिक भरोसे और सुविधा के साथ विश्वसनीय तथा गुणवत्ता-सुनिश्चित परिवहन समाधान प्राप्त कर सकें। इसका सीधा लाभ उन ग्राहकों को मिलेगा जो पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियाँ खरीदने या बेचने की तलाश में हैं। अशोक लेलैंड के हल्के वाणिज्यिक वाहन (एलसीवी) कारोबार के प्रमुख विप्लव शाह ने बताया कि इस गठबंधन का लक्ष्य वाणिज्यिक वाहन उद्योग में अशोक लेलैंड की विशेषज्ञता और पुरानी गाड़ियों के क्षेत्र में श्रीराम ऑटोमॉल के मजबूत नेटवर्क एवं ग्राहक आधार को एक साथ लाना है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य ग्राहकों के लिए अधिक मूल्य सृजित करना और उन्हें एक निर्बाध स्वामित्व अनुभव प्रदान करना है। श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड के एक अधिकारी ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य ग्राहकों को एक पारदर्शी, कुशल और भरोसेमंद मंच मुहैया कराना है। इससे देशभर में पुरानी वाणिज्यिक गाड़ियों की खरीद-बिक्री की प्रक्रिया सरल होगी और उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकेगा, जिससे बाजार में विश्वास बढ़ेगा।

एशियाई बाजारों में अच्छी बढ़त

मुंबई।

एशियाई शेयर बाजारों में खरीदारी का माहौल बना हुआ है। निवेशकों को उम्मीद है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ते वैश्विक निवेश का फायदा चिप बनाने वाली कंपनियों को मिलेगा। जापान का निक्केई 225 करीब 0.99 प्रतिशत मजबूत रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी लगभग 3.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजार मिलाजुला रुख लेकर बंद हुए। डाओ जोंस में 0.01 प्रतिशत की हल्की गिरावट रही। एसएंडपी 500 0.14 प्रतिशत फिसला। टेक शेयरों पर दबाव के चलते नेस्डेक कम्पो जिट 0.57 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

वैश्विक तनाव से भारतीय शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 23,900 के नीचे फिसला

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उछाल के चलते गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ने कमजोर शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 50 100 अंक गिरकर 23,896.50 पर आ गया, जबकि सेंसेक्स 302 अंक की गिरावट के साथ 76,453.42 के स्तर पर रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी दबाव रहा, जहां निफ्टी मिडकैप 0.54 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.75 फीसदी नीचे रहे। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी फार्मा, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी हेल्थकेयर सबसे कमजोर रहे, वहीं निफ्टी एफएमसीजी और ऑटो ने बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक फीसदी तक लुढ़क गए। कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल और बैंक शेयरों में भारी बिकवाली इसकी मुख्य वजह रही। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक गिरकर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 828.92 अंक तक गिरकर 76,641.19 अंक पर आ गया था। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 191.45 अंक या 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ 23,996.25 अंक पर बंद हुआ।

सोने का भाव 473 रुपए गिरा और चांदी में 462 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। सोने का भाव 473 रुपये प्रति 10 ग्राम नीचे आया, जबकि चांदी भी 462 रुपये प्रति किलोग्राम सस्ती हुई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी दोनों बहुमूल्य धातुओं की चमक फीकी पड़ी है, जिससे घरेलू कीमतों पर दबाव बना। एमसीएक्स पर सोना 473 रुपये की गिरावट के साथ 1,45,207 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह चांदी का भाव भी 462 रुपये गिरकर 2,26,536 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार की बात करें तो, सोना 0.49 प्रतिशत गिरकर 4,131 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा है, जबकि चांदी 0.26 प्रतिशत की कमी के साथ 60.18 डॉलर प्रति औंस पर बनी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में आज गिरावट दर्ज की गई। गौरतलब है कि पिछले दो कारोबारी सत्रों में निवेशकों की खरीदारी बढ़ने से सोना करीब 3 फीसदी चढ़कर 4,130 डॉलर प्रति औंस के स्तर के आसपास मजबूत हुआ था। वहीं देश के प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने के हाजिर भाव में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,570 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,460 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पुणे और बेंगलुरु जैसे अन्य बड़े शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,46,520 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है।

अल्ट्राटेक सीमेंट की एनसीडी जारी कर 5,000 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली ।

अल्ट्राटेक सीमेंट की निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी कर बाजार से 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना है। कंपनी ने गुरुवार को बीएसई को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल की वित्त समिति ने एक लाख रुपये अंकित मूल्य वाले अधिकतम पांच लाख गैर-परिवर्तनीय, गैर-संचयी ऋणपत्र जारी कर धन जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने कहा कि ऋणपत्र की अवधि, कूपन दर और विभिन्न किश्तों में निर्गम के कार्यक्रम का ब्योरा बाद में जारी किया जाएगा। अल्ट्राटेक सीमेंट 20.55 करोड़ टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) की ग्रे सीमेंट क्षमता और 32 लाख टन प्रतिवर्ष सफेद सीमेंट एवं पुट्टी क्षमता के साथ देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है।कंपनी चालू वित्त वर्ष में केबल और तार कारोबार में भी प्रवेश करने की योजना बना रही है।

होंडा जल्द ही नई फ्लैगशिप एसयूवी जेडआर-वी हाइब्रिड करेगी लांच

नई दिल्ली।

जल्द ही होंडा भारतीय बाजार में अपनी नई फ्लैगशिप एसयूवी, जेडआर-वी हाइब्रिड, लॉन्च करने वाली है। यह लग्जरी एसयूवी होंडा को एक नए और महंगे सेगमेंट में स्थापित करेगी। जुलाई 2026 में इसकी कीमतों की घोषणा की जाएगी। इसी महीने से डिलीवरी भी शुरू हो जाएगी, जिसकी बुकिंग मई 2026 से जारी है। यह एसयूवी सीबीयू रूट के माध्यम से विदेश से आयात की जाएगी, जिससे इसकी सीमित उपलब्धता होगी। भारतीय मार्केट में इसकी अनुमानित एक्स-शोरूम कीमत 40 लाख रुपये से 50 लाख रुपये के बीच हो सकती है। इसका सीधा मुकाबला फॉक्सवैगन टिगुआन, स्कोडा कोडियाक और जीप मेरिडियन जैसी प्रीमियम एसयूवी से होगा। जेडआर-वी हाइब्रिड में 2.0-लीटर चार-सिलेंडर पेट्रोल इंजन के साथ डुअल-मोटर हाइब्रिड सिस्टम मिलेगा, जो कुल 184बीएचपी की पावर और 315 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। होंडा का दावा है कि यह एसयूवी मात्र 8 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है

और 22.80 किमी/लीटर का बेहतरीन माइलेज देगी। इसकी टॉप स्पीड 172 किमी/घंटा है। इसके मॉडर्न केबिन में 9-इंच का इंफोटेनमेंट डिस्प्ले (वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट के साथ) और 10.25-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। अन्य प्रीमियम फीचर्स में पैनोरमिक सनरूफ, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस चार्जिंग, पावर्ड फ्रंट सीट्स और 12-स्पीकर बोस ऑडियो सिस्टम शामिल हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 8-एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और लेवल-2 अडास जैसे एडवांस फीचर्स मिलते हैं।

विदेशी बैंकों ने ब्याज दर कटौती का सर्वाधिक लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया- आरबीआई

कर्ज और जमा दरों में सार्वजनिक व निजी बैंकों से अधिक कटौती, आरबीआई बुलेटिन में हुआ खुलासा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतिगत दरों में कटौती का सबसे अधिक फायदा ग्राहकों को विदेशी बैंकों ने पहुंचाया है। आरबीआई के मासिक बुलेटिन के जारी होने के बाद यह जानकारी सामने आई कि विदेशी बैंकों ने मौजूदा ब्याज दर कटौती चक्र के दौरान सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में ऋण और जमा, दोनों पर ब्याज दरों में अधिक कमी की। आरबीआई के अनुसार विदेशी बैंकों ने मौद्रिक नीति में नरमी के दौर में ग्राहकों तक राहत पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। रुपए में लिए गए नए कर्ज पर भारित औसत ब्याज दर में विदेशी बैंकों ने 1.24 प्रतिशत की प्रभावशाली कटौती की।

, जबकि निजी बैंकों ने 1.08 प्रतिशत और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केवल 0.66 प्रतिशत अंक की कमी की। बकाया ऋणों पर भी विदेशी बैंक सबसे आगे रहे, उन्होंने ब्याज दरों में 1.20 प्रतिशत की कटौती की, जबकि निजी और सार्वजनिक बैंकों की कटौती क्रमशः 0.98 प्रतिशत और 0.81 प्रतिशत रही। जमा दरों के मामले में भी यही रुझान देखा गया। नए घरेलू सावधि जमा पर विदेशी बैंकों ने 0.91 प्रतिशत की कमी की, जो निजी बैंकों (0.74 प्रतिशत) और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (0.73 प्रतिशत) से अधिक है। इसी तरह, मौजूदा जमा पर भी विदेशी बैंकों ने 0.90 प्रतिशत की कटौती की।

यह निजी बैंकों की 0.46 प्रतिशत और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की 0.53 प्रतिशत की कटौती से काफी अधिक है। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल फरवरी से अब तक रेपो दर में कुल 1.25 प्रतिशत अंक की कमी की है, जिसका लाभ विदेशी बैंकों ने ग्राहकों तक पहुंचाने में बेहतर प्रदर्शन किया।

अमेरिका भारत समेत 60 व्यापार साझेदारों पर जल्द करेगा कार्रवाई: ग्रीर

वाशिंगटन ।

अमेरिका ने बंधुआ मजदूरी से जुड़े आयात के मुद्दे पर भारत समेत अपने 60 प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने घोषणा की है कि वह धारा 301 जांच के तहत अंतिम कार्रवाई उपाय जल्द ही जारी करेगा, जिससे इन देशों को अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ सकता है। यूएसटीआर जैमीसन ग्रीर ने सीनेट की वित्त समिति को बताया कि शीर्ष 60 व्यापारिक साझेदार बंधुआ मजदूरी से तैयार उत्पादों के आयात पर प्रतिबंधों को अपनाने और प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रहे हैं। ग्रीर ने संकेत दिया कि यूएसटीआर गुरुवार को धारा 301 जांच पर अंतिम कार्रवाई की घोषणा कर सकता है। इससे पहले, यूएसटीआर कार्यालय ने इस मुद्दे पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया था, जिस पर व्यापक जनसुनवाई और 1,600 से अधिक टिप्पणियां प्राप्त हुई थीं।

भारत ने अमेरिकी सरकार की इन जांचों का विरोध करते हुए कहा है कि ऐसे मुद्दों पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत चर्चा की जानी चाहिए, जिस पर बातचीत जारी है। अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है, और 2025 में दोनों देशों के बीच वस्तु व्यापार लगभग 141 अरब डॉलर रहा।

ग्रामीण महिलाओं की बेरोजगारी एक साल के उच्चतम स्तर पर

जून में ग्रामीण महिला बेरोजगारी 5 फीसदी हुई; बोआई में देरी और अल नीनो बनी मुख्य वजह

नई दिल्ली।

कमजोर मॉनसून और खरीफ की बोआई में हुई देरी के चलते जून में ग्रामीण भारतीय महिलाओं की बेरोजगारी दर कम से कम एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं की कुल बेरोजगारी दर 5.9 प्रतिशत दर्ज की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों का दबाव सर्वाधिक रहा। नवीनतम आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के मासिक आंकड़ों के मुताबिक जून में ग्रामीण महिला बेरोजगारी दर एक साल पहले के 4.4 प्रतिशत से बढ़कर 5 प्रतिशत हो गई। वहीं, शहरी महिला बेरोजगारी 8.4 प्रतिशत रही, जो हालांकि पिछले साल से कम है, पर ग्रामीण दर से अब भी काफी अधिक है। इस दौरान ग्रामीण महिला श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में भी 1.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जो 35.2 प्रतिशत से बढ़कर 36.6 प्रतिशत हो गई। यह दर्शाता है कि अधिक महिलाएं काम की तलाश में निकली हैं, लेकिन उन्हें काम नहीं मिल पा रहा है। इस साल दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की शुरुआत कई वर्षों में सबसे कमजोर रही। मौसम विभाग के अनुसार, जून के पहले तीन हफ्तों में पूरे भारत में औसत से लगभग 42 प्रतिशत कम वर्षा हुई, जिसके कारण खरीफ की बोआई काफी पिछड़ गई। 10 जुलाई तक बोआई का रकबा पिछले साल की तुलना में लगभग 16 प्रतिशत कम था, हालांकि 17 जुलाई तक बारिश में सुधार से यह अंतर घटकर 6.04 प्रतिशत रह गया।

भारतीय हाई-टेक सेक्टर में वीसी फंडिंग को मिली रफ्तार चिप

सेमीकंडक्टर और स्पेस स्टार्टअप में वीसी फंडों का बढ़ा रुझान

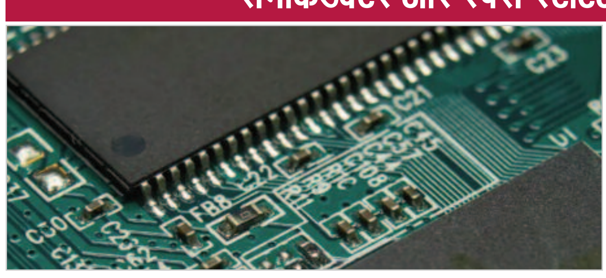

नई दिल्ली ।

भारत के उच्च-तकनीकी क्षेत्र-चिप, सेमीकंडक्टर डिजाइन और अंतरिक्ष में वेंचर कैपिटल (वीसी) फंडिंग में एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है। शुरुआती सुस्ती के बावजूद, सरकार के प्रोत्साहन और बदलती नीतियों के साथ, इस साल इन सेक्टर्स में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। ट्रैक्सन के आंकड़ों के अनुसार 2023 से वीसी फंडों ने भारतीय चिप और सेमीकंडक्टर कंपनियों में 29 फंडिंग राउंड में 16.21 करोड़ डॉलर का निवेश किया है, जिसमें औसत सौदे का आकार 55.8 लाख डॉलर रहा। इस साल अब तक 7.09 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश हो चुका है, जो पिछले वर्ष (5.37 करोड़ डॉलर) के मुकाबले तेजी से बढ़ा है। सरकार चिप डिजाइन स्टार्टअप्स में सह-निवेश (बिना नियंत्रण) की योजना बना रही है और नई सेमीकॉन 2 पॉलिसी भी घोषित कर चुकी है। वहीं स्पेस और सैटेलाइट सेक्टर में भी वीसी फंडिंग में तेजी आई है, हालांकि यह चिप डिजाइन सेक्टर से बेहतर है।

2023 से इस सेक्टर के स्टार्टअप्स को 89 राउंड में कुल 44.6 करोड़ डॉलर मिले हैं, जिसका औसत निवेश 50.1 लाख डॉलर प्रति राउंड रहा। इस वर्ष के शुरुआती सात महीनों में ही 10.07 करोड़ डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जबकि पिछले वर्ष 17.5 करोड़ डॉलर का निवेश हुआ था। स्काईरूट एयरोस्पेस की विक्रम-1 की सफल शुरुआत के बाद यह सेक्टर और सुर्खियों में है।

टीसीएस मोटर ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में पकड़ी रफ्तार

क्षमता विस्तार और मजबूत पोर्टफोलियो से कंपनी बनी मार्केट लीडर

नई दिल्ली ।

भारत का इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार अब स्टार्टअप कंपनियों के बजाय पारंपरिक ऑटो दिग्गजों के हाथ में आ रहा है। इस बदलाव की अगुवाई टीवीएस मोटर्स कर रही है, जो अब ईवी सेगमेंट में सबसे आगे निकल चुकी है। जून तिमाही के मजबूत नतीजों के बाद, कई ब्रोकरेज फर्म टीवीएस को इस क्षेत्र का सबसे बड़ा खिलाड़ी मान रहे हैं, जो बजाज आटो जैसी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों से आगे निकल रही है। भारत में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में टीवीएस मोटर्स ने अपनी पकड़ तेजी से मजबूत की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, टीवीएस फिलहाल देश के इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में अग्रणी है। कंपनी का प्रदर्शन केवल ईवी तक सीमित नहीं है, बल्कि पेट्रोल स्कूटर, प्रीमियम मोटरसाइकिल और निर्यात बाजारों में भी मजबूत रहा है। टीवीएस इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग को देखते हुए वित्त वर्ष 27 तक दोपहिया उद्योग से बेहतर ग्रोथ की उम्मीद कर रही है। कंपनी लगभग 3500 करोड़ रुपए का निवेश कर अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि कर रही है। इसके तहत, दोपहिया वाहनों की सालाना क्षमता 68 लाख से बढ़ाकर 83 लाख और तीनपहिया वाहनों की क्षमता 2.5 लाख से 4.2 लाख यूनिट करने की योजना है। साथ ही, प्रीमियम मोटरसाइकिल सेगमेंट में नारटन ब्रांड के तहत नए मॉडल भी पेश किए जाएंगे। मोतीलाल ओसवाल ने टीवीएस के शेयर पर बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए 4,470 रुपए का लक्ष्य दिया है। उनका अनुमान है कि वित्त वर्ष 26 से 28 के बीच कंपनी का राजस्व, ऐबिटा और मुनाफा क्रमशः 20, 23 और 24 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज कर सकता है।

मारुति का कॉम्पैक्ट एसयूवी बना भारतीय पैसेंजर व्हीकल का सबसे बड़ा सेगमेंट

नई ब्रेजा की बुकिंग शुरू, 24 जुलाई को लॉन्चिंग

नई दिल्ली ।

भारत के तेजी से बढ़ते एसयूवी बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होने के साथ मारुति सुजुकी अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी, ब्रेजा, की रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव कर रही है। हाल ही मे अपडेटेड मॉडल की लॉन्चिंग से पहले, देश की सबसे बड़ी कार निर्माता ने घोषणा की है कि नई ब्रेजा को किसी एक विशिष्ट ग्राहक वर्ग के बजाय, एक व्यापक ग्राहक आधार को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह कदम ऐसे समय आया है जब पिछले 18 महीनों में ब्रेजा खरीदने वाले ग्राहकों की प्रोफाइल में बड़ा बदलाव देखा गया है, जिसमें पहली बार कार खरीदने वालों की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत बढ़ी है। अब ब्रेजा के ग्राहक आधार में पहली बार कार खरीदने वाले, पुरानी कार बदलने वाले और अतिरिक्त कार खरीदने वाले ग्राहक, तीनों की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के बराबर है, जो इस बात का संकेत है कि कोई एक ग्राहक खंड अब प्रभावी नहीं है। मारुति सुजुकी इंडिया के मार्केटिंग एंड सेल्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बदलाव पर जोर देते हुए कहा, अब हम सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं बना रहे हैं। हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि युवा भारत क्या चाहता हैज फर्क मानसिकता से पड़ता है।

यह नया दृष्टिकोण उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और सोच को प्राथमिकता देता है, न कि पारंपरिक जनसांख्यिकीय आंकड़ों को।

कंपनी के आंतरिक शोध से पता चला है कि पिछले एक दशक में एंट्री-लेवल एसयूवी खरीदारों की सोच काफी बदली है। 2017 के बाद से ऐसे खरीदारों की संख्या में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो उद्योग की वृद्धि दर से दोगुने से भी अधिक है। ग्राहकों की प्राथमिकताओं में भी बदलाव आया है; 2017 से 2025 के बीच परफॉर्मेंस को महत्व देने वालों की संख्या 35 प्रतिशत बढ़ी है, नई तकनीक को महत्व देने वालों की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत बढ़ी है और बड़े बूट स्पेस की मांग दोगुनी हो गई है। यह रणनीति ऐसे समय में आई है जब कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट वित्त वर्ष 2016 के 5 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ भारत के पैसेंजर व्हीकल बाजार की सबसे बड़ी कैटेगरी बन चुका है।हालांकि, 2016 में लॉन्च होने के बाद ब्रेजा ने कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

अफगानिस्तान को मिला नया कप्तान

» गुरबाज को भी अहम जिम्मेदारी; 55 में से 27 ODI जीत दिलाने वाले शाहिदी का युग समाप्त

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान की टीम हाल ही में भारत के खिलाफ 3-0 से वनडे सीरीज हारकर गई थी। इस सीरीज में हार के कुछ दिन बाद ही अफगान टीम के वनडे व टेस्ट कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने कप्तानी छोड़ दी थी। अब उनकी जगह अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार (22 जुलाई 2026) को वनडे व टेस्ट टीम के नए कप्तान का ऐलान किया है। राशिद खान को यह जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है और रहमत शाह नए कप्तान बन गए हैं। हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से काफी अच्छा रहा। टीम ने इस दौरान अपना प्रदर्शन भी सुधारा। इसमें 2023 वनडे वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम का खेलना और कई शानदार प्रदर्शन भी शामिल हैं।

अगले साल होने वाले 2027 वनडे वर्ल्ड कप के मद्देनजर शाहिदी ने यह पद छोड़ने का फैसला किया था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कप्तान का ऐलान करते हुए शाहिदी का शुक्रिया भी अदा किया और कहा, 'अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड हशमतुल्लाह शाहिदी द्वारा टीम के लिए दी गई उपयोगी सेवाओं की सराहना करता है। साथ ही बोर्ड रहम शाह जुरमाती को अपने नए रोल और आने वाली चुनौती के लिए शुभकामनाएं देता है।

गुरबाज को बनाया गया उपकप्तान

रहमत शाह मई 2021 से अफगान टीम के उपकप्तान थे। वहीं वह टेस्ट और वनडे में अफगानिस्तान के लीडिंग रन स्कोरर भी हैं। शाह को कप्तान तो विकेटकीपर बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का वनडे और टेस्ट का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। शाह और गुरबाज की बतौर लीडर्स अगली सीरीज आयरलैंड के खिलाफ होगी जहां पांच वनडे मुकाबले खेले जाएंगे।

इंटर मियामी ने शिकागो फायर को 3-2 से हराया

मियामी, एजेंसी। इंटर मियामी सीएफ ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) रेगुलर सीजन में शानदार वापसी करते हुए शिकागो फायर एफसी को 3-2 से हराया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। इंटर मियामी की इस जीत के नायक स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज रहे, जिन्होंने मुकाबले में दो गोल दागे। वहीं, युवा खिलाड़ी प्रेस्टन प्लैम्बेक ने भी एक महत्वपूर्ण गोल करते हुए टीम की जीत में अहम योगदान दिया। शिकागो फायर के खिलाफ इस मुकाबले में सुआरेज ने अपने करियर की दो बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने इंटर मियामी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 100 मैच पूरे किए और क्लब के लिए 50 गोल करने का आंकड़ा भी पार किया। वह इंटर मियामी के इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। शिकागो फायर के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही और 18वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त बना ली। शिकागो को यह बढ़त इंटर मियामी के एक खिलाड़ी द्वारा किए गए अपने ही गोल की बदौलत मिली। इसके बाद इंटर मियामी ने मैच में वापसी की शुरुआत की।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स:

● अर्जुन एरिगैसी से खेला ड्रॉ

अलीरेजा फिरोजा ने जीता चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली , एजेंसी। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने अंतिम दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ ड्रॉ खेलकर 4.5 अंकों के साथ चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 का खिताब जीत लिया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह 2 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर रहे।

अंतिम दौर में ड्रॉ से पक्की की जीत

टूर्नामेंट के आखिरी राउंड से पहले फिरोजा 4 अंक के साथ शीर्ष पर थे और उनके पास अर्जुन एरिगैसी तथा उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर आधे अंक की बढ़त थी। ऐसे में खिताब जीतने के लिए उन्हें सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी। उन्होंने अर्जुन के खिलाफ 41 चालों में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर 4.5 अंकों के साथ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अब्दुसत्तोरोव की हार ने आसान किया रास्ता

दूसरी ओर, काले मोहरों से जीत दर्ज कर खिताब की दौड़ में बने रहने की कोशिश कर रहे नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन ने 37 चालों में मात दी। इस हार के बाद फिरूजा के लिए ड्रॉ ही खिताब सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त था।

आंद्रेइकिन और अर्जुन संयुक्त दूसरे स्थान पर

दिमित्री आंद्रेइकिन ने अंतिम दौर में जीत के साथ 4 अंक हासिल किए और भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, निहाल सरीन और एम. प्रणेश 3.5-3.5 अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर रहे।

25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि

फिरोजा ने पूरे टूर्नामेंट में दो मुकाबले जीते और बाकी पांच ड्रॉ खेले। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 4.5 अंक जुटाए और चैंपियन बनने के साथ 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी अपने नाम की।

डूरंड कप की ट्रॉफियां कोलकाता पहुंचीं:

25 जुलाई से शुरू होगा 135वां संस्करण

कोलकाता, एजेंसी। डूरंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे।

एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के 135वें संस्करण का काउंटडाउन शुरू हो गया है। टूर्नामेंट की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियां बुधवार को ट्रॉफी टूर के तहत कोलकाता पहुंचीं। इसके साथ ही पांचों मेजबान राज्यों की यात्रा पूरी हो गई। कोलकाता में आयोजित समारोह में पश्चिम बंगाल सरकार के युवा सेवा एवं खेल तथा उपभोक्ता मामलों के विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. इंद्रनील खान ने ट्रॉफियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर पूर्वी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ और डूरंड कप आयोजन समिति के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह समेत सेना और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। डूरंड कप का 135वां संस्करण 25 जुलाई से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबला कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा, जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे। कोलकाता में उद्घाटन मुकाबले के अलावा ग्रुप ए और बी के मैच, एक क्वार्टर फाइनल, एक सेमीफाइनल और फाइनल समेत कुल 16 मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल 23 अगस्त को होगा। मंत्री डॉ. इंद्रनील खान ने कहा कि कोलकाता के लिए 16 मुकाबलों की मेजबानी गर्व की बात है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के फुटबॉल प्रेमियों से उद्घाटन मुकाबले से लेकर फाइनल तक स्टेडियम पहुंचकर भारतीय खिलाड़ियों और टीमों का उत्साह बढ़ाने की अपील की।

आयोजन समिति के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह ने कहा कि डूरंड कप भारतीय सेना के सबसे महत्वपूर्ण खेल आयोजनों में से एक है और यह सैन्य-नागरिक साझेदारी का बेहतरीन उदाहरण है। वहीं, बंगाल सब एरिया के जीओसी और आयोजन समिति के उपाध्यक्ष मेजर जनरल दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि पूर्वी कमान के अधीन डूरंड कप का विस्तार 2032 तक होना टूर्नामेंट की बढ़ती लोकप्रियता और सफलता को दर्शाता है।

इस बार टूर्नामेंट में 24 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें श्रीलंकाई सशस्त्र बलों की एक विदेशी टीम भी शामिल है। कुल 43 मुकाबले पांच मेजबान शहरों-कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, शिलांग और इम्फाल में छह मैदानों पर खेले जाएंगे। 1888 में शुरू हुआ डूरंड कप दुनिया की तीसरी सबसे पुरानी सक्रिय फुटबॉल प्रतियोगिता है।

जेनेराली ओपन: क्वेंटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और

मारियानो नवोन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

किट्जबुहेल, एजेंसी। ऑस्ट्रिया के किट्जबुहेल में खेले जा रहे जेनेराली ओपन एटीपी टूर्नामेंट में बुधवार का दिन बड़े उलटफेरों के नाम रहा। क्वेंटिन हैलिस, सेबेस्टियन बाएज और मारियानो नवोन ने अपने-अपने मुकाबलों में वरीय खिलाड़ियों को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इन नतीजों के बाद टूर्नामेंट के अंतिम आठ खिलाड़ियों के मुकाबले और भी रोमांचक हो गए हैं। फ्रांस के क्वेंटिन हैलिस ने दूसरे वरीय वैलेंटिन वचेरोट को 6-3, 6-4 से हराकर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर किया।

29 वर्षीय हैलिस पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, और उन्होंने पूरे मैच में शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने मैच के दौरान मिले एकमात्र ब्रेक प्वाइंट को भी सफलतापूर्वक बचाया और टॉप-20 रैंकिंग वाले खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पांचवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ हैलिस अपने करियर के चौथे एटीपी टूर क्ले-कोर्ट क्वार्टर फाइनल और कुल नौवें टूर-स्तरीय क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जीत के बाद हैलिस ने कहा कि यह इस साल उनके सर्वश्रेष्ठ मुकाबलों में से एक था। उन्होंने कहा कि उनकी सर्विस बेहतरीन रही और वह पहले से आखिरी अंक तक पूरी तरह फोकस में रहे। उन्होंने लगातार लंबी रैलियां खेलीं और अपने प्रतिद्वंद्वी को कठिन शॉट खेलने के लिए मजबूर किया। वचेरोट के लिए यह मुकाबला वापसी की राह में एक और चुनौती साबित हुआ। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी मई में पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण रोलां गैरो से हट गए थे और यह उनकी वापसी के बाद केवल दूसरा टूर्नामेंट था। दूसरी ओर, हैलिस ने अब तक किट्जबुहेल में एक भी सेट नहीं गंवाया है और अब उनका सामना अर्जेंटीना के मारियानो नवोन से होगा। मारियानो नवोन ने छठी वरीयता प्राप्त जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-0, 6-3 से हराकर शानदार प्रदर्शन जारी रखा। अप्रैल में बुखारेस्ट में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीतने वाले नवोन इस सप्ताह भी बिना कोई सेट गंवाए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज नवोन ने इस सीजन 18 टूर-स्तरीय मुकाबले जीत लिए हैं, जो उनके पिछले दो सत्रों के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी है। पूर्व चैंपियन सेबेस्टियन बाएज ने भी अपनी क्ले-कोर्ट विशेषज्ञता का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरी वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच को दो घंटे 27 मिनट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 7-6(6), 2-6, 6-4 से हराया। बाएज के सात एटीपी खिताबों में से छह क्ले कोर्ट पर आए हैं, जिनमें 2023 का किट्जबुहेल खिताब भी शामिल है। अब उनका सामना जर्मनी के यानिक हनफमैन से होगा, जिन्होंने मार्को ट्रुंगेलिटी को 6-4, 7-6(2) से हराया। अन्य मुकाबलों में पांचवीं वरीयता प्राप्त इग्नासियो ब्यूस ने एक सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्विट्जरलैंड के क्वालीफायर किलियन फेल्डबॉश को 2-6, 6-2, 6-2 से हराया।

वहीं चौथी वरीयता प्राप्त टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने घरेलू खिलाड़ी और क्वालीफायर जुरिज रोडियोनोव को 6-2, 7-6(4) से मात देकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

टीम इंडिया में नहीं मिला मौका...

अब इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलेंगे कुलदीप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को आयरलैंड दौरे पर टी20 सीरीज में 0-2 से हार झेलनी पड़ी थी. फिर इंग्लैंड टूर पर भी टीम इंडिया का बुरा हाल हुआ था. इंग्लैंड ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत को 0-4 से हराया. फिर तीन मैचों की वनडे सीरीज भी इंग्लिश टीम ने 2-1 से अपने नाम की. इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में स्पिनर कुलदीप यादव भी भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन वो तीनों मैचों में बेंच पर ही बैठे रहे. कुलदीप आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टी20 टीम का पार्ट नहीं थे, लेकिन वनडे सीरीज के दौरान टीम में रहने के बावजूद उन्हें बाहर रखना चौंकाने वाला रहा. अब कुलदीप अब इंग्लैंड में नई शुरुआत करने जा रहे हैं.

कुलदीप ने प्रतिष्ठित काउंटी क्लब यॉर्कशायर के साथ अनुबंध किया है. क्लब ने बुधवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की. कुलदीप यादव 24 जुलाई से 2 अगस्त तक यॉर्कशायर के लिए वन-डे कप के पांच मुकाबले खेलेंगे. इसके बाद वह भारत की दो टेस्ट मैचों की श्रीलंका सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे. श्रीलंका दौरा खत्म होने के बाद वह फिर इंग्लैंड लौटेंगे और यॉर्कशायर के लिए काउंटी चैम्पियनशिप के अंतिम तीन मुकाबलों में भी खेलेंगे.

क्या नीरज नहीं जीतेंगे कॉमनवेल्थ गोल्ड

● ओलिंपिक और खेल संघों की इंटरनल रिपोर्ट- भारत 28 साल में सबसे कमजोर प्रदर्शन कर सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के सामने 28 साल में अपने सबसे कमजोर प्रदर्शन का खतरा मंडरा रहा है। भारतीय ओलिंपिक संघ और अलग-अलग स्पोर्ट्स फेडरेशन की इंटरनल रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को पैरा स्पोर्ट्स सहित 13 खेलों में 32 पदक मिलने का अनुमान है, जिसमें सिर्फ 7 गोल्ड शामिल हैं। रिपोर्ट में नीरज चोपड़ा को भी गोल्ड का दावेदार नहीं माना गया है। नीरज ने 2018 में कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। वे ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट भी रहे हैं। जिन सात खिलाड़ियों को गोल्ड का दावेदार माना गया है उनके नाम आप नीचे दी गई तस्वीर में देख सकते हैं।

भारत के मेडल्स कम क्यों आएंगे?

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की सफलता का आधार शूटिंग, कुश्ती और बैडमिंटन जैसे खेल रहे हैं। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार पदक जीते हैं। ग्लासगो 2026 के कार्यक्रम में इन तीनों खेलों को शामिल नहीं किया गया है। यही भारत के लिए सबसे बड़ा झटका है। ग्लासगो 2026 में बर्मिंघम 2022 के 19 की तुलना में सिर्फ 10 खेल होंगे। भारत के कई मेडल स्पोर्ट्स शूटिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी, स्क्वैश और क्रिकेट इस बार शामिल नहीं हैं। बर्मिंघम में भारत के 61 में से 30 मेडल इन्हीं खेलों से आए थे। यही वजह है कि इस बार भारत का प्रदर्शन केवल खिलाड़ियों की फॉर्म पर नहीं, बल्कि गेम्स के स्पोर्ट्स प्रोग्राम पर भी निर्भर करेगा।

बांगलादेश के खिलाफ क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन की घोषणा

सिडनी, एजेंसी। युवा खिलाड़ी सैम कॉन्स्टास और कैंपबेल केलावे को डार्विन में अगले महीने बांगलादेश के खिलाफ होने वाले दौरे के लिए 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन' में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता भविष्य में टेस्ट मैचों में ओपनिंग करने वाले खिलाड़ियों के तौर पर इन दोनों खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी और दो टेस्ट मैच खेल चुके कर्टिस पैटरसन को भी टीम में जगह मिली है, जिससे पता चलता है कि वे अभी भी राष्ट्रीय स्तर पर अहम खिलाड़ी हैं। वहीं, वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के ऑफ-स्पिनर कोरी रोचिचिओली को भी शामिल किया गया है, ताकि उन्हें भारत के आगामी 'ऑस्ट्रेलिया ए' और टेस्ट दौरों (जो क्रमशः सितंबर और जनवरी में होने हैं) के लिए तैयार किया जा सके।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन बनाम बांग्लादेश टीम इस प्रकार है: कैंपबेल केलावे, कैंपबेल थॉम्पसन, कोरी रोचिचिओली, हैनो जैकब्स, जेक डोरन, जेरसिस वाडिया, जोश फिलिप, कर्टिस पैटरसन, सैम कॉन्स्टास, टीग विली, टॉम मेंज़ीज़, टॉम रोजर्स, ज़ेवियर क्रोन, नूह मैकफैडेन।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली -3957

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः प्रयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3956 का हल

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी (प्रेमिका से)– मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका– ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी– वह कैसे?

प्रेमिका– मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से– प्रिये! देखों मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका– कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी– मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मँगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

प्रेमी (प्रेमिका से)– अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका– मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी– क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

फिल्म वर्ग पहेली- 3957

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3956 (हल)

का	ला	प	त्थ	र	■	को	ह	रा	■
र	■	ड़े	■	क्ष	त्रि	य	■	ही	रा
वाँ	■	स	ड़	क	■	ला	वा	■	खी
■	जा	न	■	■	ज	■	दा	दा	■
दि	ल	■	ख	ट्टा	मी	ठा	■	मि	ली
व्या	■	खे	ल	■	र	■	स	नी	■
■	प	■	ना	ना	■	डॉ	न	■	डो
प	रि	च	य	■	सु	■	म	वा	ली
■	वा	■	क	सू	र	■	■	रि	■
पा	र	स	■	र्या	■	वि	रा	स	त

सूडोकु -3957

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3956 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3957

बाएँ से दाएँ

1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांघ-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' मैं सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली -3956 का हल

■	रा	ज	कु	मा	र	■	म	नो	ह	र
दौ	र	■	ली	■	ख	न	न	■	र	वा
ल	■	जा	न	व	र	■	न	ल	■	य
त	न	य	■	■	खा	र	■	की	म	त
खा	■	दा	■	ना	व	■	ड	■	दा	■
ना	र	द	मु	नी	■	प	र	व	री	श
■	म्ता	■	ख	■	स	द	■	र्ध	■	क
भ	र	ना	■	स	भा	■	■	मा	हि	र
या	■	का	का	■	भ	द्दा	प	न	■	कं
न	न	■	त	ना	व	■	ह	■	दा	द
क	म	जो	र	■	न	ग	र	वा	सी	■

इम्यून सिस्टम रखें दुरस्त बीमारियों से बचे रहेंगे

डॉक्टर अक्सर कहते हैं कि बीमारियां उन लोगों को ज्यादा निशाना बनाती हैं, जिनकी रोगों से लड़ने की ताकत कमजोर होती है। विज्ञान की भाषा में इसे रोग प्रतिरोधक क्षमता घटना या इम्यून सिस्टम कमजोर होना कहते हैं। व्यक्ति ऊपर से तंदुरुस्त नजर आ सकता है, फिर भी उसकी रोगों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो सकती है। इसके उलट, किसी दुबले-पतले इन्सान का इम्यून सिस्टम मजबूत हो सकता है।

दरअसल, खून को शरीर में दौड़ाने वाली कोशिकाएं अन्य अंगों के साथ मिलकर बीमारियों से लड़ने की यह क्षमता (रोग प्रतिरोधक) हासिल करती हैं। शरीर में पैदा होने वाले कई हालात के साथ ही बाहरी कारण इस प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं। किसी बच्चे में जन्म से ऐसा हो सकता है या वो हवा-पानी (पर्यावरण) में पल-बढ़ रहा है, उसके बुरे असर के कारण भी ऐसा हो सकता है।

डॉ. आयुष पाण्डे के अनुसार, जिन बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है, वे बार-बार संक्रमण (इन्फेक्शन) का शिकार होते हैं और ये संक्रमण जल्दी दूर नहीं होते। यह रोगों से लड़ने की क्षमता ही है जिसके कारण कुछ बच्चों में सर्दी जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी दूर हो जाती हैं और कुछ बच्चों में, यहां तक कि बड़ों में भी, लंबे समय तक बनी रहती है।

इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ने के संकेत

- भूख न लगना, पेट में दर्द होना, ऐंठन, बार-बार दस्त आना
- बच्चों का सही शारीरिक विकास न हो पाना
- बच्चों का दिमाग न चलना
- शरीर में अंदरूनी सूजन
- एनीमिया यानी खून की कमी होना

रोगों से लड़ने की ताकत कम होने के कारण

- एचआईवी, जिस वायरस से एड्स होता है
- कुछ प्रकार के कैंसर
- कुपोषण यानी भोजन में पोषक तत्वों की कमी
- वायरल हेपेटाइटिस
- कभी-कभी दवाओं के असर से भी यह ताकत कम हो जाती है।

ऐसे बढ़ाई जा सकती है रोगों से लड़ने की ताकत

- इम्यून सिस्टम सर्दी और फ्लू का कारण बनने वाले वायरस से बचाव करता है। ये आठ कदम आपके इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करने में मदद कर सकते हैं। यह आपको उन वायरस से लड़ने के लिए तैयार करते हैं।
- खूब फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाइए।
- सप्ताह में जितने ज्यादा दिन हो सके, कम से कम 30 मिनट का कसरत करें।
- पर्याप्त नींद लें।
- जब-जब भी जरूरत हो, हाथ जरूर धोएं।
- टीकाकरण कराएं। छोटे बच्चों को हर साल फ्लू का टीका लगवाना चाहिए।
- अपना वजन कंट्रोल रखें।
- सिगरेट-शराब न पीएं।

भोजन की थाली में छुपी है अच्छी सेहत

इम्यून सिस्टम (रोगों से लड़ने की ताकत) मजबूत करने का सबसे अच्छा और प्राकृतिक स्रोत है भोजन। आपकी थाली में सब्जियां और फल ज्यादा होने चाहिए। भारत में सरकार ने अपने 'मायप्लेट' प्रोग्राम के तहत दिशा-निर्देश जारी किए हैं और बताया है कि भोजन की आदर्श थाली कैसी होती है।

शरीर में किसी तरह की कमजोरी या असहजता महसूस होती है तो डॉक्टर को बताना चाहिए और उनसे यह भी जानना चाहिए कि क्या मरीज वह भोजन कर रहा है जिसमें उसके लिए जरूरी विटामिन और खनिज हो। अधिक खुराक न लें। बहुत ज्यादा सोना बुरा हो सकता है।

तनाव कम करने की कोशिश करें

आज हर व्यक्ति को तरह-तरह के तनाव से जूझना पड़ रहा है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इम्यून सिस्टम यानी रोगों से लड़ने की यही क्षमता तनाव दूर करने में मदद कर सकती है। इसलिए तनाव कम लें, खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रखें।

तनाव दूर करने के लिए उठाएं ये कदम

- पर्याप्त नींद लें।
- खुद को रिलेक्स रखें यानी हर वक्त तनाव में न रहें। बीच-बीच में कुछ ऐसे काम करते रहें, जिसने सुकून महसूस हो जैसे कोई शॉर्ट फिल्म देखना या संगीत सुनना।
- व्यायाम जरूर करें।
- अपने लिए समय निकालें।
- उन लोगों से मिलते-जुलते रहें, जिन्हें आप अपनी समस्याएं बताते हैं और सही समाधान मिलता है।
- तनाव ज्यादा बढ़ जाए तो परेशान बने रहने के बजाए डॉक्टर से मिलें। काउंसिलिंग से कई तरह के तनाव दूर हो सकते हैं।

डॉ. गगन अग्रवाल बताते हैं कि जो मां अपने बच्चे को स्तनपान कराती है, उस बच्चे में रोगों से लड़ने की ताकत ज्यादा होती है। जिस घर में छोटे बच्चे हों, वहां साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखा जाना चाहिए। बच्चों को बाहर की चीजें खिलाने के बजाए घर की बनी पौष्टिक चीजें खिलाएं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

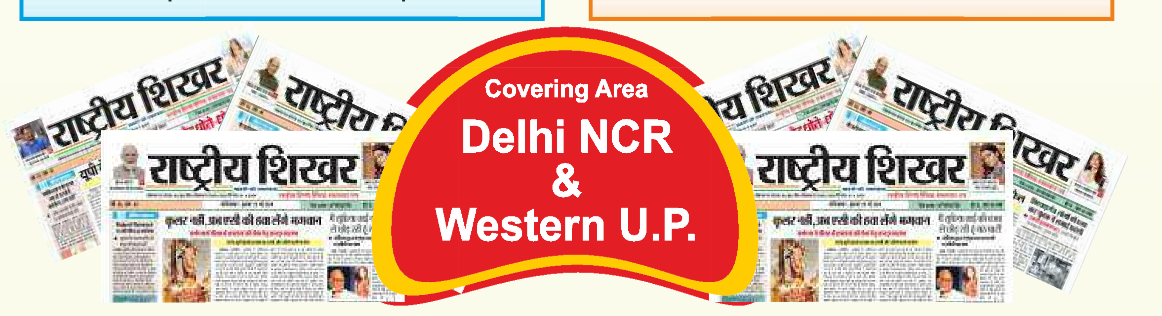

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

राघव जुयाल संग डेटिंग की अफवाहों पर शहनाज गिल ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में शहनाज गिल और राघव जुयाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब शहनाज ने इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

एक इंटरव्यू के दौरान जब शहनाज से राघव जुयाल के साथ उनके रिश्ते को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने अपनी निजी जिंदगी पर बात करने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'प्लीज मुझसे पर्सनल सवाल मत पूछिए।' शहनाज ने राघव को अपना बेहद करीबी और अच्छा दोस्त बताया। उन्होंने अफेयर की खबरों पर ध्यान न देते हुए बातचीत का रुख राघव के काम की तरफ मोड़ दिया।

फैंस से की फिल्म देखने की अपील

शहनाज ने राघव की आने वाली फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को सपोर्ट करने की अपील की है। उन्होंने राघव की तारीफ करते हुए कहा, राघव पहली बार किसी फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेता नजर आने वाले हैं। उनका कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं है, उन्होंने आज जो भी मुकाम हासिल किया है वह सिर्फ अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर किया है। इसलिए, सभी लोग सिनेमाघरों में जाकर उनकी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को जरूर देखें और उन्हें पूरा सपोर्ट करें।

कब रिलीज होगी 'भाई तेरा स्टार है'

फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' दुनिया भर के सिनेमाघरों में 30 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक बी. अग्रवाल ने किया है। यह एक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में राघव जुयाल मुख्य भूमिका (अजय सिंह) में नजर आएंगे, साथ ही संजय कपूर और निहारिका एनएम भी प्रमुख किरदारों में हैं।

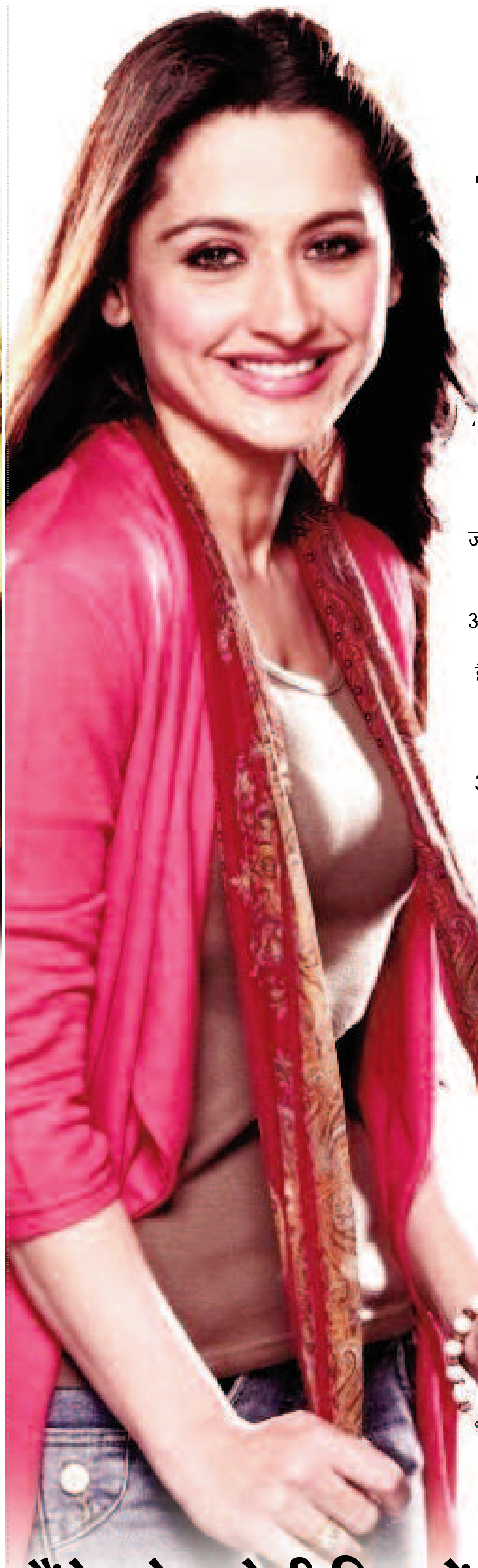

दर्शकों से मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल-4' और 'इक्का' की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग-अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया।

अभिनेत्री संजीदा शेख ने लिखा, किस्मत भी कभी-कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग-अलग समय पर शूट की गई 'धमाल 4' और 'इक्का' एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया।'

फिल्म 'धमाल-4' में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी (आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह 'भाभी' (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं।

इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। नेटफ्लिक्स की फिल्म 'इक्का' एक हाई स्टेक्स लीगल थ्रिलर में संजीदा शेख ने 'गौरी' (शौर्यमान की पत्नी) की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके किरदार को कहानी के अनुसार अहम, लेकिन सीमित स्क्रीन स्पेस वाला बताया गया है। 'धमाल-4' और 'इक्का' दोनों ही फिल्में 10 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज हुईं। कॉमेडी ड्रामा थिएटर में आई, जबकि एक्शन थ्रिलर का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर हुआ।

मैंने हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है जिनमें महिलाओं का किरदार प्रभावशाली हो

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि उन्होंने अपने पूरे फिल्मी करियर में हमेशा ऐसी फिल्मों का समर्थन किया है, जिनमें महिलाओं के मजबूत और प्रभावशाली किरदार कहानी का केंद्र हों। उनका मानना है कि सिनेमा में महिलाओं की दमदार आवाज और उनकी अहम भूमिका को और अधिक जगह मिलनी चाहिए।

अनिल कपूर ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि उनका यह विश्वास सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके निजी जीवन की मजबूत महिलाओं ने भी उनकी इस सोच को और मजबूत बनाया है। अभिनेता अनिल कपूर ने लिखा, 'मैं हमेशा से मानता आया हूं कि हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिनमें मजबूत महिला मुख्य किरदार और उनकी आवाज हो। चाहे वर्षों पहले 'जुदाई' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों में अभिनय करना हो या 'खूबसूरत', 'वीरे दी वेडिंग' और 'क्रू' जैसी फिल्मों का निर्माण करना, मैंने हमेशा ऐसी महिला किरदारों का समर्थन किया है जो कहानी की धुरी हों।' उन्होंने अपनी बेटियों सोनम कपूर और रिया कपूर के साथ-साथ अपनी पत्नी को भी अपनी इस सोच की प्रेरणा बताया।

प्रियंका चोपड़ा ने की राजामौली की तारीफ

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। प्रियंका ने उनकी जमकर तारीफ की है। इस फिल्म के साथ प्रियंका भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने राजामौली के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात की।

बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मैं इस पर (वाराणसी) लगभग 14 महीनों से काम कर रही हूं। एसएस राजामौली फिल्में बनाने में ज्यादा समय लेने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए बुलाया और यह दुनिया भर और समय के साथ एक जबरदस्त एडवेंचर है। इसमें थोड़ा समय लगा है लेकिन मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं इसमें कई शानदार स्लो-मोशन जंप करती हूं।'

हाल ही में वैरायटी से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'यह उन सभी फिल्मों से अलग है, जो मैंने अब तक की हैं। हम अंटार्कटिका की यात्रा करते हैं। राजामौली जो दुनिया बनाते हैं वह बहुत भव्य होती हैं। किसी के पास भी वैसा विजन नहीं है, जैसा राजामौली के पास है। इसलिए मैं भी और देखने के लिए उत्साहित हूं।' प्रियंका ने बताया कि फिल्म साइन करने से पहले उन्होंने निर्देशक से क्या कहा था। उन्होंने कहा 'मैंने कहा, 'सुनिए, मैं इंडियन फिल्मों में वापस आ रही हूं। मुझे एक डांस सॉन्ग करना है। मतलब आपको मुझसे डांस करवाना ही होगा।'

2027 में रिलीज होगी है फिल्म

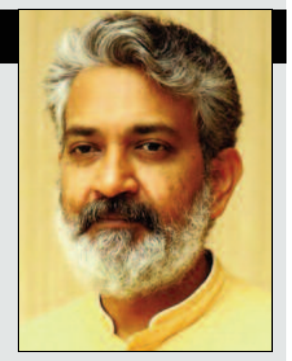

राजामौली ने हाल ही में बताया कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्तूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है। यह फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार में होंगे।

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने दोनों इंडस्ट्रीज में काम करने के माहौल के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि टॉलीवुड में लोग एक बड़े परिवार की तरह काम करते हैं, जबकि बॉलीवुड में माहौल अलग होता है।

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में बताया कि तेलुगु इंडस्ट्री ने हमेशा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया है और सपोर्ट किया है। रकुल के मुताबिक, वहां के एक्टर्स, डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स हमेशा एक-दूसरे का हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि वे खुशी-खुशी एक-दूसरे के ट्रेलर को प्रमोट करते हैं। फिल्म इवेंट्स में शामिल होते हैं और साथ मिलकर सफलता का जश्न मनाते हैं। उन्हें लगता है कि इस तरह का सपोर्ट सभी के लिए एक खुशहाल और अच्छा माहौल बनाता है।

बोलीं- 'हिंदी इंडस्ट्री में लोग सपोर्ट नहीं करते'

रकुल प्रीत सिंह ने बताया कि उन्होंने क्या सीखा? उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम सच में पीछे हैं। मेरी ट्रेनिंग तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में हुई है और वह इंडस्ट्री बहुत एकजुट है। मैंने कई बार कहा है कि जब मैं बॉम्बे आई, तो मुझे अचानक एहसास हुआ कि हर कोई इतना कॉम्पिटिटिव क्यों है? वहां भी कॉम्पिटिशन है, लेकिन लोग एक-दूसरे की फिल्मों को सपोर्ट करते हैं। दूसरी ओर, उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें अक्सर लोगों में असुरक्षा की भावना महसूस होती है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कई लोग खुलकर दूसरों की फिल्मों को सपोर्ट नहीं करते हैं।

रकुल प्रीत सिंह ने आगे कहा, 'हम एक-दूसरे की फिल्म की स्क्रीनिंग या प्रीमियर में जाते थे। उसके बारे में बात करते थे या सक्सेस पार्टी में जश्न मनाते थे। ऐसा नहीं था कि कौन जा रहा है, इसलिए मैं भी जाऊंगी। हर कोई बस एक-दूसरे की मदद के लिए तैयार रहता था। मुझे लगता है कि अगर हम मुंबई की फिल्म इंडस्ट्री में भी वैसी ही भावना ले आएं, तो हम सच में बहुत मजबूत बन सकते हैं। मुझे लगता है कि असुरक्षा की भावना ऐसा नहीं करने देतीं और यह खुद पर काम करने वाली बात है। रकुल प्रीत सिंह का मानना है कि अगर लोग एक-दूसरे का साथ दें और सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री और भी मजबूत हो सकती है। वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें रकुल को आखिरी बार 'पति पत्नी और वो 2' में देखा गया था। इसमें आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी और सारा अली खान भी अहम रोल में नजर आए।

सही मौके पर सही जगह होने के चलते मिला करियर का सबसे लोकप्रिय किरदार

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने अपने अलग तरह के किरदारों से इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उन्हें पहचान 'मिर्जापुर' सीरीज के उनके 'बीना त्रिपाठी' के किरदार से ही मिली। अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें एक बार फिर रसिका बीना त्रिपाठी के किरदार में नजर आएंगी। लेकिन हाल ही में रसिका ने बताया कि बीना का किरदार उन्हें किस्मत से मिल गया। सही मौके पर सही जगह होने के चलते उन्हें अपने करियर का सबसे लोकप्रिय किरदार मिला।

बातचीत में रसिका दुग्गल ने 'मिर्जापुर' के अपने किरदार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 'मिर्जापुर' लगभग नहीं हो पाता। हालांकि वह इसके क्रिएटर करण अंशुमन को जानती थीं, लेकिन उनसे काम मांगने में उन्हें हिचकिचाहट हो रही थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मिर्जापुर के लिए मैं करण अंशुमन को जानती थी, जो सीजन 1 के क्रिएटर और डायरेक्टर में से एक थे। किसी ने मुझे बताया कि वह यह शो बना रहे हैं। मैंने कहा, 'अगर करण मुझे कास्ट करना चाहते, तो वह मुझे बुलाते।' मेरी दोस्त ने कहा, 'तुम उन्हें याद दिलाने के लिए एक मैसेज क्यों नहीं भेजतीं?' मैंने कहा, 'मैं उनके लिए स्थिति अजीब नहीं बनाना चाहती। दोस्तों का मैसेज आना कि 'रोल दे दो,' ऐसी स्थिति है जिससे आप आसानी से निकल नहीं सकते।' लेकिन फिर मैंने कहा ठीक है, मैं उन्हें मैसेज करूंगी।

किरदार को लेकर नर्वस थीं

उस फैसले ने सब कुछ बदल दिया। रासिका ने आगे कहा कि मुझे एक मिनट के अंदर ही जवाब मिला, 'बिल्कुल, चलो इस बारे में मिलते हैं।' जब मैं उनसे मिली, तो उन्होंने कहा, 'मैंने तुमसे इसलिए नहीं पूछा क्योंकि तुम 'मंटो' में नवाज के अपोजिट कास्ट हुई थीं। मुझे लगा कि शायद तुम स्ट्रीमिंग शो नहीं करना चाहतीं। शायद तुम सिर्फ फिल्में करना चाहती हो।' मैंने कहा, 'क्या आप पागल हैं? बिल्कुल, मैं यह जरूर करूंगी।' जब मैंने वह हिस्सा पढ़ा, तो मुझे लगा, 'वाह, शुक्रिया।' मैं लगभग डर ही गई थी। यह मेरे लुक से इतना अलग था कि मुझे लगा कि कहीं ये लोग बीच में अपना मन न बदल लें। कभी-कभी जब मैं रीडिंग के लिए ऑफिस जाती थी, तो सोचती थी, 'शिट, उम्मीद है उन्हें ऐसा न लगे कि मैं यह नहीं कर पाऊंगी।' मैं बहुत नर्वस थी कि क्या मैं इसे ठीक से निभा पाऊंगी या नहीं। सोचिए, बस एक मैसेज। अगर मैंने वह मैसेज न भेजा होता, तो क्या होता? 'मिर्जापुर' की सफलता ने बीना त्रिपाठी को इंडियन स्ट्रीमिंग के सबसे यादगार किरदारों में से एक बना दिया।

किस्मत से मिला 'दिल्ली क्राइम' में रोल

एक्ट्रेस ने 'दिल्ली क्राइम' में अपनी कास्टिंग को लेकर भी बताया। उन्होंने बताया कि कैसे किस्मत से उन्हें यह रोल मिला। एक्ट्रेस ने कहा कि इसी तरह 'दिल्ली क्राइम' के मामले में भी सही समय पर सही जगह पर होना काम आया। मैं 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रही थी, जिसमें मेरा छोटा सा रोल था। मैं रिची मेहता को जानती थी क्योंकि हम फिल्म फेस्टिवल में मिल चुके थे, जब मैं 'किस्सा' के साथ ट्रैवल कर रही थी। लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह कुछ नया बना रहे हैं और मैंने उनसे संपर्क भी नहीं किया था। इत्तेफाक से रिची उसी लोकेशन पर आए जहां हम 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रहे थे, ताकि वह अपने किसी दूसरे शो के लिए लोकेशन का जायजा कर सकें। मजेदार बात यह है कि वह शो तो नहीं बना, लेकिन 'दिल्ली क्राइम' बन गया। उन्होंने सोचा, 'अरे, मैं अभी रसिका से मिला। वह इस रोल के लिए बहुत अच्छी रहेगी।' एक्ट्रेस का मानना है कि टैलेंट इस पूरी प्रक्रिया का बस एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह किस्मत की बात है। सही जगह, सही समय। यह सब उसी पर निर्भर करता है।

संक्षिप्त समाचार

यूएन की रिपोर्ट में दावा- 2025 में एशिया प्रशांत में 114 अरब यूएसडी का साइबर अपराध; 80+ देशों में असर

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में साइबर गिरोहों ने एशिया प्रशांत के लोगों को 114.1 अरब डॉलर तक का चूना लगाया, जो इस क्षेत्र के कई देशों की जीडीपी से भी अधिक है। संयुक्त राष्ट्र ड्रग्स और अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि चीनी मूल के इन गिरोहों का नेटवर्क म्यांमार और लाओस से पूर्वी तिमोर, प्रशांत द्वीप समूह और अफ्रीका तक फैल गया है। दावा है कि इनके केंद्रों में 80 से अधिक देशों के लोगों को नौकरी का झांसा देकर जबरन ठगी करवाई जाती है। ये गिरोह कॉरपोरेट फ्रेंचाइजी की तरह काम कर रहे हैं, जो मनी लॉन्ड्रिंग और डाटा चोरी जैसी गतिविधियों को धड़ल्ले से अंजाम दे रहे हैं।

बांग्लादेश अगले साल कर सकता है बिम्सटेक शिखर सम्मेलन की मेजबानी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश 2027 में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर सकता है। बिम्सटेक के महासचिव इंद्र मणि पांडे ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन की 30वीं वर्षगांठ का वर्ष 2027 बांग्लादेश की अध्यक्षता का दूसरा और अंतिम वर्ष भी होगा। पांडे ने कहा कि बिम्सटेक के तहत सभी इस तरह की पहल सदस्य देशों की आपसी सहमति से की जाती हैं। हमारे विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों की बैठकों में सहयोग के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की नियमित समीक्षा की जाती है, जिससे नए क्षेत्रों को जोड़ा जाता है। गौरतलब है कि बिम्सटेक में सात सदस्य देश हैं। इनमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल हैं।

सोने की तस्करी मामले में भारतीय मूल के मलेशियाई नागरिक को सिंगापुर में जेल की सजा

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने मंगलवार को भारतीय मूल के 39 वर्षीय मलयेशियाई नागरिक तुराह राजू सुब्रमण्यम को 38 महीने की सजा सुनाई। उस पर एक ठगी पीड़िता से 4.12 लाख सिंगापुर डॉलर मूल्य के 1,600 सोने के बिस्कुट प्राप्त कर मलयेशिया तस्करी करने का आरोप है।सुब्रमण्यम ने टेलीग्राम ग्रुप के जरिये काम पाया था। उसने सरकारी अधिकारी बनकर ठगी करने वालों के झांसे में आई 54 वर्षीय महिला से ये बिस्कुट हासिल किए थे। इसके बाद वह मलयेशिया लौट गया। कुछ दिनों बाद सिंगापुर में फिर दाखिल होने पर उसे गिरफ्तार किया गया।

पश्चिम अफ्रीका में नौका पलटने के हादसों में 150 से अधिक की मौत या लापता

नौआकत, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने मंगलवार को पश्चिम अफ्रीका के तट पर हुई दो अलग-अलग घटनाओं में लगभग 150 प्रवासियों के मारे जाने या लापता होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। ये लोग पिछले सप्ताह यूरोप पहुंचने के प्रयास में नावों पर सवार होकर यात्रा कर रहे थे। एजेंसी के अनुसार, 14 से 18 जुलाई के बीच हुई इन घटनाओं में 144 लोग या तो मृत पाए गए या लापता हो गए, जबकि 387 लोगों को बचाया गया। मॉरिटानिया के तटरक्षक बल ने बताया कि राजधानी नौआकत के पास तट से 122 लोग लापता हुए। एक नाव, जिसमें गाम्बिया से 160 लोग कैनरी द्वीप की ओर जा रहे थे, ईंधन खत्म होने के कारण 25 दिनों तक समुद्र में फंसी रही। एक अन्य घटना में, तटरक्षक बल ने सेनेगल से एक नाव पर सवार 179 लोगों को बचाया। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि दोनों घटनाओं के आंकड़ों में अंतर क्यों है। मॉरिटानिया के जलक्षेत्र उप-सहारा अफ्रीका के उन लोगों के लिए यूरोप में बेहतर जीवन की तलाश का एक प्रमुख मार्ग बन गया है, जहां आर्थिक अवसर सीमित हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने चेतावनी दी है कि कैनरी द्वीप की ओर जाने वाला मार्ग 'दुनिया के सबसे घातक' मार्गों में से एक है।

पाकिस्तान में पेट्रोल 4.93 और डीजल 7.15 रुपया महंगा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सरकार ने पेट्रोल के दाम में 4.93 रुपया प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल (।रस्ष्ठ) में 7.15 रुपया प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। नई दरें 22 जुलाई से लागू हो गई हैं। दामों में इस बदलाव के बाद अब बाजार में पेट्रोल की नई कीमत 320.73 रुपया लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 367.21 रुपया प्रति लीटर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में आ रहे तेज उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार ने बड़ा नीतिगत बदलाव किया है। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने घोषणा की है कि अब देश में फ्यूल रेट्स हफ्ते के बजाय रोजाना आधार पर तय किए जाएंगे। सरकार के रोजाना रेट तय करने के फैसले का ऑल पाकिस्तान डीलर्स एसोसिएशन ने कड़ा विरोध किया है।

पीओके में प्रदर्शनकारियों की मौत पर बढ़ा तनाव, जेएएसी ने बड़े आंदोलन का किया ऐलान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने मंगलवार को कहा कि स्वैच्छिक बंद और चक्का जाम हड़ताल जारी है। संगठन ने 23 जुलाई को बेहद महत्वपूर्ण दिन बताते हुए लोगों से बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने की अपील की है। जेएएसी ने लोगों से अपनी मांगों के कार्यान्वयन की मांग को लेकर पूरी ताकत के साथ प्रदर्शन में शामिल होने और आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के लिए प्रार्थना करने का आह्वान किया। संगठन ने अधिकारियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग उन लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं, जिन्हें अपने अधिकारों की मांग करने पर मारा गया।

कश्मीर के लोगों की दृढ़ता को सलाम : जेएएसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 45 दिनों से जारी उत्पीड़न और क्रूरता, बड़े पैमाने पर हत्याओं और शासकों द्वारा बुनियादी मानवाधिकारों के उल्लंघन के बावजूद हम कश्मीर के लोगों की दृढ़ता को सलाम करते हैं। शासक उन लोगों के हत्यारे हैं, जिन्हें अपने अधिकारों की मांग करने के बदले में मार दिया गया। दर्जनों लोगों की हत्या की गई, लेकिन शासकों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। इसका कारण उनकी सत्ता की लालसा है। हम अपने शहीदों के खून से कोई समझौता किए बिना शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रखेंगे। हम लोगों से अपील करते हैं कि वे इन

चालाक और धोखेबाज शासकों के झूठे वादों में न आएं।

मुजफ्फराबाद-मीरपुर के लोगों से खास अपील : जेएएसी ने मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजन के लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील करते हुए एक्स पर लिखा कि मुजफ्फराबाद और मीरपुर डिवीजन के लोग 23 जुलाई को पूरी ताकत के साथ विरोध प्रदर्शन करें। 23 जुलाई को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने और बंदूक की नोक पर फर्जी चुनावों के जरिए धोखेबाज, चालाक और पाखंडी लोगों को जनता पर थोपने के संबंध में एक महत्वपूर्ण घोषणा की जाएगी। एक अन्य पोस्ट में जेएएसी ने बताया कि रावलकोट निवासी जिब्रान मुश्ताक फराम तारार, जिनका इस्लामाबाद में इलाज चल रहा था, उनकी मौत हो गई। संगठन के अनुसार, सुरक्षा बलों की गोली लगने से उसकी मौत हुई।

पिछले सप्ताह स्थगित की थी यात्रा : इससे पहले पिछले सप्ताह पीओके में जारी अशांति में 30 से अधिक लोगों की मौत के बाद जेएएसी ने अपनी प्रस्तावित लंबी मार्च यात्रा को 21 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया था। संगठन ने पाकिस्तान सरकार को अपनी मांगों को पूरा करने के लिए अंतिम अवसर दिया था। 14 जुलाई की समय सीमा खत्म होने के बाद जेएएसी ने मुजफ्फराबाद की ओर मार्च के लिए हजारों समर्थकों को जुटाया था। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए थे। पूरे क्षेत्र से आए काफिले रावलाकोट और अन्य प्रदर्शन स्थलों पर पहुंचे थे। हालांकि, पाकिस्तान सरकार के अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद मार्च को स्थगित कर दिया गया। संगठन ने चेतावनी दी थी कि यदि ठोस कदम नहीं उठाए गए तो मुजफ्फराबाद की ओर लंबा मार्च दोबारा शुरू किया जाएगा। वहीं, पीओके के विभिन्न हिस्सों में धरना प्रदर्शन जारी रहेंगे।

यूएन ने जताई चिंता : 17 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय ने पीओके में बढ़ती अशांति के बीच अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा और संगठन बनाने के अधिकारों के उल्लंघन पर गंभीर चिंता जताई। हालिया हिंसा में दर्जनों लोगों की मौत और कई अन्य के घायल होने की खबर है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के प्रवक्ता जेरेमी लॉरेंस ने बयान में कहा कि किसी नागरिक समाज संगठन को अपराधी घोषित करना और सार्वजनिक सभाओं पर कड़े प्रतिबंध लगाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण सभा और संगठन बनाने के अधिकारों के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। हिरासत में लिए गए जेएएसी नेताओं को कानूनी सहायता और अपने परिवारों से संपर्क का अधिकार मिलना चाहिए। साथ ही, उनके उचित कानूनी प्रक्रिया और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार की पूरी तरह रक्षा की जानी चाहिए। विरोध पर पाकिस्तानी अधिकारियों की प्रतिक्रिया पर गहरी चिंता जताते हुए, यूएन मानवाधिकार ऑफिस ने कहा कि जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) विरोध के पीछे का एक मूवमेंट है। इसमें ट्रेडर्स, ट्रांसपोर्टर्स, स्टूडेंट्स, वकील, एक्टिविस्ट्स और दूसरे लोग शामिल हैं। इन पर पब्लिक ऑर्डर और सुरक्षा को खतरा पहुंचाने का आरोप है और इन्हें एंटी-टेररिज्म कानूनों के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया। ग्रुप के कुछ नेताओं को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया है।

अमेरिका ने 11वीं रात ईरान पर किये हमले, सैन्य ठिकानों, ड्रोन स्टोरेज फैसिलिटी को बनाया निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने मंगलवार (लोकल टाइम) को कहा कि उसने ईरान के खिलाफ लगातार 11वीं रात हमले पूरे कर लिए हैं. इसमें मिलिट्री ऑपरेशन सेंटर, समुद्री क्षमताएं, एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज फैसिलिटी और मिलिट्री लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट किया गया. एक बयान में सेंटकॉम ने कहा कि ऑपरेशन 21 जुलाई को रात 8:15 बजे पर खत्म हुआ और इसका मकसद होर्मुज स्ट्रेट में व्यावसायिक जहाजों को खतरा पहुंचाने की ईरान की काबिलियत को और कम करना था. बयान में कहा गया, '21 जुलाई को रात 8:15 बजे अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के खिलाफ लगातार 11वीं शाम को हमले सफलतापूर्वक पूरे किए.' इसमें आगे कहा गया कि सेंटकॉम के एसेट्स ने ईरानी मिलिट्री ऑपरेशन सेंटर्स, समुद्री क्षमताओं, एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज फैसिलिटीज और मिलिट्री लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को टारगेट किया ताकि होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल शिपिंग को खतरा पहुंचाने की ईरान की काबिलियत को और कम किया जा सके. सेंटकॉम के मुताबिक ईरान ने पिछले तीन महीनों में महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले 30 से ज़्यादा कमर्शियल जहाजों पर हमला किया है. इन हमलों को गैर-जरूरी बताया और कहा कि इनसे सैकड़ों आम नाविकों को खतरा हुआ और नेविगेशन की आजादी कमजोर हुई. सेंटकॉम ने कहा, 'ईरानी हमले के बावजूद होर्मुज स्ट्रेट कमर्शियल जहाज़ों के आने-जाने के लिए खुला है.' साथ ही, यह भी कहा कि मई की शुरुआत से अमेरिकी सेना ने लगभग 900 कमर्शियल जहाज़ों को इस जरूरी समुद्री रास्ते से लगभग 450 मिलियन बैरल कच्चा तेल ले जाने में मदद की है. इससे पहले सेंटकॉम ने एक्स पर एक पोस्ट में हमलों के नए दौर की शुरुआत का ऐलान किया।

अमेरिका अगस्त 2028 से जेनेरिक दवाओं के इंपोर्ट पर भारी टैरिफ लगाएगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को अगस्त 2028 से इम्पोर्टेड जेनेरिक दवाओं पर भारी टैरिफ लगाने का ऐलान किया. उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद ऐसे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग को अपने देश में लाना है. इस कदम का असर भारत पर पड़ सकता है, जो अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है.

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 1 अगस्त से अमेरिका देश में लाई जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर दो साल तक जीरो परसेंट टैरिफ जारी रखेगा, जिसके बाद इसे एक साल के लिए 100 परसेंट और उसके बाद 200 परसेंट कर दिया जाएगा।

ट्रंप ने कहा, '1 अगस्त, 2026 से अमेरिका में लाई जाने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर दो साल तक जीरो परसेंट टैरिफ जारी रहेगा, जिसके बाद टैरिफ को एक साल के लिए 100 परसेंट और उसके बाद 200 परसेंट कर दिया जाएगा.' ट्रंप ने कहा, 'यह अमेरिका में जेनेरिक फार्मास्यूटिकल प्रोडक्शन को फिर से शुरू करने के लिए किया गया है, जिसमें उन कंपनियों पर पेनल्टी लगाई जाएगी जो उन्हें दिए गए समय के अंदर प्लांट और इक्विपमेंट नहीं बनाने का फैसला करती हैं।

प्रेसिडेंट ने कहा कि इस पॉलिसी का मकसद यूनाइटेड स्टेट्स के लोगों की सुरक्षा करना है. उन्होंने कहा, 'पेटेंटेड, ब्रांडेड या इनोवेटिव दवाओं पर पॉलिसी, जो इतनी सफल रही है, वैसी ही रहेगी.' इंडिया को अक्सर 'दुनिया की फार्मेसी' कहा जाता है क्योंकि यह दुनिया भर के देशों को जेनेरिक दवाएं सप्लाई करता है.

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में इंडिया ने अमेरिका को 9.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर की फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट की जो उसके कुल ग्लोबल फार्मा एक्सपोर्ट 25.8 बिलियन डॉलर का 38 परसेंट है. इंडियन जेनेरिक दवाएं हाइपरटेंशन, डायबिटीज, कैंसर, इंफेक्शियस बीमारियों और मेंटल हेल्थ के लिए बड़े पैमाने पर लिखी जाती हैं।

ट्रंप का बड़ा दावा, ऐतिहासिक अब्राहम अकॉर्ड्स में जल्द शामिल हो सकता है लेबनान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक बहुत ही बड़ा और ऐतिहासिक बयान दिया है। उन्होंने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए संकेत दिया कि लेबनान भविष्य में अब्राहम अकॉर्ड्स का हिस्सा बन सकता है। उनका प्रशासन अमेरिका की मदद से बने इन शांति समझौतों का विस्तार करना चाहता है। ट्रंप के इस अहम बयान से मध्य पूर्व में दशकों से चले आ रहे भारी तनाव के पूरी तरह से खत्म होने की उम्मीद जगी है।

व्हाइट हाउस में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन के साथ एक बेहद अहम और खास मुलाकात के दौरान ट्रंप ने यह बात कही। लेबनान और इजरायल के बीच कई दशकों से चल रहे गंभीर तनाव के बावजूद यह एक बहुत बड़ा और सकारात्मक कदम माना जा रहा है। जब ट्रंप से लेबनान के उन सख्त कानूनों के बारे में पूछा गया जो इजरायल से संपर्क रोकते हैं, तो उन्होंने कहा कि वे इसे उठाएंगे। उन्होंने आउन के साथ इस गंभीर मुद्दे पर भी बहुत ही गहराई से चर्चा करने का पूरा आश्वासन दिया है।

शांति समझौते की बड़ी सफलता : डोनाल्ड ट्रंप ने इस मौके पर स्पष्ट रूप से कहा कि अब्राहम अकॉर्ड्स उनके विचार से एक बहुत बड़ी और ऐतिहासिक सफलता रही है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि जल्द ही दुनिया के कई और देश भी इस अहम शांति समझौते में स्वेच्छा से शामिल होते हुए नजर आएंगे। हाल के सभी क्षेत्रीय संघर्षों के बावजूद ये सभी शांति समझौते पूरी तरह से मजबूत बने रहे हैं और बिल्कुल भी नहीं टूटे हैं। ट्रंप ने कहा कि इस भारी संघर्ष के समय में भी कोई देश इससे बाहर नहीं हुआ, जो एक बहुत बड़ी बात है। लेबनान की महत्वपूर्ण भूमिका राष्ट्रपति ट्रंप ने जोर देकर कहा कि मध्य पूर्व की शांति में लेबनान की एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका आसानी से हो सकती है। वहीं, लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने सीधे तौर पर अब्राहम अकॉर्ड्स का कोई भी सीधा जिक्र अपनी बातचीत में बिल्कुल नहीं किया। लेकिन उन्होंने इजरायल के साथ हाल में हुए इस अहम समझौते के नए ढांचे पर अपनी सकारात्मक बात जरूर रखी। आउन ने कहा कि इसका अंतिम लक्ष्य लेबनान और इजरायल के बीच की पुरानी दुश्मनी को हमेशा के लिए खत्म करना है।

राष्ट्रपति आउन ने इस शांति प्रयास को एक बहुत ही ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और दोनों नेताओं की सोच को एक जैसा बताया। उन्होंने कहा कि लेबनान और पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के लिए दोनों देश अब एक ही दिशा में सोच रहे हैं। आउन ने स्पष्ट किया कि अब वह सही समय पूरी तरह आ गया है कि लेबनान और पूरा क्षेत्र स्थिर और सुरक्षित बने। दोनों देशों के आपसी सहयोग से इस पूरे क्षेत्र में विकास के नए रास्ते और बड़े अवसर बहुत ही तेजी से खुलेंगे।

ट्रंप ने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका और लेबनान के बीच संबंध सिर्फ सुरक्षा तक ही बिल्कुल सीमित नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और अन्य कई अहम क्षेत्रों में भी रिश्ते काफी ज्यादा बढ़ेंगे और बहुत मजबूत होंगे। जब ट्रंप से दोनों देशों के बीच सीधी व्यावसायिक उड़ानों को फिर से शुरू करने के बारे में एक अहम सवाल पूछा गया। तो इसके जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति ने पूरे विश्वास के साथ कहा कि वह इसे पूरी तरह से संभव और बहुत आसान मानते हैं। दक्षिणी लेबनान में इजरायली सैनिकों की गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर भी राष्ट्रपति ट्रंप ने बहुत ही अहम जानकारी दी।

ईरान ने कुवैत के वाटर प्लांट्स पर किया बड़ा हमला, 90% आबादी के सामने जल संकट

तेहरान, एजेंसी। मिडिल-ईस्ट में इस समय हालात काफी ज्यादा खराब और तनावपूर्ण बने हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे भयंकर युद्ध का असर अब खाड़ी क्षेत्र पर पड़ रहा है। अमेरिकी हमले के जवाब में अब ईरान लगातार अमेरिका के सहयोगी देशों को अपना निशाना बना रहा है। मंगलवार को कुवैत ने आरोप लगाया कि ईरान ने उसके पॉवर प्लांट पर बहुत बड़ा हमला किया है। कुवैत के बिजली और जल मंत्रालय ने बताया कि ईरान ने लगातार चौथे दिन उनके प्लांट पर यह हमला किया है। इन हमलों के कारण वहां कई जगह भयंकर आग लग गई है और प्लांट्स को भारी नुकसान पहुंचा है। कुवैत का कहना है कि समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाले ये डिसेलिनेशन प्लांट बहुत अहम हैं। मंत्रालय ने कहा कि प्रभावित संयंत्रों की मरम्मत का काम तेजी से शुरू कर दिया गया है।

90 प्रतिशत आबादी पर जल संकट : कुवैत में पीने के पानी की आपूर्ति का एक बहुत बड़ा हिस्सा समुद्री पानी को साफ करके ही पूरी तरह तैयार किया जाता है। देश की करीब 90 प्रतिशत आबादी की पेयजल की मुख्य जरूरत इन्हीं बड़े डिसैलिनेशन प्लांट्स से ही पूरी होती है। इसलिए ईरान द्वारा इन अहम प्लांट पर हुए मिसाइल हमलों को कुवैत सरकार द्वारा बेहद ही गंभीर माना जा रहा है।

खाड़ी देशों पर ईरान का कहर : अमेरिका लगातार ईरान पर बड़े हमले करके उसकी सैन्य क्षमता को कमजोर करने और भारी नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश कर रहा है। यू.एस. सेंट्रल कमांड की तरफ से ईरान पर किए गए नए सैन्य हमले की भी पूरी विस्तृत जानकारी दी गई है। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच टकराव बहुत ज्यादा बढ़ गया है और युद्ध की स्थिति गंभीर हो गई है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की चेतावनी : अमेरिकी हमलों से पूरी तरह बौखलाया ईरान अब अमेरिका के करीबी माने जाने वाले सभी खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक पुरानी विस्तृत रिपोर्ट में भी यह बहुत बड़ा दावा किया गया था कि ईरान ऐसा कर सकता है। इस अहम रिपोर्ट के सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में एक बड़ा हाई अलर्ट बहुत पहले ही जारी कर दिया गया था। कुवैत ने अब अपने सभी महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा को बहुत ही ज्यादा कड़ा कर दिया है। कुवैत की महत्वपूर्ण सुविधाओं पर ईरान का यह सीधा हमला पूरे मिडिल-ईस्ट की सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इन हमलों से न केवल कुवैत की बुनियादी ढांचागत सुविधाएं चरमरा गई हैं, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था पर भी बहुत बुरा असर पड़ेगा। इस भारी तनाव के कारण खाड़ी देशों में आगे चलकर बहुत बड़ा ऊर्जा और जल संकट पैदा होने की पूरी आशंका उत्पन्न हो गई है। वैश्विक समुदाय इस युद्ध को रोकने की कोशिश कर रहा है।

जेलेंस्की का बड़ा फैसला: सिरस्की की छुट्टी, द्रपाती बने नए सेना प्रमुख

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजनीति में अचानक बहुत बड़ा उलटफेर हो गया है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने यूक्रेन के सेना प्रमुख जनरल ओलेक्जेंडर सिरस्की को पद से हटा दिया है। यह फैसला मंगलवार को लिया गया। पूरे देश में सिरस्की के खिलाफ भारी प्रदर्शन हो रहे थे। राजधानी कीव और कई अन्य शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए थे। लोग सिरस्की को हटाने की मांग कर रहे थे। जेलेंस्की ने मिखाइलो द्रपाती को नया सेना प्रमुख बनाया है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करके दी। जेलेंस्की ने कहा कि सभी की एक ही इच्छा है। वह इच्छा दुश्मन पर जीत हासिल करना है। सीमा पर ऐसे हालात बनाना है कि रूस शांति के लिए मजबूर हो जाए। उन्होंने आगे कहा कि देश ने एक बड़ा रास्ता तय किया है। यूक्रेन की रक्षा का काम लगातार जारी है। देश का हर योद्धा सम्मानजनक व्यवहार का हकदार है।

क्या जन-प्रदर्शन के आगे झुके राष्ट्रपति जेलेंस्की : यह दूसरी बार है जब जेलेंस्की को जनता के दबाव में फैसला बदलना पड़ा है। इससे पहले बीते साल की गर्मियों में भी प्रदर्शन हुए थे। तब जनता ने भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं को कमजोर करने वाले कानून का विरोध किया था। जेलेंस्की को वह कानून वापस लेना पड़ा था।

यह ताजा विवाद पिछले हफ्ते गुरुवार को शुरू हुआ था। जेलेंस्की ने अपनी सरकार में बड़ा फेरबदल किया था। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री को बदल दिया था। साथ ही रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को भी बर्खास्त कर दिया था। फेडोरोव सिर्फ छह महीने से पद पर थे।

जेलेंस्की ने कहा था कि फेडोरोव और सिरस्की के बीच भारी मतभेद थे। दोनों आपस में विवाद नहीं सुलझा पा रहे थे। इसलिए उन्हें खुद यह कदम उठाना पड़ा।

क्या विवाद और सड़कों पर क्यों उतरी जनता : पद से हटने के बाद फेडोरोव ने सिरस्की पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सिरस्की सैन्य सुधारों को रोक रहे थे। वह पुराने ढर्रे की कमान चला रहे थे। इस बयान के बाद सैनिकों और आम जनता का गुस्सा फूट पड़ा। हजारों लोग कीव की सड़कों पर निकल आए। लोगों को लगा कि जेलेंस्की एक सुधारक के बजाय पुराने ढर्रे के जनरल का साथ दे रहे हैं। इसका असर सेना के भीतर भी देखा गया। वायु सेना के उप कमांडर ने विरोध में अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे यूक्रेन की हवाई सुरक्षा कमजोर होगी। छुट्टियों पर घर आए सैनिकों और पूर्व सैनिकों ने भी प्रदर्शनों में हिस्सा लिया। कई सैनिक अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर सिरस्की का खुलकर विरोध किया। प्रदर्शनकारी मांग कर रहे थे कि पूर्व रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को वापस लाया जाए। लोग उन्हें सेना के आधुनिकीकरण का चेहरा मानते थे। वहीं सिरस्की को सोवियत दौर की पुरानी सोच वाला कमांडर माना जाता था।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच पाकिस्तान ने शुरू की सौदेबाजी ! अमेरिका से मांगे 10 अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे भयंकर युद्ध के दौरान कूटनीतिक मध्यस्थता करने के बाद अब पाकिस्तान इसका पूरा आर्थिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान ने अपनी खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए अमेरिका से 10 अरब डॉलर की स्पेशल एक्सचेंज स्टेबिलाइजेशन सपोर्ट फैसिलिटी की एक बहुत बड़ी मांग की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने इस संबंध में अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट से औपचारिक रूप से यह भारी आर्थिक मदद मांगी है। इस बड़ी धनराशि के जरिए पाकिस्तान अपनी गिरती अर्थव्यवस्था को तुरंत संभालना चाहता है। पाकिस्तान चाहता है कि पांच साल की लंबी अवधि के लिए यह भारी भरकम आर्थिक सुविधा उसे जल्द से जल्द पूरी तरह से दी जाए। इस बड़े कदम से पाकिस्तान को अपने खाली पड़े विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से मजबूत करने और पाकिस्तानी रुपये पर भारी दबाव कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा इस बड़ी आर्थिक सहायता के मिलने से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ पर उसकी पुरानी निर्भरता भी काफी हद तक घट सकेगी। यह भारी फंड मिलने से पाकिस्तान को अपने देश में चल रहे भीषण आर्थिक संकट को दूर करने में एक बहुत बड़ी और अहम राहत मिलेगी।

आईएमएफ के कर्जे का दबाव : फिलहाल पाकिस्तान 7 अरब डॉलर के आईएमएफ कार्यक्रम के तहत अपने देश में बहुत ही सख्त आर्थिक सुधार तेजी से लागू कर रहा है। इसके चलते देश में टैक्स बहुत बढ़ाए गए हैं, सरकारी खर्चों में भारी

कटौती की गई है और कई मुश्किल आर्थिक फैसले लिए गए हैं। ऐसे समय में अमेरिका की यह 10 अरब डॉलर की मदद पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ी और अहम राहत साबित हो सकती है। पाकिस्तान सरकार को अपने देश को डिफॉल्ट होने से बचाने के लिए इस समय विदेशी फंड की बहुत ही ज्यादा और सख्त जरूरत आन पड़ी है।

पुराना कर्ज और विदेशी मदद : आपको बता दें कि भारी आर्थिक संकट के कारण पाकिस्तान साल 2023 में पूरी तरह से डिफॉल्ट होने से बिल्कुल बाल-बाल बचा था। पहले उसे आईएमएफ से 3 अरब डॉलर का स्टैंडबाय पैकेज मिला और बाद में 7 अरब डॉलर का एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी कार्यक्रम भी मंजूर हुआ था। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए उसे 1.3 अरब डॉलर का एक अलग और बहुत बड़ा कर्ज भी दिया गया था। हालांकि, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था अब भी चीन और सऊदी अरब जैसे देशों की भारी वित्तीय मदद पर काफी हद तक निर्भर बनी हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव : अप्रैल महीने में संयुक्त अरब अमीरात को करीब 3.5 अरब डॉलर वापस लौटाने के बाद पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार पर बहुत भारी दबाव आ गया था। हालांकि बाद में सऊदी अरब की नई आर्थिक मदद से उसे थोड़ी बहुत राहत जरूर मिली थी, लेकिन यह नाकाफी साबित हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका यह 10 अरब डॉलर की सुविधा मंजूर करता है, तो यह केवल एक साधारण आर्थिक मदद नहीं होगी। यह पाकिस्तान के लिए एक बड़ा राजनीतिक संकेत होगा जिससे विदेशी निवेशकों का भरोसा वापस लौटेगा और वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलेगी।

अमेरिका के साथ नए रिश्ते : पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तान ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ अपने रिश्ते बहुत मजबूत करने की कोशिश की है। दोनों देशों के बीच क्रिप्टोकरेंसी, रियल एस्टेट, खनन और रेको डिक परियोजना जैसे कई अहम क्षेत्रों में सहयोग लगातार बहुत तेजी से बढ़ा है। माना जा रहा है कि अमेरिका के साथ इसी बदले हुए रिश्ते का पूरा फायदा उठाकर इस्लामाबाद अब यह बड़ी आर्थिक सहायता हासिल करना चाहता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)